- मोदी को उपहार में मिली 1300 से अधिक वस्तुओं की आज से की जाएगी ई-नीलामी - 10

- अमेरिका से व्यापार वार्ता बहाल होने की उम्मीद से झूमा बाजार - 10

- गाजा पर कब्जे की तैयारी शुरू, इजराइल ने बड़े पैमाने पर शुरू किए जमीनी हमले- 11

- विश्व चैंपियनशिप में अब चोपड़ा पर निगाह, खिताब बचाने के लिए उतरेंगे - 12

आज का मौसम

30.0° अधिकतम तापमान

24.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.01

सूर्यास्त 06.18

अमृत विचार

मुरादाबाद

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

आश्विन कृष्ण पक्ष एकादशी 11:39 उपरांत द्वादशी विक्रम संवत 2082

बुधवार, 17 सितंबर 2025, वर्ष 6, अंक 170, पृष्ठ 14

मूल्य 6 रुपये

देश के प्यारे नरेंद्र हमारे

17 सितंबर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्मदिवस केवल एक नेता के जीवन का उत्सव नहीं है, बल्कि यह उस नए भारत की यात्रा का भी प्रतीक है, जिसने बीते एक दशक में तकनीक विज्ञान, नवाचार और आत्मनिर्भरता की नई ऊंचाइयां छुई हैं।

मोदी @75

शुरुआती जीवन

- **जन्म :** 17 सितंबर 1950 वडनगर (गुजरात) में।
- **परिवार :** साधारण परिवार, पिता चाय बेचते थे।
- **शिक्षा :** वडनगर से स्कूली शिक्षा, दिल्ली विश्वविद्यालय से स्नातक व गुजरात विश्वविद्यालय से स्नातकोत्तर।
- **संघ से जुड़ाव :** किशोरावस्था में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से जुड़े, बाद में पूर्णकालिक प्रचारक बने।

राजनीतिक पारी

1980 के दशक में भाजपा से जुड़े। चुनावी रणनीति, सांगठनिक मजबूती व कार्यकर्ताओं से जुड़ने की कला में दक्ष।

1990 के दशक में बने भाजपा के प्रमुख नेता।

गुजरात के मुख्यमंत्री

- अक्टूबर, 2001 में गुजरात के मुख्यमंत्री बने।
- अवसंरचना, सड़क, बिजली, उद्योग व कृषि सुधार पर विशेष जोर दिया।
- तीव्र औद्योगिक विकास के कारण गुजरात मॉडल को बनाया मिसाल।
- वर्ष 2001 से 2014 तक लगातार चार बार गुजरात के रहे मुख्यमंत्री।

प्रधानमंत्री पद: 26 मई, 2014 को बने भारत के 14वें प्रधानमंत्री

1 कार्यकाल (2014–2019) में उपलब्धियां

- स्वच्छ भारत मिशन (गांव-गांव शौचालय)।
- जन धन योजना (सभी को बैंक खाता)।
- मेक इन इंडिया, स्टार्ट-अप इंडिया, डिजिटल इंडिया।
- उज्ज्वला योजना (गरीब महिलाओं को गैस कनेक्शन)।
- आयुष्मान भारत (स्वास्थ्य बीमा योजना)।

2 कार्यकाल (2019–2024, ऐतिहासिक बहुमत के साथ दूसरी बार बने पीएम) की उपलब्धियां

- जम्मू-कश्मीर से धारा 370 हटाई।
- नागरिक सुविधाओं व बुनियादी ढांचे पर बड़ा निवेश।
- कोरोना महामारी के समय विश्व का सबसे बड़ा टीकाकरण अभियान चलाया।
- आत्मनिर्भर भारत अभियान।

3 कार्यकाल की (2024 से अब तक, नेहरू के बाद तीसरी बार पीएम बन रचा इतिहास) उपलब्धियां

- भारत को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य।
- विश्व मंच पर बढ़ाई भारत की साख।
- ग्लोबल अवॉर्ड्स – संयुक्त राष्ट्र, विभिन्न देशों और संगठनों से कई सम्मान।
- स्टैच्यू ऑफ यूनिटी – सरदार पटेल की विश्व की सबसे ऊंची प्रतिमा (वर्ष2018)।
- जी 20 शिखर सम्मेलन (2023) – भारत की मेजबानी, दुनिया में नई पहचान।

2016 नवाचार और वित्तीय क्रांति

- स्टार्ट-अप इंडिया अभियान ने युवाओं के सपनों को पंख दिए। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम बना। भीम ऐप और यूपीआई ने डिजिटल भुगतान प्रणाली को ऐसा विस्तार दिया, जिसने भारत को कैशलेस अर्थव्यवस्था की ओर अग्रसर किया।

2017 कर व्यवस्था में सुधार

- गुड्स एंड सर्विस टैक्स नेटवर्क (जीएसटीएन) लागू कर भारत ने टैक्स प्रणाली को पूरी तरह आईटी-आधारित और पारदर्शी बना दिया।

2018 स्वास्थ्य क्षेत्र में क्रांति

- आयुष्मान भारत योजना ने करोड़ों परिवारों को ई-हेल्थ कार्ड और मुफ्त उपचार की गारंटी दी। यह दुनिया की सबसे बड़ी हेल्थ-टेक पहल साबित हुई।

2019 अंतरिक्ष और डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर

- चंद्रयान-2 मिशन ने भारत की अंतरिक्ष शक्ति का नया परिचय दिया। जेम ट्रिनिटी (जनधन, आधार, मोबाइल) ने डीबीटी (डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर) को करोड़ों नागरिकों तक पहुंचाया।

2020: महामारी प्रबंधन का तकनीकी मॉडल

- कोविड संकट के बीच भारत ने कॉविन पोर्टल और आरोग्य सेतु ऐप से दुनिया को दिखाया कि कैसे डिजिटल टेक्नोलॉजी से महामारी प्रबंधन किया जा सकता है। साथ ही आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत इलेक्ट्रॉनिक्स और मोबाइल निर्माण को प्रोत्साहन मिला।

2021: स्वास्थ्य और ऊर्जा में आत्मनिर्भरता

- राष्ट्रीय डिजिटल स्वास्थ्य मिशन के तहत हर नागरिक को यूनिक हेल्थ आईडी दी गई।
- राष्ट्रीय हाइड्रोजन मिशन से भारत ने ग्रीन एनर्जी और क्लीन टेक्नोलॉजी की दिशा में कदम बढ़ाए।

2022: 5जी और गगनयान

- भारत ने 5जी सेवाओं की शुरुआत कर नई डिजिटल क्रांति की नींव रखी। साथ ही गगनयान मानव अंतरिक्ष मिशन की तैयारियों ने भारत को अंतरिक्ष शक्तियों की श्रेणी में और मजबूत किया।

2014 मेक इन इंडिया का शंखनाद

- प्रधानमंत्री बनने के साथ ही मोदी जी ने मेक इन इंडिया अभियान शुरू किया। उद्देश्य था भारत को केवल बाज़ार नहीं, बल्कि मैन्युफैक्चरिंग और टेक्नोलॉजी हब के रूप में स्थापित करना। यह वही दौर था जब विदेशी निवेशकों ने भारत की नई संभावनाओं की ओर रुख किया।

2015 डिजिटल इंडिया का सपना

- डिजिटल इंडिया प्रोग्राम ने भारत को डिजिटल लोकतंत्र का मॉडल बनाया। गाँव-गाँव इंटरनेट कनेक्टिविटी, ई-गवर्नेंस और नागरिक सेवाओं तक आसान पहुँच ने सामान्य नागरिक को सशक्त किया।

2023: चंद्रयान-3, आदित्य एल1 और जी20 की चमक

- चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग से भारत चाँद के दक्षिणी ध्रुव तक पहुँचने वाला पहला देश बना।
- जी20 शिखर सम्मेलन में भारत ने डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (यूपीआई, आधार, कॉविन) को दुनिया के सामने रखा।
- आदित्य एल1 ने सूर्य अध्ययन के क्षेत्र में भारत की वैज्ञानिक क्षमता को साबित किया।

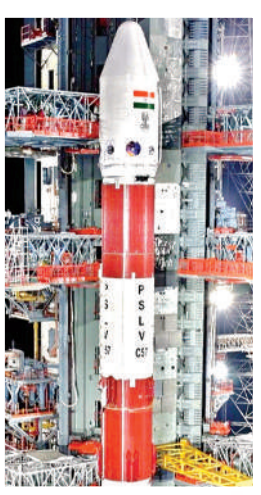

2024: तीसरी बार प्रधानमंत्री और विकसित भारत 2047 का संकल्प

- तीसरी बार प्रधानमंत्री बने नरेंद्र मोदी ने विकसित भारत 2047 विज़न पेश किया, जिसमें एआई, क्वांटम टेक्नोलॉजी और स्पेस इनोवेशन को भविष्य की धुरी बनाया गया। यह संकल्प भारत को विश्वगुरु और वैश्विक टेक्नोलॉजी लीडर बनाने की दिशा में ऐतिहासिक कदम है।

देश के प्यारे नरेंद्र हमारे

अमृत विचार

www.amritvichar.com

मुरादाबाद, बुधवार, 17 सितंबर 2025

2014 से 2025 तक कितना बदला देश

स्थिति	वर्ष 2014	वर्ष 2025
गरीबों की संख्या	27.1 प्रतिशत	5.3 प्रतिशत (विश्व बैंक की रिपोर्ट)
मेडिकल कॉलेज	387	780
एमबीबीएस की सीटें	51,348	1.20 लाख
खुदरा महंगाई दर	9.8 प्रतिशत	2.07 प्रतिशत
बिजली उत्पादन	2,48,554 मेगावाट	4,70,448 मेगावाट
एयरपोर्ट	74	157

अमृत विचार विशेष

56.16 करोड़ से अधिक बैंक खाते प्रधानमंत्री जन-धन योजना में अगस्त, 2025 तक खोले गए हैं।

25% सकल घरेलू उत्पाद में विनिर्माण क्षेत्र का योगदान लक्ष्य है मेक इन इंडिया के जरिए इस साल के अंत तक।

10.34 करोड़ कनेक्शन उज्ज्वला योजना के तहत अगस्त, 2025 तक जारी किए जा चुके हैं।

1.87 लाख मान्यता प्राप्त स्टार्टअप हैं देश में, इनमें 18 लाख से अधिक प्रत्यक्ष रोजगार हैं।

11.87 करोड़ शौचालयों का स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत निर्माण हुआ है।

3.75 ट्रिलियन डॉलर जीडीपी 2025 में है जबकि 2014 में 2 ट्रिलियन डॉलर थी।

एक रिश्ता ऐसा भी, जहां विश्वास और संकल्प की अद्भुत साझेदारी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्म दिवस सिर्फ एक राष्ट्रीय नेता के सम्मान का अवसर नहीं है, बल्कि यह उस रिश्ते को भी याद करने का क्षण है जो भारतीय राजनीति की दिशा बदलने में निर्णायक साबित हुआ। यह रिश्ता है प्रधानमंत्री मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का। एक ऐसा रिश्ता जिसमें पारस्परिक विश्वास, आदर्शों के प्रति निष्ठा और भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का साझा संकल्प झलकता है।

गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ जब 2017 में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बने तो, सियासी हलकों में कई तरह की चर्चाएं हुईं। लेकिन मोदी ने जिस आत्मविश्वास के साथ उन्हें राज्य की जिम्मेदारी सौंपी, उसने यह साबित किया कि वह नेतृत्व में साहसिक फैसले लेने से पीछे नहीं हटते। दूसरी ओर, योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री की इस आस्था को कभी टूटने नहीं दिया। यूपी को कानून-व्यवस्था के संकट से निकालकर विकास और निवेश का केंद्र बनाने का उनका प्रयास, मोदी के 'न्यू इंडिया' के सपनों को जमीन पर उतारने जैसा है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ प्रधानमंत्री मोदी। फाइल फोटो

यूपी से मिली नए भारत को पहचान

- प्रधानमंत्री मोदी कई बार कह चुके हैं कि 'नया भारत' तब ही बन सकता है जब उत्तर प्रदेश बदलता है। योगी आदित्यनाथ ने इसे मंत्र मानकर हर कदम पर आगे बढ़ाया। चाहे निवेश समिट हों, एक्सप्रेसवे का जाल हो, डिफेंस कॉरिडोर की परिकल्पना हो या फिर गरीब कल्याण की योजनाएं। हर मोर्चे पर योगी ने मोदी के विजन को विस्तार दिया। मोदी भी हर मंच से यूपी की सराहना करते हुए कहते हैं कि 'योगी जी ने उत्तर प्रदेश को दंगों और अपराधों से निकालकर विकास की पटरी पर ला दिया है।'
- दोनों नेताओं का रिश्ता सिर्फ सत्ता की साझेदारी तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें भावनात्मक गहराई भी है। मोदी योगी को हमेशा एक तपस्वी और ईमानदार जननेता के रूप में देखते हैं, तो योगी मोदी को राष्ट्रनायक मानकर उनके नेतृत्व को अपने कर्म का मार्गदर्शक मानते हैं। यही कारण है कि दोनों के बीच कोई सियासी खटपट या अहंकार की दीवार कभी नजर नहीं आती।
- यह विश्वास का रिश्ता ही है कि यूपी की हर बड़ी योजना को मोदी सरकार का पूरा सहयोग मिलता है, और केंद्र की हर प्राथमिकता को योगी सरकार मिशन मोड में लागू करती है।
- प्रधानमंत्री जब यूपी आते हैं, तो योगी आदित्यनाथ उनके साथ खड़े होकर सिर्फ औपचारिक स्वागत नहीं करते, बल्कि यह संदेश देते हैं कि दोनों का लक्ष्य एक है-भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाना। प्रधानमंत्री मोदी का जन्म दिवस इस रिश्ते की गहराई को याद करने का भी दिन है। यह रिश्ता भारतीय राजनीति को यह सिखाता है कि जब नेता व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा से ऊपर उठकर राष्ट्रहित को प्राथमिकता देते हैं, तो प्रदेश और देश दोनों नई ऊँचाइयाँ छूते हैं। योगी और मोदी की यह जोड़ी आज करोड़ों भारतीयों के लिए विश्वास और संकल्प का प्रतीक है। एक ऐसी साझेदारी जो भारत को आत्मनिर्भरता, समृद्धि और वैश्विक सम्मान की ओर ले जा रही है।

नरेंद्र मोदी : नए भारत की धड़कन और निर्णायक नेतृत्व की पहचान

प्रधानमंत्री में झलकता है 140 करोड़ भारतीयों की आकांक्षाएं और विश्वास

धीरेंद्र सिंह

अमृत विचार: 17 सितंबर का दिन सिर्फ एक नेता का जन्मदिन नहीं है। यह उस यात्रा का प्रतीक है, जिसमें एक साधारण परिवार से निकलकर एक व्यक्ति ने न केवल राजनीति की ऊँचाइयाँ छुईं बल्कि भारत की आत्मा को नया आत्मविश्वास दिया। नरेंद्र मोदी का व्यक्तित्व एक तरफ़ अनुशासित साधक का है, तो दूसरी तरफ़ दूरदर्शी विज़नरी का, जिसने भारत को 'संकोच से साहस, आयात से आत्मनिर्भरता और क्षेत्रीय से वैश्विक नेतृत्व' की ओर मोड़ दिया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र दामोदरदास मोदी का जीवन उस सपने की जीवंत कहानी हैं। जिसमें संघर्ष से सफलता तक का हर पड़ाव केवल व्यक्तिगत नहीं, बल्कि राष्ट्रीय रहा है। उनका जन्मदिवस केवल एक नेता का उत्सव नहीं है, बल्कि उस आशा का पर्व है जिसमें 140 करोड़ भारतीयों की आकांक्षाएं और विश्वास झलकते हैं। गुजरात के वडनगर कस्बे में जन्मे नरेंद्र मोदी का बचपन साधारण परिस्थितियों में बीता। रेलवे स्टेशन पर चाय बेचने वाले बालक नरेंद्र को तब शायद ही किसी ने सोचा होगा कि एक दिन वही बालक भारत का प्रधानमंत्री बनेगा। लेकिन कठिनाइयों ने उन्हें हारने नहीं दिया, बल्कि मजबूत बनाया। उनका जीवन इस संदेश का प्रतीक है कि साधारण पृष्ठभूमि से निकला इंसान भी अपनी मेहनत और सेवा भावना से राष्ट्र को दिशा दे सकता है।

अयोध्या में श्रीराम मंदिर के उद्घाटन के दौरान लोगों पर पुष्पवर्षा करते प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी। फाइल फोटो

सत्ता नहीं सेवा ही मोदी का मूल मंत्र

- नरेंद्र मोदी की राजनीति का मूल मंत्र सत्ता नहीं, बल्कि सेवा रहा है। संगठन में काम करते हुए उन्होंने लोगों की तकलीफें देखीं, उनके सपनों को समझा और उन्हें बदलने की ठानी। मुख्यमंत्री के रूप में गुजरात को विकास की नई पहचान दी और प्रधानमंत्री बनने के बाद भारत को आत्मविश्वास से भर दिया। मोदी ने अपने शासन में गरीब और वंचित वर्ग को केंद्र में रखा। उज्ज्वला योजना से माताओं को धुएं से मुक्ति मिली, आयुष्मान भारत से गरीबों को स्वास्थ्य सुरक्षा मिली, हर घर जल और प्रधानमंत्री आवास जैसी योजनाओं ने आम लोगों को सम्मानजनक जीवन दिया। उनकी नीतियों ने यह भरोसा दिलाया कि सरकार केवल कागज़ों पर नहीं, बल्कि ज़मीनी हकीकत में लोगों के जीवन को बदल सकती है।
- मोदी सरकार ने साफ़ संदेश दिया कि भारत अब चुपचाप सहने वाला देश नहीं है। सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक ने पूरी दुनिया को दिखा दिया कि भारत अपने सैनिकों और नागरिकों की रक्षा के लिए हर कदम उठाने को तैयार है। सेनाओं के आधुनिकीकरण और स्वदेशी रक्षा उत्पादन पर ज़ोर ने देश को और मज़बूत किया। मोदी की कूटनीति ने भारत की छवि बदल दी। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की आवाज़ अब अनसुनी नहीं की जा सकती। जी-20 की अध्यक्षता, जलवायु परिवर्तन पर ठोस पहल और पड़ोसी देशों के साथ संतुलित संबंधों ने भारत को वैश्विक राजनीति में अग्रणी बनाया।अयोध्या में राम मंदिर निर्माण, काशी विश्वनाथ धाम का कायाकल्प और देश की आध्यात्मिक धरोहरों का सम्मान, सब मोदी युग की पहचान हैं। उन्होंने दुनिया को दिखाया कि आधुनिकता और परंपरा एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि साथी हैं।

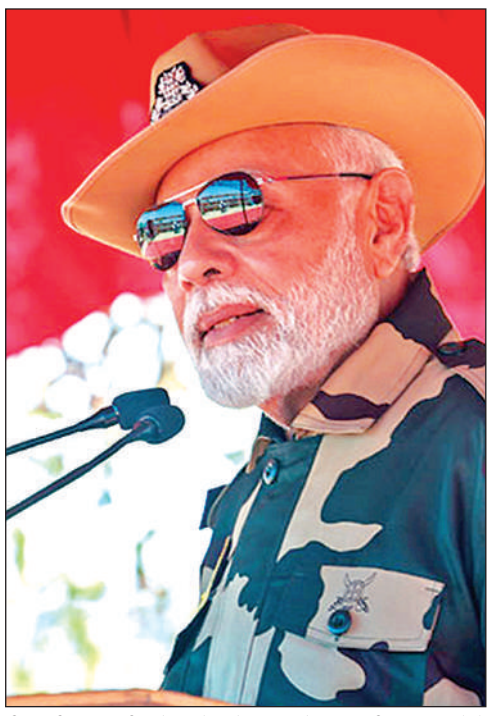

दीपावली पर भारतीय सेना को संबोधित करते प्रधानमंत्री। फाइल फोटो

2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य

- मोदी का लक्ष्य केवल आज तक सीमित नहीं है। वे 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का सपना रखते हैं। इसमें युवा शक्ति, महिला सशक्तिकरण, तकनीकी नवाचार और समावेशी विकास प्रमुख स्तंभ हैं। उनकी सोच है कि विकास का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचना चाहिए। नरेंद्र मोदी बार-बार कहते हैं कि वे प्रधानमंत्री नहीं, बल्कि प्रधान सेवक हैं। यही भाव उन्हें जनता से जोड़ता है। उनका जीवन हमें यह सिखाता है कि कठिनाइयाँ चाहे जितनी हों, अगर निष्ठा और परिश्रम हो तो कोई भी सपना पूरा हो सकता है। आज उनका जन्मदिवस केवल उत्सव नहीं, बल्कि उस भारत की ओर बढ़ते कदमों की याद दिलाता है जिसका सपना हर भारतीय ने देखा है। मोदी केवल भारत के प्रधानमंत्री नहीं हैं, वे हर उस भारतीय की आशा और विश्वास हैं जो अपने देश को महान देखना चाहता है। उनका जीवन बताता है कि नेतृत्व केवल कुर्सी से नहीं, बल्कि समर्पण से बनता है। आज उनके जन्मदिवस पर हर भारतीय के मन में यही भावना है कि 'मोदी जी, आपका समर्पण और आपकी तपस्या हमें उस भारत की ओर ले जा रही है जिसका सपना हमने सदियों से देखा है। आप हमारे लिए प्रेरणा हैं, राष्ट्र के प्रहरी हैं और भविष्य के पथप्रदर्शक हैं।

मोदी सरकार की उपलब्धियां

- भारत की अर्थव्यवस्था 2024-25 में 6.5% की दर से बढ़ी, जो दुनिया की सभी प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेज है।

- पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना में 80 करोड़ से ज़्यादा लोगों को मुफ्त राशन मिल रहा है।

- 2025 तक देश की 64.3% आबादी (लगभग 94 करोड़ लोग) किसी न किसी सामाजिक सुरक्षा योजना के तहत कवर होंगे।

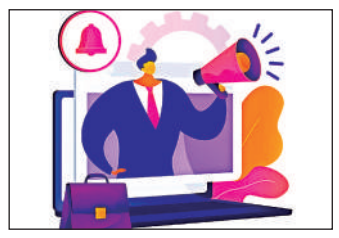

- प्रधानमंत्री विकसित भारत रोज़गार योजना का लक्ष्य 2 साल में 3.5 करोड़ से ज्यादा रोज़गार पैदा करना है।

- प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) में अब तक लाभार्थियों के खातों में करीब 50 लाख करोड़ रुपये भेजे गए हैं।

- प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत अब तक 4 करोड़ से अधिक घरों का निर्माण पूरा हो चुका है।

- 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला गया है।

- 41.50 - करोड़ से अधिक आयुष्मान कार्ड अगस्त, 2025 तक जारी किए जा चुके हैं।

साधारण से असाधारण होने का नाम नरेंद्र मोदी

रुस के राष्ट्रपति पुतिन से गले मिलते प्रधानमंत्री मोदी। फाइल फोटो

हृदयनारायण दीक्षित

अमृत विचार: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज अपनी जीवन यात्रा के 75 वर्ष पूरे कर रहे हैं। धरती और आकाश केसरिया हो गए हैं। लग्न मुहूर्त अनुकूल हो गए हैं। मोदी के नेतृत्व में भारत का आत्मविश्वास सातवें आसमान पर है। मोदी का व्यक्तित्व आश्वस्ति देता है। कर्मठता के लिए प्रेरित करता है। वे इतिहास रच रहे हैं और इतिहास को नए सिरे से जांचने के भी प्रश्न उठा रहे हैं। उनके व्यक्तित्व में महात्मा गांधी जी का त्याग भाव है। वे सत्य के प्रति आग्रही हैं। उनके व्यक्तित्व में डॉक्टर हेडगेवार, पंडित दीनदयाल उपाध्याय, श्यामा प्रसाद मुखर्जी का विचार प्रवाह है तो अटल बिहारी वाजपेयी जैसी संसदीय गरिमा और लोक सम्मोहन की कला भी है।

यूरोपीय काल गणना में 'ईसा के पूर्व' व ईसा के बाद' समय का विभाजन चलता है। भारत के संदर्भ में धर्म संस्कृति और लोकमंगल का वातावरण मोदी के पहले नहीं था। अब इस विचार में लोकमंगल का उद्देश्य स्पष्ट दिखाई पड़ रहा है। मोदी के पहले भारत का मन उदास था। अब मोदी के समय भारत का मन उल्लास में है मोदी के पहले हम सब का मन आत्मविश्वासहीन था। अब भारत का मन आत्मनिर्भर हो गया है। राष्ट्रजीवन के सभी क्षेत्रों में उत्साह व उमंग है। सभी क्षेत्रों में एक नई तरह का पुनर्जागरण दिखाई पड़ रहा है। मोदी स्वभाव से अभियानकर्ता हैं। मोदी के 'मन की बात' पर राष्ट्र को भरोसा है। सामान्यतया सत्ता दल जनअभियान नहीं चलाते। लेकिन मोदी के नेतृत्व में उन्हीं की प्रेरणा से 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' जनअभियान बना। स्वच्छ भारत अभियान चला। प्रधानमंत्री के अभियानों से मोटे तौर पर दो बातें स्मरणीय हैं। पहली कि देश की समस्याओं में सरकार और जनता की भागीदारी से ज्यादा उत्पादकता मिलती है। दूसरा कि धर्म और संस्कृति के प्रति प्रतिबद्धता किसी भी रूप में सांप्रदायिक नहीं होती। मोदी ने भारत की संस्कृति को विश्व प्रतिष्ठित किया है। वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने, गुलामी की मानसिकता से मुक्ति दिलाने, विरासत पर गर्व, एकता व एकजुटता पर जोर और नागरिकों के कर्तव्य पांच प्रण बताए गए हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मोदी की प्रशंसा हम भारतवासियों को बड़ा सुख देती है। योग संपूर्ण विज्ञान है। मोदी ने योग को बढ़ावा दिया। मोदी विरोधी योग विज्ञान पर आक्रामक थे। मोदी ने भारतीय ध्यान साधना के योग को संयुक्त राष्ट्र से मान्यता दिलाई। संयुक्त राष्ट्र में 170 से ज्यादा देशों का समर्थन मिला। श्रीरामजन्मभूमि मंदिर राष्ट्र का स्वप्न था। तमाम विद्वान भी कहते थे कि जम्मू कश्मीर विषयक अनुच्छेद 370 छेड़ोगे या राम मंदिर की बात करोगे, तो देश में आग लग जाएगी। सेकुलरपंथियों की परवाह न करते हुए श्रीराम मंदिर के शिलान्यास में मोदी पहुंचे। वाराणसी की गंगा आरती में वे जाते हैं। केदारनाथ मंदिर में कई घंटे साधनारत रहे। उनकी साधना की सिद्धि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्धि बनी है। मोदी विदेश दौरे पर जहां-जहां जाते हैं, वहां वहां भारतीय संस्कृति का ध्वज ऊंचा करते हैं। गीता भारतीय दर्शन का प्रतिनिधि ग्रंथ है। उन्होंने अनेक राष्ट्राध्यक्षों को गीता की प्रति भेंट की है। महानायक यों ही लोक स्वीकृति नहीं पाते। मोदी में छात्र जीवन से ही देश सेवा की भावना है। एक संगठनकर्ता के रूप में उनके काम सराहे गए। गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में उनके किए काम को 'गुजरात मॉडल' कहा गया। वे अपनी ध्येय साधना में लगे रहे। अथर्ववेद के व्रात्य सूक्त में ऐसे ही धुन के पक्के व्रात्य के बारे में कहा गया है कि व्रात्य उठा। वह एक दिशा की ओर चला। लोग साथ चलने लगे। वह दूसरी तीसरी चौथी दिशाओं की ओर चला। उसका जय घोष हुआ। वह आगे बढ़ा। चलता रहा। लोग उसकी जय जयकार करने लगे। इतिहास और गाथाएं भी उसके साथ-साथ चलीं। जीवनव्रती लोगों के साथ ऐसा ही होता है। मोदी किसी राजघराने के परिजन नहीं थे। वे चले तो लोग उनके पीछे चलने लगे। संस्कृति और राष्ट्रभाव उनकी कार्यसूची में प्रथम वरीयता पर थे। विरोधियों ने उन्हें गालियां दीं। कदाचित देश का ऐसा कोई प्रधानमंत्री नहीं होगा जिसे इतनी गालियां दी गई हों। गलियां कम पड़ गईं। विपरीत परिस्थितियां आईं। मोदी डटे रहे। मोदी का व्यक्तित्व असाधारण है। साधारण से असाधारण हो जाना बड़ी बात नहीं है। बड़ी बात है कि असाधारण होकर भी साधारण कार्यकर्ता बने रहना। मोदी ऐसे ही हैं। उनके व्यक्तित्व में महानायक का सौंदर्य है। छत्रपति शिवाजी का शौर्य है। 75 वर्ष की आयु में भी कठोर परिश्रम करते हैं। जन्म दिवस की हार्दिक बधाई।

दूसरी बार प्रधानमंत्री बनने पर जश्न मनाते प्रधानमंत्री। फाइल फोटो

मोदी को उपहार में मिली 1300 से अधिक वस्तुओं की आज से की जाएगी ई-नीलामी
- 10

अमेरिका से व्यापार वार्ता बहाल होने की उम्मीद से झूमा बाजार
- 10

गाजा पर कब्जे की तैयारी शुरू, इजराइल ने बड़े पैमाने पर शुरू किए जमीनी हमले- 11

विश्व चैंपियनशिप में अब चोपड़ा पर निगाह, खिताब बचाने के लिए उतरेंगे
- 12

आज का मौसम

30.0⁰ अधिकतम तापमान

24.0⁰ न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.01

सूर्यास्त 06.18

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

मुरादाबाद

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

आश्विन कृष्ण पक्ष एकादशी 11:39 उपरांत द्वादशी विक्रम संवत 2082

बुधवार, 17 सितंबर 2025, वर्ष 6, अंक 170, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

ब्रीफ न्यूज

नेशनल हेराल्ड केस में 26 को पेश होंगी फाइलें

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने नेशनल हेराल्ड मामले में फाइलों की जांच जारी रखने के लिए 26 सितंबर तक की तारीख तय की है। विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने ने जांच अधिकारी को मामले की फाइलें लेकर पेश होने का निर्देश दिया। अदालत ने सोमवार को कहा कि एक आदेश के बाद ईडी ने ईसीआईआर और सुब्रमण्यम स्वामी द्वारा दायर शिकायत की एक प्रति जमा कर दी है। अदालत ने इससे पहले मामले की अन्य फाइलों का भी निरीक्षण किया था।

हथियार बरामद, एक उग्रवादी गिरफ्तार

इंफाल। मणिपुर के इंफाल पूर्व जिले में सुरक्षा बलों ने कोंगबा मारू पहाड़ी क्षेत्र से चार लूट के हथियारों सहित गोला-बारूद और हथियारों का जखीरा बरामद किया है। बरामद हथियारों में मैगजीन के साथ एक 5.56 एमएम इंसास राइफल, मैगजीन के साथ एक 9एमएम पिस्टल, दो 303 राइफल, एक 12 बोर एक नाली बंदूक, 11 गोला-बारूद और पांच कारतूस शामिल हैं। नेशनल रिवोल्यूशनरी फ्रंट ऑफ़ मणिपुर की वर्दी में एक सक्रिय सदस्य को भी गिरफ्तार किया है।

नोएडा की अगरबत्ती कंपनी में लगी आग

नोएडा। उत्तर प्रदेश के नोएडा फेस 2 क्षेत्र की विशेष आर्थिक इकाई के होजरी कॉम्प्लेक्स स्थित मोमबत्ती और अगरबत्ती बनाने वाली कंपनी के बेसमेंट में अचानक लग गई। इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। अपराह्न करीब डेढ़ बजे के आसपास कंपनी के बेसमेंट में रखे मोमबत्ती और अगरबत्ती बनाने की सामग्री में आग लगने से अफरातफरी मच गई।

5 लाख की एमडी ड्रग्स के साथ दो गिरफ्तार

आगर-मालवा। मध्यप्रदेश के आगर-मालवा कोतवाली पुलिस ने नशे के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए बीती रात दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। मालीखेड़ी रोड स्थित नाग महाराज मंदिर के पास दबिश देकर आरोपियों को पकड़ा गया। गिरफ्तार आरोपियों के पास से 40 ग्राम एमडी ड्रग्स बरामद हुई, जिसकी कीमत करीब 5 लाख रुपये आंकी गई है। आरोपी नशीले पदार्थ की सप्लाई की योजना बना रहे थे।

देहरादून में बादल फटने से तबाही, 15 मौतें, कई लापता

नदी-नाले उफनाए, पुल टूटा, सड़कें बहीं, होटल-रिसॉर्ट, घरों में भरा मलबा, हजारों लोग फंसे

- सहस्त्रधारा, मालदेवता, संतला देवी, डालनवाला ज्यादा प्रभावित

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार : राजधानी देहरादून और उसके आसपास के इलाकों में सोमवार आधी रात से मंगलवार तड़के तक बादल फटने और अतिवृष्टि से भीषण तबाही मची। इस आपदा में 15 से ज्यादा लोगों की मौत की खबर है जबकि कई लोग लापता हैं। मलबे के साथ आए सैलाब ने कई घरों, होटलों, रिसॉर्ट, मंदिरों, पुलों और सड़कों को भारी नुकसान पहुंचाया है। विभिन्न स्थानों पर फंसे एक हजार से ज्यादा लोगों को एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और पुलिस की संयुक्त टीमों द्वारा बचाने की मशक्कत की जा रही है।

बादल फटने से आई आपदा में सहस्त्रधारा, मालदेवता, संतला देवी और डालनवाला सर्वाधिक प्रभावित हुए हैं। सहस्त्रधारा में 192 मिमी, मालदेवता में 141.5 मिमी, हाथी बड़कला व जॉलीग्रांट में 92.5 मिमी और कालसी में 83.5 मिमी बारिश हुई। कई सड़कें, मकान और दुकानें क्षतिग्रस्त हो गईं तथा पुल और अप्रोच रोड बह गईं। सहस्त्रधारा में कई लोग लापता हो गए जबकि झड़ीपानी में एक मकान में मलबा घुसने से एक व्यक्ति की मौत हो गई।

मसूरी डायवर्जन के पास डीआईटी कॉलेज, राजपुर रोड पर भी एक व्यक्ति की जान चली गई। टपकेश्वर मंदिर, राजपुर रोड स्थित डीआईटी कॉलेज के पास, भगतसिंह कॉलोनी और राजपुर शिखर फॉल के पास 5 लोग लापता हो गए। कालसी में पहाड़ी से पत्थर आने से एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। उधर, गुच्चू पानी में कई संपत्तियां क्षतिग्रस्त हो गईं। आसन नदी में अचानक आए सैलाब में कई लोग फंस गए। इनमें से एक युवक वहां बिजली के खंभे पर चढ़ गया, जिसे एनडीआरएफ की टीम ने खंभे से उतारा। वहीं, मालदेवता से करीब सात किमी ऊपर फुलेट गांव में मकान जमींदोज होने से आठ लोग दब गए।

यहां दो लोगों के शव निकलना बताए गए। उधर, देहरादून में तमसा नदी उफान पर आने से प्रसिद्ध टपकेश्वर मंदिर पूरी तरह डूब गया और विशाल हनुमान प्रतिमा कंधों तक डूब गई। दूसरी ओर हिमाचल प्रदेश में रातभर हुई भारी बारिश के कारण अचानक बाढ़ आ गई और बड़े पैमाने पर भूस्खलन हुआ, जिससे एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत हो गई और मंडी जिले में एक बस स्टैंड जलमग्न हो गया। मंडी जिले में बाढ़ के कारण कई बसें और अन्य वाहन बह गए और एक व्यक्ति के लापता होने की खबर है। जिले के ब्रागटा गांव में भूस्खलन के कारण एक मकान ढह गया।

देहरादून में सहस्त्रधारा में बादल फटने के बाद नदी के तेज बहाव में ध्वस्त हो गए कई घर।

बिलारी के नौ लोग बहे, छह के शव मिले

बिलारी/अमरोहा। देहरादून के सहस्रधारा में बादल फटने से बिलारी के 9 लोग बह गए। इनमें छह के शव बरामद हो गए जबकि तीन लापता हैं। वहीं अमरोहा के तीन युवक बह गए। इनमें एक का शव मिला। ये सभी वहां मजदूरी करने गए थे। बिलारी क्षेत्र के ग्राम मुंडिया जैन के दर्जन से अधिक लोग देहरादून में मजदूरी करने गए थे। मंगलवार तड़के बादल फटने से नदी में बाढ़ आ गई जिसमें नौ मजदूर बह गए। प्रशासन ने तीन महिलाओं सोमवती, रीना, किरण के अलावा हरचरण, मदन और नरेश बाबू के शव बरामद कर लिए। हो राम, राजकुमार व एक महिला सुंदरी लापता हैं। अमरपाल और अमन घायल हैं। एसडीएम विनय कुमार सिंह ने गांव पहुंचकर मृतकों के परिजनों को सांत्वना दी। अमरोहा के रहरा थाना क्षेत्र से दो दर्जन मजदूर देहरादून के बजेवाला गांव में बेजवा नदी से बजरपुट व बजरी निकालने गए थे। बादल फटने के कारण पानी के तेज बहाव में तीन मजदूर पुष्पेंद्र, पीतम और पंकज बह गए। पंकज का शव बरामद कर लिया गया। पुष्पेंद्र, पीतम की तलाश की जा रही है।

- अमरोहा के भी तीन युवक नदी में बहे, एक का शव मिला

मृतक आश्रितों को दो-दो लाख की मदद

लखनऊ। उत्तराखंड के देहरादून जिले में टोंस नदी में हुए दर्दनाक हादसे पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि इस दुखद घड़ी में सरकार शोक संतप्त परिजनों के साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश के मृतकों के परिजनों को 2-2 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने और सभी पार्थिव शरीरों को सम्मानपूर्वक घर तक पहुंचाने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं। सीएम योगी ने प्रभु श्रीराम से दिवंगत आत्माओं की शांति और घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की प्रार्थना भी की है।

टीईटी अनिवार्यता के खिलाफ कोर्ट जाएगी योगी सरकार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : शिक्षकों के लिए टीईटी की अनिवार्यता को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का नरम रुख सामने आया है। राज्य सरकार ने बेसिक शिक्षा विभाग को इस केस में रिवीजन दाखिल करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री के अनुसार, यूपी के शिक्षक योग्य और अनुभवी हैं, समय-समय पर सरकार द्वारा उन्हें प्रशिक्षण प्रदान किया जाता रहा है। ऐसे में उनकी योग्यता और सेवा के वर्षों को नजरअंदाज करना उचित नहीं।

ऐसे में बेसिक शिक्षा विभाग के सेवारत शिक्षकों को टीईटी (शिक्षक पात्रता परीक्षा) से राहत दिलाने के लिए अहम कदम उठाया गया है। योगी ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि उच्चतम न्यायालय द्वारा हाल ही में दिए गए आदेश के खिलाफ रिव्यू पिटीशन (समीक्षा याचिका) दाखिल की जाए।

- सरकार ने बेसिक शिक्षा विभाग को रिवीजन दाखिल करने के दिए निर्देश
- योगी बोले-शिक्षकों की योग्यता, सेवा वर्षों को नजरअंदाज करना अनुचित

मुख्यमंत्री का कहना है कि, राज्य सरकार शिक्षकों की योग्यता और अनुभव का सम्मान करती है। उन्होंने बेसिक शिक्षा विभाग को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश की समीक्षा में राज्य का पक्ष मजबूती से रखा जाए, ताकि सेवारत शिक्षकों को राहत मिल सके। सरकार का प्रयास रहेगा कि शिक्षक निश्चिंत होकर बच्चों की पढ़ाई पर ध्यान दें और उनकी सेवाओं का सम्मान बना रहे।

टीईटी पर सुप्रीम कोर्ट के निर्देश को लेकर चिंतित हैं शिक्षक

एक सितंबर को सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया था कि कक्षा एक से आठवीं तक पढ़ाने वाले शिक्षकों के लिए टीईटी पास करना अनिवार्य होगा। इससे लाखों सेवारत शिक्षक चिंतित हैं। उनका मानना है कि वर्षों की सेवा और अनुभव के बावजूद यदि उन्हें केवल एक परीक्षा के आधार पर अयोग्य करार दिया गया, तो यह उनके भविष्य और परिवार की आजीविका पर संकट ला सकता है। दरअसल, प्रदेश में लगभग डेढ़ लाख शिक्षक ऐसे हैं जो बगैर टीईटी के नियुक्त हुए हैं।

वर्ष 2017 से 2021 तक के ई-चालान होंगे समाप्त

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- परिवहन विभाग ने वाहनों पर 5 साल का जुर्माना खत्म करने का लिया निर्णय
- 30 दिनों में पूरी होगी प्रक्रिया, परिवहन पोर्टल पर देख सकेंगे स्थिति

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर परिवहन विभाग ने वाहन स्वामियों को बड़ी राहत दी है। विभाग ने वर्ष 2017 से 2021 तक के गैर-कर ई-चालानों को समाप्त करने का निर्णय लिया है। अब ये चालान पोर्टल पर यदि मामला न्यायालय में लंबित था तो 'निस्तारित' और यदि कार्यालय में लंबित था तो 'बंद' की श्रेणियों में दिखाई देंगे। इसे देखने के लिए वाहन स्वामी को 30 दिन इंतजार करना होगा। लेकिन जिसने इस अवधि का चालान जमा किया है, उसे धन वापसी नहीं होगी।

परिवहन आयुक्त ब्रजेश नारायण सिंह ने बताया कि पुराने चालानों से अनावश्यक लंबित मामले बढ़ रहे थे और सेवाओं में बाधा आ रही थी। इस निर्णय से जनता को राहत मिलेगी, कार्यप्रणाली सरल होगी और पारदर्शिता बढ़ेगी। इन चालानों से जुड़े फिटनेस, परमिट, वाहन हस्तांतरण और उच्च सुरक्षा पंजीकरण प्लेट (एचएसआरपी) जैसे अवरोध भी स्वतः समाप्त हो जाएंगे। हालांकि, कर से जुड़े चालान इस राहत में शामिल नहीं होंगे। यह पूरी प्रक्रिया 30 दिनों में पूरी कर दी जाएगी। इसके बाद वाहन स्वामी परिवहन पोर्टल पर जाकर अपनी चालान स्थिति देख सकेंगे। पुराने चालानों पर न तो किसी को धन वापसी मिलेगी और न ही उन्हें पुनः खोला जाएगा। सहायता के लिए परिवहन विभाग की हेल्पलाइन 149 या नजदीकी क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय से संपर्क किया जा सकता है।

30 लाख से अधिक मामलों का निस्तारण

आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2017 से 2021 के बीच कुल 30.52 लाख ई-चालान बनाए गए थे। इनमें से 17.59 लाख का निस्तारण पहले ही हो चुका था, जबकि 12.93 लाख चालान अब तक लंबित थे। इनमें 10.84 लाख न्यायालयों में और 1.29 लाख कार्यालय स्तर पर लंबित थे। अब सभी का डिजीटलीय निस्तारण किया जाएगा। सामने की सेवाओं पर लगे सभी अवरोध हट जाएंगे जबकि पृष्ठभूमि में पूरा अभिलेख और लेखा-परीक्षण सुरक्षित रहेगा।

युवराज, उथप्पा और सोनू सूद को समन

नई दिल्ली, एजेंसी

- सट्टेबाजी एप से जुड़े मामले में ईडी ने पूछताछ के लिए बुलाया

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने एक अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी एप से जुड़े धन शोधन मामले में अपनी जांच का दायरा बढ़ाते हुए पूर्व क्रिकेटरों रॉबिन उथप्पा और युवराज सिंह तथा अभिनेता सोनू सूद को पूछताछ के लिए तलब किया है।

अधिकारियों ने मंगलवार को कहा कि उथप्पा (39), युवराज सिंह (43) और सूद (52) को 1एक्सबेट नामक प्लेटफॉर्म से जुड़े एक मामले में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत अगले सप्ताह दिल्ली में एजेंसी के मुख्यालय में जांच इकाई के सामने पेश होने और उनके बयान दर्ज कराने के लिए कहा गया है।

उन्होंने बताया कि उथप्पा को 22 सितंबर को बयान दर्ज कराने को कहा गया है, वहीं सिंह को 23 और सूद को 24 सितंबर को बुलाया गया है। संघीय जांच एजेंसी पिछले कुछ हफ्तों में पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना और शिखर धवन से पूछताछ कर चुकी है। इस मामले में सोमवार को पूर्व तृणमूल कांग्रेस सांसद और अभिनेत्री मिमी चक्रवर्ती का भी बयान दर्ज किया गया। सूत्रों ने बताया कि बांग्ला अभिनेता अंकुश हाजरा (36) इस मामले में अपने निर्धारित समन पर मंगलवार को ईडी के समक्ष पेश हुए जबकि 1एक्सबेट की भारत की ब्रांड एंबेसडर और अभिनेत्री उर्वशी रौतेला मंगलवार को निर्धारित तिथि पर अभी तक पेश नहीं हुई हैं। यह जांच अवैध सट्टेबाजी एप से संबंधित है।

बीस वर्ष की सेवा के बाद होंगे सुनिश्चित पेंशन के हकदार

नई दिल्ली, एजेंसी। कार्मिक मंत्रालय ने मंगलवार को बताया कि हाल ही में अधिसूचित नियमों के तहत, केंद्र सरकार के ऐसे कर्मचारी जो 20 वर्ष या अधिक की सेवा पूरी करने के बाद स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति (वीआरएस) का विकल्प चुनते हैं, वे अनुपातिक आधार पर सुनिश्चित भुगतान के हकदार हैं।

पेंशन एवं पेंशनभोगी कल्याण विभाग ने दो सितंबर को आधिकारिक राजपत्र में केंद्रीय सिविल सेवा नियम, 2025 अधिसूचित किए हैं। ये नियम राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) के तहत एकीकृत पेंशन योजना (यूपीएस) को विकल्प चुनने वाले केंद्रीय कर्मचारियों के संबंध में एकीकृत पेंशन योजना के तहत लाभ से संबंधित मामलों को विनियमित करने के लिए हैं। ये नियम, यूपीएस ग्राहकों को 20 वर्ष की सेवा पूरी करने के बाद स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति के विकल्प प्रदान करते हैं। मंत्रालय ने कहा कि 20 वर्ष या उससे अधिक की सेवा पूरी करने के बाद वीआरएस विकल्प चुनने पर, अंशदाता को आनुपातिक आधार पर सुनिश्चित भुगतान देय होगा।

- वीआरएस लेने वाले कर्मियों के लिए व्यवस्था

अफसर के घर से मिले एक करोड़ के जेवर और नकदी

गुवाहाटी, एजेंसी

- हिंदुओं की जमीन विदेशियों को कर रही थीं हस्तांतरित
- सीएम हिमंत सरमा के सतर्कता प्रकोष्ठ ने की छापेमारी

असम में मुख्यमंत्री सतर्कता प्रकोष्ठ ने असम सिविल सेवा (एसीएस) की एक अधिकारी को जमीन घोटाले में गिरफ्तार किया है। मामले का खुलासा कल हुआ जब मुख्यमंत्री के सतर्कता प्रकोष्ठ ने गुवाहाटी और बारपेटा में एक सर्किल अधिकारी के घरों पर छापा मारा और एक करोड़ रुपये से ज्यादा की नकदी और हीरे के आभूषण बरामद किए। इस कार्रवाई में हिंदू समुदाय की जमीनें संदिग्ध अवैध विदेशियों को हस्तांतरित करने का पता चला है।

2019 बैच की एसीएस अधिकारी नुपुर बोरा के घर से एक करोड़ रुपये से ज्यादा की नकदी और आभूषण जब्त किए गए हैं। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने मंगलवार को मीडिया को बताया कि बोरा के बारे में शिकायतें मिलने के बाद मुख्यमंत्री सतर्कता विभाग ने छह महीनों से उन पर निगरानी रखी हुई थी।

मदर डेयरी के सभी उत्पाद होंगे सस्ते

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड की इकाई मदर डेयरी का टेट्रा पैक में मिलने वाला अल्ट्रा-हाई टेम्परेचर दूध, पनीर, घी, मक्खन समेत लगभग सभी उत्पाद 22 सितंबर से सस्ते हो जाएंगे। पाउच में उपलब्ध फुल क्रीम, टोन्ड, काउ मिल्क आदि पर असर नहीं होगा।

- 22 से घट जाएंगी दूध, पनीर, घी, बटर की कीमतें

एक लीटर यूएचटी दूध (टोन्ड) अब 77 की जगह 75 रुपये का मिलेगा जबकि 450 मिली. वाले डबल टोन्ड यूएचटी दूध की कीमत 33 से 32 रुपये हो गई है। पनीर के दाम तीन रुपये प्रति 200 ग्राम घटे हैं। बटर में चार रुपये प्रति 100 ग्राम की कमी हुई है। घी में 30 रुपये प्रति लीटर की कटौती की गई है।

सुनवाई | राज्यों को जवाब देने के लिए दिया चार सप्ताह का समय

सुप्रीम कोर्ट का धर्मांतरण कानूनों पर राज्यों को नोटिस

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को कई राज्यों को उनके धर्मांतरण विरोधी कानूनों पर रोक लगाने का अनुरोध करने वाली याचिकाओं पर जवाब देने को कहा। राज्यों को नोटिस जारी करते हुए, प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ ने स्पष्ट किया कि जवाब आने के बाद वह ऐसे कानूनों के क्रियान्वयन पर रोक लगाने के अनुरोध पर विचार करेगी। इसके बाद, पीठ ने राज्यों को जवाब देने के लिए चार सप्ताह का समय दिया और याचिकाकर्ताओं को उसके दो सप्ताह बाद प्रत्युत्तर दाखिल करने की अनुमति दी। मामले की अगली सुनवाई छह सप्ताह बाद निर्धारित की गई।

इस बीच, पीठ ने धर्मांतरण विरोधी कानूनों के खिलाफ याचिकाकर्ताओं में से एक की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता सी यू सिंह को मौजूदा कानून में उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों द्वारा किए गए अधिक कठोर बदलावों को ध्यान में रखते हुए याचिका में संशोधन करने की अनुमति दे दी। पीठ उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, छत्तीसगढ़, गुजरात, हरियाणा, झारखंड और कर्नाटक सहित कई राज्यों द्वारा लागू किए गए धर्मांतरण विरोधी कानूनों की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रही है। न्यायालय ने विवाह या अन्य माध्यमों से होने वाले धर्मांतरण के विवादास्पद मुद्दे पर वरिष्ठ अधिवक्ताओं और अन्य की दलीलें सुनी। सिंह ने इस मामले की तात्कालिकता पर जोर देते हुए चेतावनी दी कि जो कोई भी अंतरधार्मिक विवाह करेगा, उसे जमानत मिलना असंभव हो जाएगा। उन्होंने रेखांकित किया कि कई राज्य पहले ही ऐसे कानून बना चुके हैं, और राजस्थान ने भी हाल में इस संबंध में कानून पारित किया है। सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश में लाए गए संशोधनों के तहत तीसरे पक्ष को शिकायत दर्ज कराने की अनुमति दी गई, जिससे अंतरधार्मिक विवाहों में बड़े पैमाने पर उत्पीड़न हुआ।

श्रद्धालु विवाह स्थलों के निर्माण के लिए मंदिरों को धन नहीं देते : कोर्ट

उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को कहा कि श्रद्धालुओं द्वारा दिया गया धन विवाह समारोह स्थलों के निर्माण के लिए नहीं होता। न्यायालय ने उस आदेश पर रोक लगाने से इनकार कर दिया जिसमें कहा गया था कि मंदिर के धन को सार्वजनिक या सरकारी धन नहीं माना जा सकता। मद्रास उच्च न्यायालय की मदुरै पीठ ने तमिलनाडु के विभिन्न स्थानों पर पांच मंदिरों के धन से शादी स्थलों के निर्माण की अनुमति देने वाले सरकारी आदेशों को रद्द कर दिया था। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी और उसने कहा कि भक्त इन विवाह स्थलों के निर्माण के लिए मंदिर को अपना धन नहीं देते हैं। यह मंदिर के सुधार के लिए हो सकता है।

अमृत विचार

मुरादाबाद , बुधवार, 17 सितंबर 2025

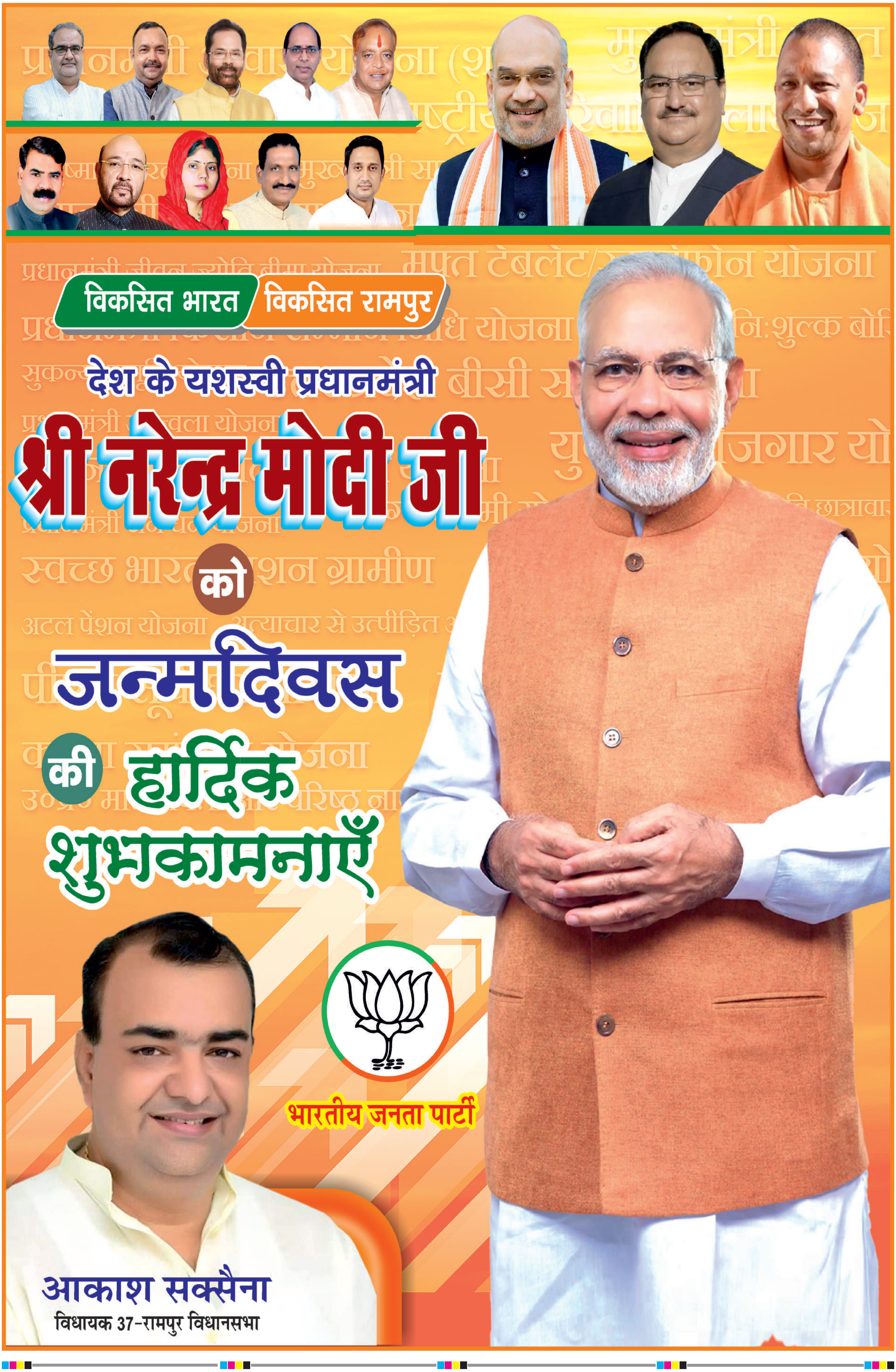

न्यूज ब्रीफ

सामूहिक विवाह सम्मेलन 28 को

मुरादाबाद, अमृत विचार : आर्य समाज स्टेशन रोड की बैठक मंगलवार को हुई। जिसमें निशुल्क सामूहिक विवाह सम्मेलन 28 सितम्बर को कराने का निर्णय लिया। मंत्री रमेश आर्य ने बताया कि अब तक 4 जोड़ों ने अपने प्रपत्र जमाकर पंजीकरण कराया है। बैठक में प्रधान डॉ. अभय श्रोत्रिय, मंत्री रमेश सिंह आर्य, पुरोहित वीरेंद्र आर्य, डॉ. अंजली, सुमित आर्य उपस्थित रहे।

ठगी का खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार

मुरादाबाद, अमृत विचार : साइबर क्राइम थाना पुलिस ने व्हाट्सऐप लिंक के जरिए 1 करोड़ 64 लाख 96 हजार रुपये की ऑनलाइन ठगी का खुलासा करते हुए वाले दो शातिरों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त मोबाइल फोन और 5,350 रुपये बरामद किए हैं। थाना गलशहीद में दर्ज कराई रिपोर्ट में पीड़ित ने बताया था कि जियाना अरोड़ा नाम की महिला ने खुद को दिल्ली निवासी बताकर पिछले पांच साल से ट्रेडिंग करने की बात कही। मुनाफे का लालच देकर व्हाट्सऐप पर लिंक भेजा और आईडी-पासवर्ड बनवाकर पीड़ित से 13 बैंक खातों में 1.64 करोड़ रुपये ट्रांसफर करा लिए थे।

छह मौतों से मुड़िया जैन में मचा कोहराम

देहरादून में मजदूरी करने गए लोगों में नौ बादल फटने से आई बाढ़ में बहे, छह के शव मिले

संवाददाता, बिलारी

अमत विचार: देहरादून में बादल फटने से जलप्लावन में बिलारी के मुड़िया जैन गांव के 6 लोगों की मौत से कोहराम मच गया। दिन भर ग्रामीण मोबाइल में सोशल मीडिया के माध्यम से जानकारी करने की कोशिश करते रहे। गांव में सन्नाटा पसरा रहा।

बिलारी क्षेत्र के ग्राम मुंडिया जैन के तमाम लोग देहरादून में मजदूरी करने जाते हैं। इस बार भी दर्जन भर से अधिक लोग रक्षाबंधन के बाद वहां नदियों में बजरपुट व बजरी निकालने गए थे। मंगलवार की सुबह बादल फटने से जलप्लावन में नौ मजदूर बह गए। बाद में सोमवती, रीना, किरण, हरचरण, मदन और नरेश बाबू के शव बरामद हो गए। हो राम, राजकुमार और सुंदरी का पता नहीं चला है। यहां परिजन बेहाल हैं। जो तीन लोग नहीं मिले उनके परिजन सलामती की दुआ कर रहे हैं।

मुड़िया जैन गांव में मंगलवार सवेरे लोगों के उठने के बाद मनहूसियत भरी खबर मिली कि छह लोगों की मौत हो गई। इसके बाद लोग सन्नाटे में डूब गए।

मृतकों के घर जाकर परिजनों को सांत्वना देते रहे। जिला पंचायत अध्यक्ष डॉक्टर शेफाली सिंह चौहान, पूर्व लोकसभा प्रत्याशी परमेश्वर लाल सैनी, सुरेश सैनी, विश्वास यादव, लवली समेत तमाम लोग गांव पहुंच गए और जानकारी की। शवों के बुधवार को आने के बाद अंतिम संस्कार किया जाएगा। एसडीएम विनय कुमार सिंह ने बताया कि अंतिम संस्कार के लिए सारी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। विधि विधान से परिजनों की इच्छा अनुसार अंतिम संस्कार होगा। सारी व्यवस्थाएं कर ली गई हैं।

गमगीन बैठे मृतक हरचरन के परिजन। ● अमृत विचार

मृतक सोमवती।

मृतक हरचरन।

मृतक मदन।

मृतक रीना।

● आज होगा एक साथ छह शवों का अंतिम संस्कार

हादसे ने हरचरन का परिवार निगला

मंगलवार का दिन हरचरन के परिवार के लिए मनहूसियत भरा था। उसके परिवार में चार लोगों की मौत हो गई। जबकि एक बेटा लापता है। हर चरन मूल रूप से संभल के सिंहोला गांव में रहते थे। मौजूदा समय में वह अपनी ससुराल मुड़िया जैन में रहेते थे। हरचरन के अलावा उनकी पत्नी सोमवती, बहू रीना भी इस हादसे में जान गंवा चुके है जबकि दूसरा बेटा राजकुमार अभी गायब है। उसकी तलाश चल रही है।

एमडीए की कार्रवाई 25 बीघा में अवैध प्लॉटिंग की ध्वस्त

मुरादाबाद, अमृत विचार : मुरादाबाद विकास प्राधिकरण ने कटघर थाना क्षेत्र के ग्राम भेसिया रफातपुर में बड़ी कार्रवाई की है। प्रवर्तन टीम ने लगभग 25 बीघा भूमि पर की जा रही अवैध प्लॉटिंग को बुलडोजर चलवाकर ध्वस्त कर दिया। कार्रवाई के दौरान पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी भी मौके पर रहे।

एमडीए उपाध्यक्ष अनुभव सिंह ने बताया कि बिना स्वीकृति और नियमानुसार मानचित्र पास कराए ही भू-माफिया द्वारा खेतों की जमीन काटकर प्लॉट बेचे जा रहे थे। लगातार मिल रही शिकायतों की जांच के बाद विधिक प्रक्रिया पूरी कर यह कार्रवाई की गई। प्रवर्तन दस्ते ने प्लॉटिंग की सीमाएं, रास्ते और अवैध निर्माण ध्वस्त कर क्षेत्र को मलबे में तब्दील कर दिया। उन्होंने साफ कहा है कि नियमों के खिलाफ कॉलोनियां बसाने वालों को किसी भी हालत में बख्शा नहीं जाएगा। आमजन से अपील की गई कि किसी भी भूखंड या मकान की खरीद से पहले उसकी वैधता व एमडीए से स्वीकृति जांच लें।

एमपी-एमएलए कोर्ट से आजम को राहत, अवमानना केस में बरी

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

● रामपुर के गंज थाने में दर्ज हुआ था कोर्ट की अवमानना का मुकदमा

अमृत विचार : समाजवादी पार्टी की सरकार में मंत्री रहे रामपुर के पूर्व सांसद आजम खां को मुरादाबाद की एमपी-एमएलए स्पेशल कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। अदालत ने छजलैट थाने में दर्ज कोर्ट की अवमानना के मामले में उन्हें बरी कर दिया।

जनपद के थाना छजलैट के सामने 2 जनवरी 2008 को वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस ने आजम खां की गाड़ी रोकी थी। उस समय आजम खां अपने परिवार के साथ मुजफ्फरनगर में कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे। जिसे लेकर जमकर बवाल हुआ था। इस मामले में आजम खां, अब्दुल्ला आजम समेत अन्य सपाइयों के खिलाफ केस दर्ज किया था। कई बार समन जारी होने के बाद भी आजम खां कोर्ट में हाजिर नहीं हुए थे। इसके बाद रामपुर के गंज थाने के तत्कालीन प्रभारी रामवीर सिंह ने 2020 में आजम खां के छजलैट थाने में अवमानना के मामले में मुकदमा दर्ज कराया था। इस मुकदमे की सुनवाई एसीजेएम-एमपी-एमएलए स्पेशल कोर्ट एमपी सिंह की अदालत में चल रही थी। अदालत ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद मंगलवार को आजम खां को इस मामले में बरी कर दिया है। विशेष लोक अभियोजक मोहन लाल विश्नोई का कहना है कि अभी उन्हें आदेश की कॉपी नहीं मिली है। आदेश की कॉपी मिलने पर अध्ययन करने के बाद इस मामले में उच्च अदालत में अपील की जाएगी।

एमआईटी रामगंगा विहार में 25 को वृहद रोजगार मेला

मुरादाबाद, अमृत विचार : युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए 25 सितंबर को एमआईटी रामगंगा विहार परिसर में वृहद रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। मेला क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय, राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, जिला समन्वयक कौशल विकास मिशन, राजकीय महिला पॉलिटेक्निक और एमआईटी के संयुक्त तत्वावधान में सुबह 10 बजे से शुरू होगा।

पेड़ कटाई के दौरान 3 बिजली कर्मी करंट से झुलसे

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : मझोला विद्युत केंद्र क्षेत्र में 33 हजार वोल्ट की लाइन पर पेड़ों की कटाई के दौरान बिजली विभाग के तीन कर्मचारी करंट की चपेट में आकर झुलस गए। सुबह आठ बजे शटडाउन प्लान के अनुसार पेड़ों की कटाई-छटाई के दौरान 33 केवी की लाइन पर पेड़ का मोटी टहनी गिरने कार्य कर रहे बिजली कर्मचारियों करंट लगा था। मौके पर घायल कर्मचारियों को बेहोशी की हालत में साथी लाइनमैनों ने कांठ रोड स्थित निजी अस्पताल में भर्ती कराया है।

मंगलवार सुबह मझोला थाना क्षेत्र में 33 केवी की लाइन पर आ रहे पेड़ों की कटाई करने के लिए जेई तेजपाल के नेतृत्व दो टीजी टू और पांच लाइनमैन कार्य कर रहे थे। इस दौरान टीजी 2 और दो लाइनमैन एक डेडलाइन के तार को पकड़े हुए थे, जिस पर काटे जा रहे पेड़ की मोटी टहनी गिरने से 33 केवी की लाइन के तार से डेडलाइन का तार टच हो गया। जिससे नीचे खड़े टीजी टू सुरेंद्र कुमार, लाइनमैन ओम सिंह और विक्रम सिंह करंट की चपेट में आकर मौके पर ही बेहोश होकर गिर पड़े। वहीं साथ काम कर रहे अन्य लाइन मैन साथियों ने तुरंत उन्हें कांठ रोड स्थित निजी अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया। जहां चिकित्सकों ने तीनों को खतरे से बाहर बताया है। साथ में काम रहे लाइन मैन सलीम ने बताया कि जेई तेजपाल के निर्देशन में पेड़ों की कटाई का कार्य किया जा रहा था। अस्पताल में मौजूद लाइनमैन सतेंद्र कुमार और अन्य लाइनमैनों का आरोप है कि जेई पेड़ों की कटाई का कार्य नियम से नहीं करा रहे थे। कई बार मना करने के बावजूद जेई ने बात मानने से इनकार कर दिया। लाइनमैनों के अनुसार पेड़ों की कटाई का काम नियमों के अनुसार निजी ठेकेदार के मजदूरों से कराया जाना चाहिए था, इसके लिए विभाग में टेंडर की व्यवस्था की गई है। जबकि विभाग अनावश्यक रूप से यह जिम्मेदारी लाइनमैनों पर डाल रहा है।

कांठ रोड स्थित अस्पताल में भर्ती करंट से झुलसे विद्युत कर्मचारी।

● नियम के विपरीत कार्य कराने से हुई घटना, लाइनमैन ने जेई पर लगाया आरोप

लाइनमैनों में जेई के प्रति बढ़ते विरोध को देखते हुए मामले की जांच कराई जाएगी। यदि जेई के अनुसार कराए जा रहे कार्य विभागीय नियम के विपरीत पाए गए तो संबंधित के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। करंट से झुलसे कर्मचारियों का इलाज विभाग की ओर से कराया जाएगा।
-प्रशांत कुमार, अधीक्षण अभियंता नगरीय

ननिहाल आए बच्चे की नाली में डूबकर मौत

संभल/ओबरी, अमृत विचार: दबोई खुर्द निवासी मोहम्मद इदरीश की पत्नी शाइस्ता सप्ताह भर पहले पिता मुबारकपुर बंद निवासी मुशाहिद के घर आई थी। मंगलवार सुबह इदरीश पत्नी को ले गया जबकि तीन वर्षीय बेटा सम्माद रजा ननिहाल में ही रुक गया। मंगलवार शाम सम्माद बच्चों के साथ खेल रहा था। उसी समयवह नाली में गिर गया। परिजन मुरादाबाद के निजी अस्पताल ले गए जहां डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

मृतक सम्माद।

टीईटी अनिवार्यता के विरोध में किया प्रदर्शन

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के आह्वान पर जिले भर के हजारों शिक्षक मंगलवार को सड़कों पर उतरे। जिलाध्यक्ष डॉ. नीरज शर्मा के नेतृत्व में दांग स्थित शिक्षक भवन से कलेक्ट्रेट तक जुलूस निकाला। शिक्षकों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को संबोधित ज्ञापन प्रशासनिक अधिकारी को सौंपा।

कलेक्ट्रेट परिसर में उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के शिक्षक पहुंचे। जहां उन्हें डॉ. नीरज शर्मा ने कहा कि 1 सितंबर 2025 को सुप्रीम कोर्ट के आदेश से सेवारत शिक्षकों पर टीईटी की अनिवार्यता लागू होने से हजारों शिक्षकों की सेवा सुरक्षा और पदोन्नति को खतरा पैदा हो गया है। मंडलीय मंत्री सर्वेश कुमार शर्मा ने कहा कि संगठन शिक्षक हितों की रक्षा के लिए लखनऊ से दिल्ली तक आंदोलन करने को तैयार है। कार्यक्रम का संचालन मंत्री धर्मेंद्र प्रताप सिंह ने किया। ज्ञापन सौंपने के दौरान सर्वेश शर्मा, धर्मेंद्र प्रताप सिंह, संजय सिंह, डॉ. कपिल सिरोही, प्रदीप कुमार शर्मा, राकेश कौशिक, राहुल शर्मा, अनिल कुमार, उपेंद्र सिंह, वीर सिंह, सुरजीत यादव, अनिल गिल रहे।

शिविर में 50 से अधिक समस्याएं निस्तारण

मुरादाबाद, अमृत विचार: पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड की प्रबंध निदेशक ईशा दुहान ने मंडल के अधिकारियों को उपभोक्ताओं की समस्याओं का त्वरित समाधान करने के निर्देश दिए हैं।

अधीक्षण अभियंता प्रशांत कुमार ने बताया कि प्रत्येक मंगलवार को विद्युत उपभोक्ता सेवा शिविर एवं जनसुनवाई का आयोजन होगा। जिले 6 वितरण खंडों पर लगे शिविरों में उपभोक्ताओं 50 से अधिक की समस्याएं सुनने के बाद उनका तत्काल निस्तारण किया। शिविरों में डुप्लीकेट बिल और बिल भुगतान जैसी सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। साथ ही मीटर एडवाइजरी एवं अन्य तकनीकी समस्याओं का भी निपटारा किया जाएगा।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें

मो.7906815587

सूचना

मैंने अपना नाम ASADULLAH KHAN से बदलकर ASAD ULLAH KHAN S/O NASIR ULLAH KHAN पता BAZARIA MULLA MULLA ZARIF जिला रामपुर रख लिया है भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जाए।

सूचना

मेरी हाईस्कूल की अंक तालिका अनुक्रमांक 0845498, इण्टर की दो अंक तालिकायें अनुक्रमांक 0652985 व 4151199, ग्रेजुएशन की डिग्री नं. 6980, डिप्लोमा की मार्कशीट अनुक्रमांक 2012227286023 व डिप्लोमा प्रमाण पत्र व कम्प्यूटर प्रमाण पत्र अनुक्रमांक जी-01401035087 वास्तव में कहीं खो गये है जो तलाश करने के बाद भी नहीं मिले है। **अज़गरी हिबा जिलानी पुत्र श्री खलीक अहमद निवासी मौ. कलकत्ता रेते वाली पुलिया, रामपुर।**

सूचना

मेरा नाम रामपाल है मेरे पुत्र के शैक्षिक प्रमाणपत्र मे त्रुटि से रामपाल सिंह हो गया है भविष्य में रामपाल के नाम से जाना जाए। रामपाल पुत्र उदल सिंह निवासी टहानायक मुरादाबाद।

सम्बन्ध विच्छेद

मैंने व मेरे परिवार ने अपने सगे पुत्र आसिफ अखतर व उसकी पत्नी फरहीन जहरा के गलत कृत्य व दुर्व्यवहार के कारण रजिस्टर्ड संबंध विच्छेद कर लिये है। इनका मेरी चल, अचल, संपत्ति, मकान, मुकदमा व भविष्य में घटित घटना से कोई लेना-देना नहीं है। श्रीमती शबी जहरा पत्नी सिब्ते रसूल पुत्र मौ. सिब्तेन बड़ी इमली थाना व तहसील नौगांवा सादात, जिला अमरोहा।

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

वेस्टेज प्लांट में ट्रैक्टर चालक, कबाड़ी के शव मिले

धामपुर, अमृत विचार: थाना धामपुर क्षेत्र अंतर्गत शुगर मिल के वेस्टेज प्लांट परिसर में मंगलवार देर शाम उस समय हड़कंप मच गया जब एक ट्रैक्टर से जुड़े गोल टैंकर के अंदर दो व्यक्तियों के शव मिले।

मृतकों की पहचान मुकेश पाल (25 वर्ष) पुत्र कैलाश निवासी ग्राम सरकड़ा चकराज मलपुर, थाना धामपुर, और सलमान (28 वर्ष) पुत्र महबूब निवासी ग्राम पल्लावाला थाना धामपुर के रूप में हुई है। मुकेश ट्रैक्टर चालक था, जबकि सलमान कबाड़ी की फेरी करता था। बताया गया कि उक्त टैंकर धामपुर शुगर मिल के केमिकल यूनिट से बायो कम्पोज लेकर वेस्टेज प्लांट में आया था। संभावना जताई जा रही है कि टैंकर की सफाई के दौरान उसमें बनी जहरीली गैस से दोनों का दम घुट गया, जिससे उनकी मौत हो गई। एसपी पूर्वी, एसडीएम और क्षेत्राधिकारी मौके पर पहुंचे। स्थिति पर नियंत्रण बनाए रखने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है।

पिंजरे में कैद किया गया गुलदार

धामपुर, अमृत विचार: नजीबाबाद इलाके में मंगलवार को वन विभाग की टीम के पिंजरे में गुलादर फंस गया।

बिजनौर के नजीबाबाद इलाके में पिछले एक पखवाड़े से गुलदार की दहशत है। इन 15 दिनों के भीतर गुलदार ने तीन बच्चों के अलावा एक महिला की जान ले ली थी। वन विभाग की ओर से इस बार बाहर से टीम बुलाकर सहायता लेनी पड़ी। नजीबाबाद के महावतपुर क्षेत्र में गुलदार को पकड़ने के लिए पिंजरा लगाया गया था। मंगलवार को इस पिंजरे में गुलदार फंस गया।

कार्यालय सहायक निबंधक फर्म्स, सोसाइटीज एवं चिट्स मुरादाबाद मण्डल मुरादाबाद

सार्वजनिक सूचना

संस्था गांधी नारी कल्याण समिति, पता कुमार कोल्ड स्टोरेज धमापुर जिला बिजनौर 01. सर्वश्री डा० सरोज मार्कण्डेय, भूतपूर्व अध्यक्ष, मंगलम् कालागढ़ रोड, धामपुर जिला बिजनौर। 02. श्रीमती मधु गुप्ता भूतपूर्व प्रथम उपाध्यक्ष द्वारा नरेन्द्र कुमार गुप्ता, बड़ी मण्डी, धामपुर जिला बिजनौर। 03. श्रीमती रमा जैन, भूतपूर्व द्वितीय उपाध्यक्ष, द्वारा श्री ज्ञानेन्द्र कुमार जैन, बडी, मण्डी, धामपुर जिला बिजनौर। 04. श्रीमती कामना आर्य भूतपूर्व कोषाध्यक्ष, मो० लोहियान, धामपुर जिला बिजनौर। 05. श्रीमती सुनीता मन्दा पूर्व सदस्य, निवासी पुराना धामपुर जिला बिजनौर। 06. श्रीमती स्नेहलता भूतपूर्व सदस्य, निकट पुराना स्टेट बैंक कालागढ मार्ग, लखनऊ। 07. श्रीमती आभा अग्रवाल भूतपूर्व सदस्य, बडी मण्डी धामपुर जिला बिजनौर। 08. श्रीमती उषा अग्रवाल भूतपूर्व सदस्य, बडी मण्डी, धामपुर जिला बिजनौर। 09. श्रीमती कुसुम अग्रवाल भूतपूर्व सदस्य द्वारा नवरंग टेक्सटाइन धामपुर जिला बिजनौर।

उक्त के संबंध में अवगत कराना है कि संस्था गांधी नारी कल्याण समिति, पता कुमार कोल्ड स्टोरेज धामपुर जिला बिजनौर का नवीनीकरण किये जाने हेतु डा० शांति शर्मा स्वयं को उक्त संस्था का अध्यक्ष दर्शाते हुये प्रपत्र प्रस्तुत किये गये है। प्रस्तुत प्रबन्धसमिति की सूची तथा साधारण सभा की सूची वर्ष 2024-2025 में आपको संस्था में चयनित नहीं दर्शाया गया है। अत: उक्त के सम्बन्ध में यदि कोई आपत्ति हो तो अपनी आपत्ति फोटोयुक्त नोटरी शपथ पत्र सूचना प्रकाशन के 15 दिन के अन्दर अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में प्रस्तुत करें, अन्यथा की स्थिति में सो०रजि०एक्ट 1860 के अन्तर्गत नियमानुसार अग्रिम कार्यवाही सुनिश्चित कर ली जायेगी। है। विदित हो कि उक्त नोटिस सोसा० पंजी०अधि0 1860 की धारा 3(1) के अन्तर्गत जारी किया जा रहा।

आज्ञा से-(आनन्द विक्रम सिंह)
सहायक निबन्धक।

नीट के छात्र की हत्या के बाद बवाल, पूरी चौकी निलंबित

लखनऊ, अमृत विचार: गोरखपुर जिले में पिपराइच थानाक्षेत्र के जंगल छत्रधारी गांव में सोमवार देर रात गो-तस्करों ने पीछा कर रहे छात्र दीपक (16) की हत्या कर दी और शव दूसरे थाना क्षेत्र में फेंक दिया। तस्करों की दूसरी गाड़ी को ग्रामीणों ने घेर लिया। गाड़ी फंसने पर उतरकर भाग रहे तस्करों में एक को ग्रामीणों ने दबोच लिया और गाड़ी में आग लगा दी। तस्कर को पुलिस ने हिरासत में लेने का प्रयास किया तो ग्रामीणों ने हमला बोल दिया। कई पुलिसकर्मी घायल हो गए। जिस गाड़ी में तस्कर थे वह मुरादाबाद की बताई जा रही है। मंगलवार सुबह ग्रामीणों ने जाम लगाकर प्रदर्शन शुरू कर दिया। इस दौरान पथराव व आगजनी भी की गई। मामले में चौकी प्रभारी व 6 पुलिसकर्मियों समेत पूरी चौकी को निलंबित कर दिया गया। मुख्यमंत्री योगी ने डीआईजी, डीएम व एसएसपी को आरोपितों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का निर्देश दिया। सीएम के निर्देश पर एडीजी कानून-व्यवस्था अमिताभ यश देर शाम गोरखपुर पहुंचे और मृतक के परिजनों से बात की।

सरकारी वाहनों के नंबर निजी वाहनों को देने पर विभाग सख्त

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : संभागीय परिवहन विभाग रामपुर के सरकारी वाहनों के पंजीकरण नंबरों को निजी वाहनों पर आवंटित करने में गड़बड़ी के मामलों को लेकर मुरादाबाद के सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी ने कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने विभागीय कर्मचारियों व अधिकारियों की कार्यप्रणाली में सुधार करने के निर्देश देते हुए सतर्कता के साथ काम करने के लिए कहा है। गलती होने के साथ ही समय से बताने के लिए कहते हुए ऐसा न करने पर कार्रवाई की चेतावनी दी है।

अमृत विचार

मुरादाबाद, बुधवार, 17 सितंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

भवन कर-जल कर छूट की अवधि बढ़ाने की मांग

मुरादाबाद, अमृत विचार : मुरादाबाद हैंडीक्राफ्ट्स एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन के महासचिव व ईपीसीएच के राष्ट्रीय संयोजक अवधेश अग्रवाल ने भवन कर और जलकर जमा करने पर मिलने वाली 15 प्रतिशत छूट की अवधि बढ़ाने की मांग की है। इसके लिए उन्होंने नगर निगम समेत मुख्यमंत्री और नगर विकास मंत्री को पत्र भेजा है। अवधेश अग्रवाल ने बताया कि उन्होंने नगर आयुक्त को ईमेल के माध्यम से पत्र प्रेषित कर भवन कर व जलकर पर दी जा रही 15 प्रतिशत छूट की अवधि को 31 दिसंबर तक बढ़ाने का अनुरोध किया है।

किशोरी लापता, रिपोर्ट

मुरादाबाद, अमृत विचार : पाकबड़ा क्षेत्र के मोहल्ले में रहने वाली महिला ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसकी बेटी 15 साल की है। महिला के अनुसार 14 सतंबर को दोपहर एक बजे उसकी बेटी घर से बिना बताए निकली थी और लापता हो गई। महिला का आरोप है कि कोई युवक बेटी को अगवा कर ले गया है। पाकबड़ा थानाध्यक्ष योगेश कुमार ने बताया कि अज्ञात युवक पर रिपोर्ट दर्ज की है।

गोमांस लदी कार छोड़कर भागा मालिक गिरफ्तार

मामले में एसएसपी ने 10 लोगों को किया था निलंबित

संवाददाता, पाकबड़ा

पुलिस की गिरफ्त में गो मांस से लदी कार का मालिक शमी।

अमृत विचार : गो मांस भरकर ले जा रही कार को उमरी सब्जीपुर गांव के पास छोड़कर फरार हुए कार मालिक को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। उसके खिलाफ पहले भी कई थानों में मुकदमें दर्ज हैं। इस मामले में थाना प्रभारी समेत 10 लोगों को एसएसपी ने निलंबित कर दिया था।

बीती 2 सितंबर की रात को थाना क्षेत्र के गांव उमरी सब्जीपुर के पास होंडा सिटी कार में गो मांस भरकर कुछ लोग ले जा रहे थे। जैसे ही 112 पुलिस ने उन्हें देखा तो वह वहां से कार छोड़कर भाग गए थे। जिसकी सूचना 112 ने चौकी ग्रोथ सेंटर को दी। कार को उनके हवाले कर दिया था। चौकी इंचार्ज ग्रोथ सेंटर ने थाना प्रभारी को इसकी जानकारी दी। उसके बाद थाना प्रभारी ने रात में ही अधिकारियों को बिना बताए ही गो मांस को दबा दिया था। कार को भी छिपा दिया गया था। जिसकी जानकारी सुबह को एसएसपी को हुई। तब एसएसपी सतपाल अंतिल ने सीओ सिविल लाइंस, एसओजी की टीम, सर्विलांस की टीम को भेज कर जांच कराई तो मामला सही पाया गया। जिसमें मामला रफा दफा करने में थाना प्रभारी एवं चौकी प्रभारी समेत 10 लोगों को सस्पेंड कर दिया गया था। तब से लेकर अब तक कार मालिक एवं उसमें सवार लोग फरार चल रहे थे।

मंगलवार को थाना कुंदरकी के कस्बा सादात पश्चिमी निवासी शमी को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। इसके खिलाफ गैर जनपद में भी मुकदमे पंजीकृत हैं।

खिलाड़ियों ने आर्म रेसलिंग प्रतियोगिता में दिखाया दम

मुरादाबाद, अमृत विचार : पीपुल आर्म रेसलिंग एसोसिएशन की ओर से मंगलवार को जिला स्तरीय आर्म रेसलिंग बालिका प्रतियोगिता हुई। प्रतियोगिता में विभिन्न स्कूलों की 130 बालिका खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया।

अंडर 12 में गरिमा, साक्षी, शिवानिया चौधरी, परिधि, आरोही, छवि रानी और अक्षरा ने विभिन्न भार वर्गों में प्रथम स्थान प्राप्त किया। अंडर 14 में चेतना, जाह्नवी, प्रियांशी, रिया चौधरी, सिंदूस, तनिष्का चौधरी और वंशिका विजेता रहीं। अंडर 16 में यशी बिश्नोई, गुनगुन बिश्नोई, गिरीश बाजपेई, सुफियान और यति भटनागर ने प्रथम स्थान हासिल किया। अंडर18 में अंजलि बिश्नोई, अंशु मलिक और अनुष्का दुबे विजेता बनीं। ओवरऑल ट्रॉफी बुद्धि विहार सेंट मेरी स्कूल ने जीती। द्वितीय स्थान पर आरआरके स्कूल और तृतीय स्थान पर आर्यभट्ट इंटरनेशनल और गांधी नगर पब्लिक स्कूल रहा। निर्णायक की भूमिका मोहम्मद आकिब, लकी, देव सिंह, बलराम, विजेंद्र पाल, मोहम्मद नवाज और अभिजीत ने निभाई।

नवजात को मिली नई जिंदगी ले जाई जाएगी दत्तक गृह

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : जिंदगी की जंग जीतने वाली मासूम बच्ची, जो 20 अगस्त को कटघर थाना क्षेत्र के देहरी गांव में बोरे में बंद मिली थी, अब पूरी तरह स्वस्थ होकर नई जिंदगी की ओर बढ़ चली है। मंगलवार को जिला महिला अस्पताल के सिक न्यूबॉर्न केयर यूनिट (एसएनसीयू) से बच्ची को डिस्चार्ज कर दिया गया। एसएनसीयू प्रभारी की निगरानी में उसे चाइल्ड हेल्पलाइन की टीम को सौंपा गया।

चाइल्ड लाइन सुपरवाइजर शाहनवाज आलम और केस वर्कर अंजू ने बताया कि बच्ची को चाइल्ड वेलफेयर कमेटी (सीडब्ल्यूसी) के निर्देश पर दत्तक गृह भेजा जाएगा। वहां से आगे उसकी एडॉप्शन (गोद लेने) की प्रक्रिया पूरी होगी। यानी अब इस बच्ची के लिए एक नया परिवार और सुरक्षित भविष्य तय किया जाएगा। बच्ची जब अस्पताल लाई गई थी तो उसकी हालत बेहद गंभीर थी। बोरे में बंद रहने के कारण उसका शरीर ठंडा पड़ रहा था और

चाइल्ड लाइन की टीम को बच्ची सौंपते डॉ. प्रतीक गर्ग और साथ में अन्य।

सांसें धीमी थीं। महिला अस्पताल में ड्यूटी पर मौजूद पीडियाट्रिशन डॉ. प्रतीक ने तुरंत इलाज शुरू किया। अगले दिन से उसकी देखभाल की जिम्मेदारी डॉ. सना और डॉ. किरन पांडे व उनकी टीम ने संभाली। स्टाफ नर्सों ने रात-दिन देखभाल कर उसे नया जीवन दिया। धीरे-धीरे हालत सुधरने लगी और पिछले हफ्ते बच्ची हर दो घंटे में खुद दूध पीने लगी। सभी पैरामीटर सामान्य होने के बाद डॉक्टरों ने डिस्चार्ज करने का निर्णय लिया।

हिंदी अस्मिता की आत्मा है, केवल संपर्क भाषा नहीं : डॉ. काव्य

मुरादाबाद, अमृत विचार : हिंदी पखवाड़े के अंतर्गत मुस्लिम डिग्री कॉलेज में मंगलवार को हिंदी दिवस का आयोजन हुआ। वक्ताओं ने राष्ट्रभाषा हिंदी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए इसके संरक्षण, संवर्धन और आधुनिक तकनीक से जोड़ने की जरूरत पर बल दिया।

मुख्य अतिथि साहित्यकार एवं महाराजा हरिश्चंद्र पीजी कॉलेज के प्रबंधक डॉ. काव्य सौरभ रस्तोगी ने कहा कि हिंदी केवल संपर्क भाषा नहीं, बल्कि भारतीय अस्मिता की आत्मा है। स्वतंत्रता संग्राम के दिनों में हिंदी ने जन-जन को एक सूत्र में पिरोया और आज भी यह राष्ट्रीय एकता व सांस्कृतिक पहचान की सबसे बड़ी धरोहर है। छात्र इमरान और छात्रा शीतल ने हिंदी के महत्व पर अपने विचार रखे। महाविद्यालय के प्रबंधक जुनेद उल हक ने कहा कि हिंदी का संरक्षण और संवर्धन हर भारतीय का कर्तव्य है। मोहम्मद जुनेद एजाज और संचालन हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. रोमाना अंजुम ने किया। प्राचार्य डॉ. इशियाक अहमद आजमी ने आभार जताया।

हस्तशिल्प में डिजाइन की राह खोलेगी 3-डी प्रिंटिंग

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

- निर्यातकों को अत्याधुनिक समाधानों से परिचित कराया

अमृत विचार : एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल फॉर हैंडीक्राफ्ट्स ने नया मुरादाबाद स्थित ईपीसीएच हाउस में उन्नत 3-डी प्रिंटर तकनीक का लाइव प्रदर्शन किया। इसका उद्देश्य हस्तशिल्प निर्यातकों को अत्याधुनिक विनिर्माण समाधानों से परिचित कराना और उद्योग में डिजाइन नवाचार की संभावनाओं को सामने लाना था।

यह पहल ईपीसीएच के चेयरमैन डॉ. नीरज विनोद खन्ना और चीफ कन्वीनर अवधेश अग्रवाल के नेतृत्व में हुई। वक्ताओं ने कहा कि 3-डी प्रिंटिंग भविष्य के हस्तशिल्प और होम डेकोर सेक्टर के लिए क्रांतिकारी बदलाव ला सकती है। कार्यक्रम के प्रौद्योगिकी साझेदार फिलिप्स मशीन टूल्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने 3-डी प्रिंटिंग की लाइव प्रक्रिया प्रस्तुत की। इसमें उत्पाद विकास, रैपिड प्रोटोटाइपिंग और हस्तशिल्प उद्योग में नई डिजाइन संभावनाओं को दिखाया। इस अवसर पर मुरादाबाद हैंडीक्राफ्ट एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष नवेदुर्रहमान, नजमुल इस्लाम, यस के नेशनल चेयरमैन विशाल अग्रवाल, मुरादाबाद चेयरमैन जेपी सिंह, रजत सिंगल, गगन दुग्गल, नबील अहमद समेत कई प्रमुख निर्यातक मौजूद रहे।

शिवसेना ने की गोरखपुर प्रकरण की जांच की मांग

मुरादाबाद, अमृत विचार : शिवसेना पदाधिकारियों ने जिला प्रमुख गुड्डू सैनी के नेतृत्व में गोरखपुर में प्रदेश महासचिव मनोज पर हुए हमले व धमकी के मामले में दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग को लेकर जिलाधिकारी को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। शिवसैनिकों ने इस मामले की उच्च स्तरीय व निष्पक्ष जांच कर सभी नामजद व अज्ञात आरोपियों पर कार्रवाई करने की मांग की है। ज्ञापन सौंपने वालों में मुकेश कुमार, नितिन वर्मा, नकुल यादव, मनोज कुमार, युवा जिला प्रमुख राकेश कुमार प्रजापति, युवा महानगर प्रमुख राहुल कुमार, जिला महासचिव ठाकुरदास सैनी, ओम प्रकाश सैनी, तिलक सैनी समेत अन्य शिवसैनिक मौजूद रहे।

फर्जी मेडिकल बनवाकर एफआईआर से बचने की कोशिश, रिपोर्ट दर्ज

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : झूठा मेडिकल बनवाकर एफआईआर से बचने की कोशिश करने वाले दो आरोपियों और एक्स रे रिपोर्ट में हेराफेरी करने वाले चिकित्सक के खिलाफ कोर्ट के आदेश पर थाना पाकबड़ा पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है। प्रकरण की जांच में सीओ हाईवे की रिपोर्ट में मेडिकल रिपोर्ट फर्जी पाई गई। अब पुलिस मामले की जांच कर रही है।

थाना मझोला के दिल्ली रोड निवासी अंकुश बंसल ने कोर्ट में दिए शिकायती पत्र में बताया कि 16 जून 2025 को आंबेडकर पार्क के पास हाईडिल कार्यालय के सामने प्रखर अग्रवाल और पवन बंसल ने उसके साथ मारपीट की थी। इस घटना में उसे गंभीर चोटें आईं और एक कान से सुनाई देना बंद हो गया। इस संबंध में पीड़ित ने थाना सिविल लाइंस थाने में दोनों आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी। अंकुश का कहना है कि खुद को बचाने के लिए आरोपियों ने तीन दिन बाद 19 जून को तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी से जाली मेडिकल रिपोर्ट बनवाई। इसमें कलाई और कोहनी में फ्रैक्चर दिखाया, जबकि हकीकत में ऐसा कुछ नहीं था। पाकबड़ा थानाध्यक्ष योगेश कुमार ने बताया कि कोर्ट के आदेश पर तीन नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। विवेचना में तथ्य सामने आएंगे, उनपर कार्रवाई की जाएगी।

लाजपत नगर रामलीला का भूमिपूजन

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

लाजपत नगर में रामलीला मैदान में भूमि पूजन में शामिल श्रद्धालु।

अमृत विचार: श्रीराम कथा मंचन समिति लाजपत नगर की ओर से 20 सितंबर से शुरू होने वाली रामलीला के लिए मंगलवार को लाजपत नगर रामलीला मैदान में विधि विधान से भूमिपूजन हुआ। पूजन का अनुष्ठान आचार्य गणेशानंद ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ कराया।

भूमि पूजन कार्यक्रम में चौकी पूजन, नवग्रह पूजन, यज्ञ, श्रीराम पूजन, हनुमान चालीसा पाठ, आरती और भोग प्रसाद अर्पित किया गया। इस अवसर पर मुख्य यजमान वर्षा वर्मा और शोभित वर्मा रहे। समिति के मंत्री श्याम कृष्ण रस्तोगी ने बताया कि रामलीला का मंचन बृजधाम रामकृष्ण लीला संस्थान, वृंदावन के कलाकार करेंगे। मंचन का निर्देशन स्वामी नंद किशोर शर्मा करेंगे। 20 सितंबर से तीन अक्टूबर तक चलने वाली रामलीला में भगवान श्रीराम के जीवन के विभिन्न प्रसंगों का मंचन होगा।उन्होंने बताया कि 25 सितंबर को भगवान श्रीराम की बरात की शोभायात्रा निकाली जाएगी। वहीं तीन अक्टूबर को भगवान श्रीराम की राजगद्दी शोभायात्रा धूमधाम से निकलेगी। आयोजन का उद्घाटन पहले दिन मंडलायुक्त आंजनेय कुमार सिंह करेंगे। इस दौरान विनोद बाबू सक्सेना, हरि गोपाल शर्मा, मुकुल बंसल, शम्मी रस्तोगी, अतुल अग्रवाल, नितिन अग्रवाल, राजेंद्र अग्रवाल, विवेक शर्मा, पीयूष अग्रवाल और मुकेश आनंद प्रमुख रूप से शामिल हुए।

न्यूज ब्रीफ

महिला के साथ मारपीट में केस दर्ज

भोजपुर, अमृत विचार : गांव आदमपुर निवासी सलमा पत्नी नबाव जान ने पड़ोसी छोटे पुत्र बदलू के खिलाफ गाली गलौज करने, मारपीट करने एवं जान से मारने की धमकी देने के आरोप में तहरीर दी है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर घायल महिला को मेडिकल परीक्षण कराकर घर भेज दिया।

चोरी में नामजद आरोपी को भेजा जेल

भोजपुर, अमृत विचार : उप निरीक्षक विपिन कुमार ने गांव मिलक गोधी निवासी इसराइल के घर चोरी में नामजद आरोपी बिलाल को हिरासत में लेकर पूछताछ कर उसकी निशानदेही पर वादी के घर से चोरी किए गए एल्यूमीनियम के चैनल, एल्यूमीनियम के रिपिट एवं पीतल व एल्यूमीनियम के बर्तन बरामद कर चालान कर दिया। अदालत ने आरोपी को जेल भेज दिया।

पंचायत भवन से नहीं हटाया अवैध कब्जा

ठाकुरद्वारा, अमृत विचार : ब्लॉक डिलारी ग्राम पंचायत सहसपुरी ग्राम समाज की घाटा संख्या 814आबादी में दर्ज भूमि पर वर्ष 2007 में पंचायत भवन का निर्माण किया गया था जिस पर गांव के रामपाल सिंह ने कब्जा कर रखा है । इस संबंध में गांव के कलुआ पुत्र नरेंद्र सिंह ने 18 अगस्त को संपूर्ण समाधान दिवस में शिकायत दर्ज कराई थी । अधिकारियों ने तत्काल कब्जा हटाए जाने के निर्देश दिए थे जिस पर ग्राम पंचायत सचिव ने 30 अगस्त को रामपाल सिंह को नोटिस जारी किया था । नोटिस के बाद भी पंचायत भवन के साथ-साथ क *या पाठशाला की भूमि को भी कब्जा मुक्त नहीं कराया गया । ग्रामीणों में रोष है।

आज होगा सेवा पखवाड़े का आयोजन

कांठ, अमृत विचार : प्रधानमंत्री मोदी के जन्मोत्सव पर बुधवार को कासमपुर में सेवा पखवाड़े का आयोजन किया जाएगा। कांठ मंडल महामंत्री देवेंद्र चौहान एवं समाजसेवी प्रमोद चौहान ने बताया कि देश को प्रगति के पथ पर अग्रसर करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का योगदान सराहनीय है। सेवा पखवाड़े के तहत कासमपुर शिव मंदिर पर भाजपा कार्यकर्ता स्वच्छता अभियान चलाएंगे। उमुख्य अतिथि पूर्व विधायक राजेश कुमार चुन्नू के अलावा मुकेश माहेश्वरी, सूरज सिंह, राजपाल सिंह प्रजापति, अभय बिश्नोई, एवं कांठ मंडल अध्यक्ष अंकुश चौहान आदि वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहेंगे।

नवोदय विद्यालय में अभिजीत चयनित

कांठ, अमृत विचार : नगर के अभिजीत चौहान का कक्षा 8 की प्रवेश परीक्षा में नवोदय विद्यालय में चयन हुआ है। अभिजीत की इस सफलता पर घर-परिवार एवं परिजनों में खुशी का माहौल है। अभिजीत के पिता सुनील कुमार चौहान भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा में मंडल अध्यक्ष एवं सहकारी समिति के चेयरमैन हैं। अभिजीत ने कहा कि वह आगे चलकर आईएएस बनकर देश सेवा करना चाहता है। आधारशिला के डायरेक्टर मोहित कुमार थापर ने बच्चे को शुभकामनाएं दीं।

हत्या के आरोप पर कब्र से निकाला युवक का शव

करीब दो माह पूर्व भोपाल में हो गई थी युवक की मृत्यु

पुलिस की मौजूदगी में कब्र से निकाला जाता अरबाज का शव। ● अमृत विचार

संवाददाता, भगतपुर

अमृत विचार: थाना क्षेत्र के ग्राम भगतपुर टांडा निवासी एक युवक की मौत के लगभग दो महीने बाद उसका शव कब्र से निकाला गया। परिजनों ने एक युवक पर हत्या का आरोप लगाकर शव का पोस्टमार्टम कराए जाने की मांग की थी। अधिकारियों की मौजूदगी में शव को कब्र से निकाल कर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया गया है।

दो माह पूर्व अरबाज (20) पुत्र खलील मजदूरी करने के लिए एक युवक के साथ भोपाल गया था। वहां जाने के कुछ दिनों बाद परिवार को सूचना मिली कि अरबाज की संदिग्ध परिस्थितियों में मृत्यु हो गई। इसके बाद परिजन शव भगतपुर ले आए थे। परिजनों का कहना है कि अरबाज की मौत से वह गमजदा थे जिसके चलते कार्रवाई नहीं कर पाये। बाद में उन्हें मालूम हुआ कि अरबाज को जहर दिया गया था जिससे उसकी तबियत खराब हुई व बाद में उसकी मौत हो गई थी।

उन्होंने अधिकारियों से शव कब्र से निकलवा कर उपोस्टमार्टम कराने व आरोपियों के विरुद्ध कार्रवाई करने की मांग की थी। अनुमति मिलने के बाद मंगलवार की सुबह शव को कब्र से निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। इस दौरान भगतपुर पुलिस व नायाब तहसीलदार, सीओ ठाकुरद्वारा, सीएचसी प्रभारी आदि मौजूद रहे।

ग्राम महेन्द्री सिकंदरपुर में योग शिविर आयोजित

छजलैट, अमृत विचार: पतंजलि योगपीठ हरिद्वार के तत्वावधान में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष चौधरी भूपेंद्र सिंह के पैतृक गांव महेन्द्री सिकंदरपुर में तीन दिवसीय योग विज्ञान शिविर का आरंभ किया गया। शिविर का आयोजन हरवीर सिंह एवं राज वर्धन आर्य के सौजन्य से किया जा रहा है।

योग शिविर का संचालन स्वामी रामदेव के शिष्य विपिन कर रहे हैं। शिविर में क्षेत्रवासियों को निरोगी जीवन जीने की कला, बीमारियों से बचाव के उपाय और योगाभ्यास के माध्यम से जीवन को बेहतर बनाने का मार्ग सिखाया जा रहा है। शिविर के संयोजक हरवीर सिंह ने बताया कि सभी लोग प्रतिदिन सुबह 5:30 से 7:00 बजे तक शिव मंदिर, महेन्द्री सिकंदरपुर में आकर योगाभ्यास कर सकते हैं और इसका लाभ उठाकर बीमारियों से मुक्ति पा सकते हैं। कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को स्वस्थ्य, सुखी और अनुशासित जीवन की दिशा में प्रेरित करना है। शिविर में पहले ही दिन बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लेकर योगाभ्यास किया और स्वयं को ऊर्जावान महसूस किया।

दुष्कर्म के बाद किशोरी की हत्या

संवाददाता ,ठाकुरद्वारा

● **घर से महज 50 मीटर दूर गन्ने के खेत में मिला शव**

अमृत विचार : ठाकुरद्वारा के सीमावर्ती गांव में एक किशोरी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। उसका शव घर से 50 मीटर दूर गन्ने के खेत में मिला। प्रथम दृष्टया दुष्कर्म के बाद हत्या की आशंका जताई गई। ग्रामीणों ने हत्यारों की तत्काल गिरफ्तारी को लेकर हंगामा किया। उनकी मांग थी कि जेल में बंद किशोरी के पिता को लाया जाए। उन्होंने शव नहीं उठाने दिया। देर रात एसपी क्राइम निहारिका तोमर, एसपी काशीपुर अभय प्रताप सिंह एवं विधायक आदेश सिंह चौहान के समझाने के बाद लोग शांत हुए। लगभग तीन घंटे की गहमा गहमी के बाद तय हुआ कि घटना की रिपोर्ट दर्ज कर वीडियोग्राफी के साथ चिकित्सकों के पैनल से किशोरी का पोस्टमार्टम कराया जाएगा।

उत्तराखंड के गांव की निवासी एक किशोरी कक्षा आठ में पड़ती थी। मंगलवार दो पहर लगभग दो बजे घर से गांव में गई थी। देर शाम तक घर नहीं पहुंची तो उसकी मां तलाश करने निकल पड़ी। गन्ने के खेत में बेटी को खून से लथपथ पड़ा देख उनके होश उड़ गए। चीख पुकार सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। पुलिस ग्रामीणों की मदद से किशोरी को सरकारी अस्पताल ले गई। ईएमओ डॉ.आशु सिंघल ने उसे मृत घोषित कर दिया। इएमओ ने बताया कि किशोरी के पेट के बाएं हिस्से पर किसी धारदार हथियार से वार किया गया था और दाएं हिस्से पर भी निशान हैं। इससे उसकी अंतड़िया साफ दिखाई दे रही थीं। उसका बायां हाथ भी टूटा हुआ था। कपड़े खून से लथपथ थे। प्राइवेट पार्ट से अत्यधिक खून बह रहा था। इससे प्रतीत हो रहा था कि बदमाशों ने किशोरी के साथ दुष्कर्म कर हत्या की होगी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही घटना की तस्वीर साफ होगी।

एसपी काशीपुर अभय प्रताप सिंह ने कहा कि वीडियो ग्राफी के साथ चिकित्सकों के पैनल से शव का पोस्टमार्टम कराया जाएगा। किशोरी के पिता के पैरोल की न्यायालय से डिमांड की जाएगी। घटना के खुलासे के लिए टीम गठित की गई है। शीघ्र ही हत्यारों की गिरफ्तारी कह जाएगी।

छात्र-छात्राओं को गंदगी न करने की शपथ दिलाई गई

संवाददाता,कांठ

अमृत विचार: नगर के कंपोजिट विद्यालय डायट परिसर कांठ मुरादाबाद में इको क्लब के छात्रों और स्कूल के समस्त स्टाफ द्वारा इको क्लब ने गतिविधि के अंतर्गत पर्यावरण मेले का आयोजन किया। पर्यावरण संरक्षण हेतु अपील की गई। कार्यक्रम का आरंभ प्रधानाचार्या शाहिदा खातून ने किया। इन्होंने बच्चों को पर्यावरण के प्रति जानकारी दी। इसकी प्रभारी सहायक अध्यापिका तन्वी रस्तोगी और चुनमुन रहीं। संचालन मो. आरिफ ने किया। इसमें विभिन्न प्रकार की गतिविधियां जैसे कचरा मुक्त कार्ड खेल एवं कचरा प्रथक्करण इत्यादि के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही गंदगी न करने की शपथ दिलाई। इस दौरान अरविन्द कुमार, ह्रदेश कुमारी, निशा प्रजापति, राधा रानी, शिवाली, सचिन कुमार आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

डॉक्टर और कंपाउंडर पर अभद्रता करने का आरोप

संवाददाता, ठाकुरद्वारा

अमृत विचार : नगर के निजी अस्पताल में मरीज के परिजनों से अभद्रता और मारपीट का मामला सामने आया है। परिजनों का आरोप है कि डॉक्टर और कंपाउंडर ने गाली-गलौज करते हुए धक्का-मुक्की की औरउपचार बीच में ही रोक दिया। इससे मरीज की जान को खतरा पैदा हो गया।

नगर के मोहल्ला फतेहउल्लागंज निवासी परवेज पुत्र यूनुस ने कोतवाली पुलिस को दी तहरीर में कहा कि उसके भाई जावेद अहमद को 15 सितंबर को निजी अस्पताल में भर्ती कराया था। शाम लगभग 8 बजे वह परिवार के साथ अस्पताल पहुंचा तो कंपाउंडर ने गाली-गलौज करना शुरू कर दी। इसी दौरान डॉक्टर भी पहुंचे और उन्होंने परिजनों को धक्का देकर मारपीट की, साथ ही जान से मारने की धमकी भी दी। परिजनों का आरोप है कि डॉक्टर ने मरीज का इलाज बीच में ही रोक दिया और ड्रिप तक हटा दी, जिससे मरीज की हालत बिगड़ने का खतरा हो गया। परवेज ने पुलिस को तहरीर देकर डॉक्टर और कंपाउंडर के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

2 अक्टूबर तक चलेगा स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान

कांठ, अमृत विचार: 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक स्वस्थ्य नारी सशक्त परिवार अभियान का आयोजन किया जाएगा। कांठ क्षेत्र के आयुष्मान आरोग्य मंदिर, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों और अन्य स्वास्थ्य इकाइयों पर शिविर आयोजित होंगे। इन शिविरों में महिलाओं को विभिन्न स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी, जिनमें विशेषज्ञ परामर्श भी शामिल होगा। अभियान के दौरान महिलाओं की सामान्य स्वास्थ्य जांच के साथ-साथ उच्च रक्तचाप, मधुमेह, ओरल कैंसर, स्तन कैंसर और गर्भाशय ग्रीवा कैंसर की जांच की जाएगी।

बी-पैक्स के सदस्य बनें किसान

संवाददाता,छजलैट

● **जिला सहकारी बैंक में सभा में किसानों को किया जागरूक**

अमृत विचार: सहकारिता विभाग और इफको के संयुक्त तत्वावधान में छजलैट के जिला सहकारी बैंक में किसान सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों को नैनो यूरिया और नैनो डीएपी जैसे उन्नत उत्पादों के उपयोग के प्रति जागरूक करना रहा।

मुख्य अतिथि सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक सहकारिता अमरेंद्र कुमार ने बी-पैक्स द्वारा चलाए जा रहे सदस्यता अभियान की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने किसानों से अधिक संख्या में समिति के सदस्य बनने का आह्वान करते हुए कहा कि समिति के सदस्य किसानों को प्राथमिकता के आधार पर उर्वरक और ऋण की सुविधा दी जाएगी। इफको उप क्षेत्र प्रबंधक यशवीर सिंह ने बताया कि रासायनिक उर्वरकों का अत्यधिक उपयोग मिट्टी और फसल दोनों के लिए हानिकारक है। उन्होंने धान की फसल में प्रति टंकी 75 मिली नैनो यूरिया और 15 मिली नैनो जिंक का प्रयोग करने की सलाह दी। साथ ही बताया कि प्रति एकड़ केवल 2 बोरी यूरिया पर्याप्त है, जबकि किसान 4 से 6 बोरी डालकर मृदा की उर्वरता कम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि नैनो डीएपी के उपयोग से सरसों और गेहूं की फसल में उत्पादन बेहतर होता है और रासायनिक उर्वरकों की खपत को 50 प्रतिशत तक घटाया जा सकता है।

इफको एमडीई सुरेश ने जैव उर्वरक, सागरिका और जल-विलय उर्वरकों के बारे में बताया। उन्होंने किसानों को इफको के संकट हरण बीमा की जानकारी भी दी। एडीसीओ विश्वपाल सिंह ने संतुलित उर्वरक के साथ नैनो उत्पाद अपनाने की अपील की। समिति अध्यक्ष महिपाल सिंह,भाजपा नेता हुकम सिंह, इफको डेलीगेट राजीव कुमार, समिति सचिव अरविंद कुमार सिंह, कमल सिंह, इमरान अली, नरेश शर्मा, विशाल कुमार, ज्योति, भूपेंद्र कुमार, सौरव सहित किसान उपस्थित रहे।

दुकानदार से लाखों की ठगी सात पर रिपोर्ट

अगवानपुर, अमृत विचार: बेटे की शादी का सामान खरीदने में आर्थिक तंगी का हवाला दे प्लाट खरीदने का झांसा देकर दुकानदार से लाखों का सामान ले लिया। रुपये, प्लाट मांगने पर जान से मारने की धमकी दी। पुलिस जांच कर रही है।

सिविल लाइन के प्रकाश एंक्लेव निवासी शुभम की अगवानपुर में कपड़े की दुकान है। मोहल्ला नियरियान निवासी बूंदू, सुहैल, एवं सराय खजूर निवासी तहसीन समेत कई लोग दुकान पर आए और बेटे की शादी बताकर कहा सारा सामान तुम्हीं से खरीदेंगे। कुछ दिन बाद वे फिर आए और कहा कि हम प्लॉट बेचकर शादी कर रहे थे लेकिन प्लाट नहीं बिका। तुम प्लाट खरीद लो। कहा कि 2140 वर्ग मीटर भूमि हैं इसमें से एक प्लाट ले लो जिसका रकबा 350 वर्गमीटर है। इसकी दर 15000 रुपए वर्ग मीटर है। अगर फायदा न हो तो छह माह बाद दस लाख का फायदा मुझसे ले लेना। दुकानदार बातों में आ गया और अलग-अलग तारीख में 35 लाख रुपए दे दिए। छह माह बाद फायदे के पैसे मांगे तो 45 लाख का चेक देकर कहा एक माह बाद पैसों की अदायगी हो जाएगी। एक माह बाद पैसों किए लिए कहा तो गाड़ी की आरसी देकर कहा ये गाड़ी भी तुम्हें दे देंगे, एक माह ओर रुक जाओ। शुभम ने बताया कि एक माह बाद फिर पैसों के लिए बोला तो आरोपियों ने दुकान पर आकार सीने पर तमंचा रख धमकी दी। बाद में पता चला की धोखाधड़ी की गई। उसकी तहरीर पर पुलिस ने सात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

विश्व ओजोन दिवस पर लिया संकल्प

संवाददाता, ठाकुरद्वारा

अमृत विचार : विश्व ओजोन दिवस के अवसर पर प्राथमिक विद्यालय फरखपुर और उच्च प्राथमिक विद्यालय अब्दुल्लापुर लेदा में विद्यार्थियों के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बच्चों को ओजोन परत और पर्यावरण संरक्षण के महत्व के प्रति जागरूक करना था।

प्राथमिक विद्यालय फरखपुर में आयोजित कार्यक्रम में इको क्लब के सदस्यों द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छता का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाध्यापिका बबीता रानी,स्टाफ

कार्यक्रम प्रस्तुत करते छात्र-छात्राएं।

के अलावा प्रतीक, रतिका, मानवी, सुरभि, कनक, शिवानी, दीक्षा आदि विद्यार्थियों ने सक्रिय भागीदारी दिखाई। वहीं, उच्च प्राथमिक विद्यालय अब्दुल्लापुर लेदा में बच्चों को बताया गया कि सूर्य की हानिकारक अल्ट्रावायलेट किरणों से ओजोन परत हमारी पृथ्वी की रक्षा करती है, लेकिन फैक्ट्री से निकलने वाला धुआं तथा फ्रिज और एसी से निकलने वाली क्लोरोफ्लोरोकार्बन गैस ओजोन परत को नुकसान पहुंचाती है। बच्चों ने पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिए वृक्षारोपण और स्वच्छता का संकल्प लिया। महक, अवनि, अलशिफा हुसैन, अरसुमा और फरदीन ने सक्रिय रूप से भाग लिया। ग्राम पंचायत द्वारा भी पर्यावरण संरक्षण के प्रति संकल्प लिया गया और सभी ने मिलकर पर्यावरण बचाने के लिए कदम उठाने का आश्वासन दिया।

● **प्राथमिक और उच्च प्राथमिक स्कूलों में कार्यक्रमों का आयोजन**

पब्लिक इंटर कॉलेज में क्रिकेट प्रतियोगिता

कांठ, अमृत विचार: पब्लिक इंटर कॉलेज ऊमरी कला में क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। पब्लिक इंटर कॉलेज, श्रीकृष्ण इंटर कॉलेज पाठंगी और डीएसएम इंटर कॉलेज कांठ की टीमों ने प्रतिभाग किया।आरंभ प्रबंधक रिजवान अहमद एवं प्रधानाचार्य रियासत अली ने किया। जूनियर वर्ग में पब्लिक इंटर कॉलेज ऊमरी कलां ,सीनियर वर्ग में डीएसएम इंटर कॉलेज कांठ की टीम विजयी रही। कुलदीप सिंह, हरिनाथ सिंह, जुल्फिकार अली, डॉ. मोहम्मद फैजान और मुदस्सिर हुसैन सहित कई लोग मौजूद रहे।

आर्थोपेडिक को लेकर व्यापारियों ने दी चेतावनी

संवाददाता, ठाकुरद्वारा

अमृत विचार : सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ठाकुरद्वारा में आर्थोपेडिक की तैनाती न होने से मरीजों को परेशानी उठानी पड़ती है। अब व्यापारी संगठनों ने आंदोलन की चेतावनी दे डाली है।

नगर के राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मे आर्थोपेडिक वसीम अहमद को जिला मुख्यालय भेज दिया गया था। तभी से कोई नियुक्ति नहीं हुई। जिला मुख्यालय तक पहुंचने में घंटों लग जाते हैं, जिससे कई बार मरीज की जान पर बन आती है। वहीं, काशीपुर नजदीक होने के बावजूद वहां का इलाज गरीब मरीजों की पहुंच से बाहर है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के पूर्व तहसील प्रमुख एवं व्यापारी पंकज गुप्ता की शिकायत पर मुख्य चिकित्साधिकारी कुलदीप सिंह ने वादा किया था कि 15 दिन के भीतर तहसील मुख्यालय पर सप्ताह में 2 दिन आर्थोपेडिक की सेवा उपलब्ध करा दी जाएगी। लेकिन एक माह बीत जाने के बाद भी आश्वासन हवा-हवाई साबित हुआ। व्यापार मंडल अध्यक्ष नरेंद्र पाल सिंह ने कहा कि यदि शीघ्र ही आर्थोपेडिक्स की नियुक्ति नहीं हुई तो व्यापारी वर्ग आंदोलन करने को विवश होगा।

एसएसपी सतपाल अंतिल ने किया भोजपुर थाने का निरीक्षण

अभिलेखों का निरीक्षण करते एसएसपी सतपाल अंतिल।

संवाददाता, भोजपुर

अमृत विचार : वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल ने सोमवार की देर रात थाने का निरीक्षण कर रजिस्टरों की जांच की। मुकदमों में वांछित चल रहे अपराधियों को गिरफ्तार करने के निर्देश दिए।

एसएसपी ने निरीक्षण के दौरान जनसुनवाई,अपराध, त्योहार आदि रजिस्टरों की गहनता से जांच पड़ताल की। उन्होंने अभिलेखों को समय से पूरा करने, गैंगस्टर एक्ट,एच एस,गुंडा एक्ट में त्वरित कार्रवाई करने को कहा।इस दौरान उन्होंने थाने में लगे सीसीटीएनएस शाखा, सीसीटीवी कैमरों की व्यवस्था, महिला हेल्प लाइन डेस्क,मालिकाना,बंदी गृह, आरक्षियों के रहने की बैरक, भोजनालय,आर ओ वाटर की स्थिति, थाना परिसर की सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया।

एसएसपी ने प्रभारी निरीक्षक शरद मलिक को, थाने में लगने वाले समाधान दिवस, तहसील दिवस में फरियादियों द्वारा दी गई शिकायतों का गंभीरता से निस्तारण करने, हिस्ट्रीशिटरों की कड़ी निगरानी रखने पैंडिंग विवेचनाओं का शीघ्र निराकरण करने, अदालतों में चल रहे वादों की पैरवी कर अपराधियों को सजा दिलाने के निर्देश दिए।

अमृत विचार
मुरादाबाद, बुधवार, 17 सितंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

एसडीएम ने खनन से भरा डंपर पकड़ा

मिलक, अमृत विचार : अवैध खनन और ओवरलोडिंग पर कार्रवाई करते हुए एसडीएम ने देर रात डंपर को पकड़ कर सीज कर दिया। सोमवार देर रात खनन और ओवरलोडिंग वाहनों के आवागमन पर रोक लगाने के लिए एसडीएम आनंद कुमार कनौजिया ने मार्ग से होकर गुजर रहे डंपर को रोक कर कागज चेक किए। एसडीएम के मुताबिक डंपर ओवरलोड था। कागज भी पूरे नहीं थे, जिसके चलते उसे पकड़ कर मंडी में खड़ा करा दिया।

क्वालिटी बार मामले में 3 अक्टूबर को सुनवाई

रामपुर, अमृत विचार : क्वालिटी बार में घुसकर लूटपाट करने के मामले में मंगलवार को सुनवाई नहीं हो सकी। अब इस मामले में 3 अक्टूबर को सुनवाई होगी। सिविल लाइंस स्थित क्वालिटी बार में घुसकर लूटपाट कर दी थी। जिसमें सपा नेता आजम खां सहित कई लोगों को आरोपी बनाया गया था। मंगलवार को वादी एमपी-एमएलए मजिस्ट्रेट कोर्ट पहुंचा। लेकिन गवाही नहीं हो सकी।

डंपर की चपेट में आने से बच्ची जख्मी

मसवासी, अमृत विचार : चरन जीत सिंह निवासी काशीपुर अपनी बेटी जयनूर कौर के साथ बाइक से अपने घर सुल्तानपुर पट्टी से करीमपुर आ रहा था। पीछे से आ रहे रेत से भरे डंपर ने बाइक को अपनी चपेट में ले लिया। जिससे बाइक गिर गई। हादसे में पीछे बैठी बच्ची चोटिल हो गई। इससे काफी देर तक जाम की स्थित बनी रही। वाहनों की दोनों तरफ लंबी कतार लग गई। चालक डंपर छोड़कर फरार हो गया। चौकी इंचार्ज अजय शुक्ला मौके पर पहुंचे। पुलिस ने काफी मशक्कत के बाद जाम खुलवाया। ग्रामीणों ने हादसे के विरोध में हंगामा किया।

बीएसए ने शिक्षिका को किया सम्मानित

रामपुर, अमृत विचार : शाहबाद क्षेत्र के कंपोजिट विद्यालय सोहना में तैनात ऋचा शर्मा को लखनऊ में पांच सितंबर को राज्य पुरस्कार से सम्मानित किया था। मंगलवार को वह जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी से मिलीं। जिला बेसिक अधिकारी कल्पना देवी द्वारा प्रमाण पत्र देकर सम्मानित ऋचा शर्मा को सम्मानित किया। रवेंद्र गंगवार ने कहा कंपोजिट विद्यालय सोहना अच्छे विद्यालयों की श्रेणी में आता है। डॉ. वसीम, विकास खंडेलवाल ने बधाई दी।

पसियापुरा गुरुद्वारा प्रकरण में 16 लोगों पर रिपोर्ट दर्ज

बिलासपुर थाना क्षेत्र का मामला, तनावपूर्ण स्थिति

संवाददाता, बिलासपुर

पसियापुरा में मौके पर तैनात पुलिस बल। ● अमृत विचार

अमृत विचार : पसियापुरा गुरुद्वारा प्रकरण में 15 नामजद व 1 अज्ञात सहित कुल 16 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार भी किया है। उसके कब्जे से दो लाइसेंसी राइफल, कारतूस, खोखे बरामद किए हैं। गुरुद्वारे में सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस बल तैनात हैं।

तहसील क्षेत्र के पसियापुरा गांव स्थित शहीद बाबा दीप सिंह गुरुद्वारे के स्वामित्व को लेकर हजारा सिंह पक्ष और नवाबगंज पक्ष के बीच लगभग तीन वर्षों से विवाद चला आ रहा है। सोमवार को हजारा सिंह पक्ष द्वारा गुरुद्वारा पहुंचकर कब्जा कर लिया गया। इससे नवाबगंज पक्ष में रोष व्याप्त हो गया। साथ ही दोनों ही पक्ष आमने-सामने आ गए। इस दौरान हजारा सिंह पक्ष की और से फायरिंग और दूसरे पक्ष की ओर से पथराव कर दिया गया। सूचना पर पहुंचे जिलाधिकारी जोगिंदर सिंह व पुलिस अधीक्षक विद्यासागर मिश्र ने दोनों पक्षों के लोगों से वार्ता कर समझाने का प्रयास किया। उधर, गुरुद्वारे के मुख्य ग्रंथी राम सिंह ने एसपी को प्रार्थना पत्र देकर मारपीट व फायरिंग करने का आरोप लगा हजारा सिंह पक्ष के 15 नामजद सहित 16 लोगों के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत कराया था। मंगलवार को प्रभारी निरीक्षक बलवान सिंह ने बताया कि पुलिस ने सतेंद्र सिंह, जितेंद्र सिंह, परमजीत सिंह, सतकरतार सिंह, गुरमुख सिंह, अजीत सिंह, बंटी गांधी, जसपाल सिंह, पलविंदर सिंह, जितेंद्र सिंह, गुरजीत सिंह, लक्खा सिंह, सुखदेव सिंह, गुरेंद्र सिंह औलख, राजा सिंह आदि 15 नामजद व 1 अज्ञात सहित कुल 16 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज गया है। जिसमें फायरिंग करने वाले राजा सिंह को दो लाइसेंसी राइफल, जिंदा कारतूस, खोखो सहित गिरफ्तार कर लिया है। मामले की विवेचना की जा रही जिसके आधार पर अग्रिम कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

पिटाई के वीडियो वायरल मामले में तीन पर रिपोर्ट

स्वार, अमृत विचार : दलित युवक की पिटाई का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद आखिरकार 5 दिन के बाद पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है। शुक्रवार को स्वार-रामपुर मार्ग स्थित साप्ताहिक बाजार में एक युवक को तीन लोग के सरेराह पीटने का वीडियो वायरल हुआ था।

वीडियो में मौके पर लोगों की भीड़ भी दिखाई दे रही है। लेकिन कोई भी आरोपियों से दलित युवक को नहीं बचा रहा। जांच में पता चला कि मारने वाले लोगों का स्वार में कपड़े का दशमेश क्लाथ हाउस के नाम से शोरूम है। जिस युवक को पीटा जा रहा है वह शोरूम पर मधुपुरी निवासी उमेश सेल्समैन का काम करता था। सेल्समैन युवक का आरोप है कि छह माह से उसका वेतन नहीं दिया था। मंगलवार को पुलिस अधीक्षक के आदेश पर पुलिस ने पांच दिन बाद मधुपुरी निवासी उमेश की ओर से दशमेश क्लॉथ हाउस के मालिक रमनदीप सिंह उर्फ जेके, करन सिंह, गगनदीप सिंह के खिलाफ एससी एक्ट, मारपीट सहित कई धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। पीड़ित को मेडिकल के लिए भेजा है। कोतवाल प्रदीप मलिक ने बताया तीन आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

रामीलाला के उद्घाटन पर पूजा करते आयोजक।

श्रीराम का आदर्श हमें सत्य की प्रेरणा देता है : डीएम

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : मंगलवार को कोसी मार्ग स्थित उत्सव पैलेस में श्री राम महोत्सव का आरंभ जिलाधिकारी जोगिंदर सिंह और पुलिस अधीक्षक विद्या सागर मिश्र ने फीता काटकर किया। जिलाधिकारी जोगिंदर सिंह ने कहा कि श्री राम का आदर्श हमें सत्य, सेवा और समर्पण की प्रेरणा देता है।

उन्होंने बताया कि श्रीराम महोत्सव केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि समाज को एकजुट करने का माध्यम है। समारोह की शुरुआत रामलीला कमेटी के पदाधिकारियों द्वारा अतिथियों का का स्वागत करके हुई। पुलिस अधीक्षक विद्या सागर मिश्र ने कहा कि हमारे लिए यह गर्व की बात है कि रामपुर में श्रद्धा और भक्ति का उत्सव धूमधाम से मनाया जा रहा है। श्री राम की शिक्षाएं समाज में शांति और सौहार्द का संदेश देती हैं। समारोह के समापन पर श्री सनातन रामलीला कमेटी के अध्यक्ष विष्णु शरण अग्रवाल और महामंत्री वीरेंद्र कुमार गर्ग ने दोनों अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान सुनील कुमार गोयल सोनी ताऊ, हरीश चंद्र अग्रवाल ठेकेदार, सुभाष चंद्र अग्रवाल, ईश्वर सरन अग्रवाल, विनोद कुमार गुप्ता ठेकेदार, वेद प्रकाश वर्मा, अरविंद कुमार अग्रवाल, मनोज कुमार अग्रवाल मौजूद रहे।

हिंदी साहित्यकारों के चित्र प्रतियोगिता में खुशी प्रथम

रामपुर, अमृत विचार : राजकीय रजा स्नातकोत्तर महाविद्यालय में हिंदी सप्ताह के तहत हिंदी साहित्यकारों के पोट्रेट विषय पर प्रतियोगिता हुई। जिसका उद्घाटन महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. जागृति मदान धींगड़ा ने सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर रही खुशी कश्यप, द्वितीय स्थान पर कोमल गुप्ता एवं सानिया श्रीवास्तव तृतीय स्थान पर रहीं।

हिंदी साहित्यकारों का चित्र विषय पर पोस्टर पेंटिंग प्रतियोगिता का संयोजन हिंदी विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. राजेश कुमार, डॉ. राजीव पाल, डॉ. अब्दुल लतीफ ने किया। प्रतियोगिता में खुशी, एरीना खान, सानिया श्रीवास्तव, एलिजा बी, मानसी, कविता सैनी, शिवकुमार आदि छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। निर्णायकों में प्रोफेसर सीमा तेवतिया एवं डॉ. राजू शामिल रहे। इस अवसर पर प्रोफेसर सीमा तेवतिया ने कहा कि हिंदी हमारी भाषा ही नहीं, हिंदुस्तान के माथे की बिंदी है। संचालन डॉ. राजेश कुमार ने किया। हिंदी विभाग के प्रभारी डॉ. अरुण कुमार ने आभार जताया। हिंदी विभाग के डॉ. अब्दुल लतीफ और डॉ. राजीव पाल रहे।

देहरादून में बादल फटने पर रामपुर में भी अलर्ट

रामपुर, अमृत विचार : देहरादून, ऋषिकेश और मसूरी में बादल फटने से तबाही मच गई है, कई लोग पानी में बह गए। रामगंगा के जल स्तर पर सभी की नजरें टिकी हुई हैं। रामपुर में अलर्ट जारी कर दिया गया है। क्योंकि कालागढ़ बांध के अलावा खो नदी के रामगंगा में मिलने के बाद नहर खंड के अधिकारी रामगंगा का जल स्तर बढ़ने की अधिकारी संभावना जता रहे हैं।

देहरादून में मंगलवार को भारी बारिश हुई। सहस्त्रधारा क्षेत्र में सोमवार देर रात बादल फटने से तबाही हुई है। बारिश से नदियों का जलस्तर बढ़ने के मद्देनजर रामपुर में भी अलर्ट जारी कर दिया गया है। नहर खंड के अवर अभियंता जितेंद्र कुमार ने बताया कि कालागढ़ डैम और खो नदी का पानी रामगंगा नदी के जलस्तर को बढ़ा सकता है। रामगंगा नदी तहसील शाहबाद से होकर गुजरती है। बाढ़ चौकियों को अलर्ट कर दिया गया है।

आजम ने किया था प्रधानमंत्री का अपमान, विधायक ने दी गवाही

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : लोकसभा चुनाव के दौरान सपा नेता आजम खां द्वारा दिए गए भड़काऊ भाषण के मामले में सुनवाई तेज हो गई है। शहर विधायक आकाश सक्सेना ने गवाही दी है। उन्होंने कोर्ट में कहा है कि आजम खां ने भड़काऊ भाषण देकर देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और तत्कालीन अधिकारियों को अपमानित किया था।

मामला टांडा थाना क्षेत्र का है। 2019 में लोकसभा चुनाव के दौरान आजम खां सपा-बसपा गठबंधन के संयुक्त प्रत्याशी थे। चुनाव प्रचार के दौरान आजम खां टांडा जीआईसी में जनसभा को संबोधित किया था। आरोप है कि भाषण में आजम खां ने कहा था कि संवैधानिक कुर्सियों पर बैठे हुए लोग मुजरिम हैं। एक दिन के सजायाफ्ता कल्याण सिंह को गवर्नर बना दिया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मुसलमानों का कातिल और धर्म का ठेकेदार बताया। आजम खां ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को लेकर भी अपशब्द बोले थे। तत्कालीन प्रशासनिक अधिकारियों के खिलाफ भी अपमानजनक शब्दों का प्रयोग किया था। तत्कालीन उड़नदस्ता प्रभारी पवन कुमार ने टांडा थाने में मुकदमा दर्ज कराया था। जिसके बाद पुलिस ने कोर्ट में चार्जशीट दाखिल कर दी। अब इस मामले की सुनवाई एमपी-एमएलए कोर्ट में चल रही है। वादी मुकदमा की गवाही के बाद मंगलवार को शहर विधायक आकाश सक्सेना ने कोर्ट में गवाही दी। सहायक शासकीय अधिवक्ता संदीप सक्सेना ने बताया आजम खां ने भड़काऊ भाषड़ में प्रयोग किए गए शब्दों के आधार पर टांडा थाने में प्रार्थना पत्र दिया था।

चीनी मिल के लिए 45.80 करोड़ का प्रस्ताव पारित

रामपुर, अमृत विचार : कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक की अध्यक्षता में बिलासपुर रुद्र-बिलास किसान सहकारी चीनी मिल्स लिमिटेड के प्रबंध कमेटी की बैठक हुई। डीएम ने 2025-26 में गन्ना मूल्य भुगतान, प्लांट के मरम्मत, रख-रखाव, वेतन, यातायात आदि खर्च के लिए 45.80 करोड़ रुपये की स्वीकृति के लिए प्रस्ताव पारित किया।

जिला सहकारी बैंक रामपुर से 40 करोड़ रुपये तथा उप्र सहकारी बैंक लिमिटेड से 5.80 करोड़ रुपये की कैश क्रेडिट लिमिट की स्वीकृति के लिए प्रस्ताव पारित किया। वित्तीय 24-25 में स्वीकृत बजट के सापेक्ष व्ययों की समीक्षा तथा वित्तीय वर्ष 25-26 के लिए बजट स्वीकृत किया।

शिक्षकों ने दी दिल्ली जाने की चेतावनी

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिनेश चंद्र शर्मा के आह्वान पर जिलाध्यक्ष प्रेम सिंह चौहान के नेतृत्व में मंगलवार को शिक्षकों ने टीईटी अनिवार्यता के खिलाफ कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन किया। शिक्षकों ने प्रशासनिक अधिकारी को प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपा। शिक्षकों ने चेतावनी दी कि मामले में जल्द सुनवाई नहीं हुई तो वो दिल्ली का रुख करेंगे।

ज्ञापन में शिक्षकों ने बताया कि कुछ दिनों पहले सुप्रीम कोर्ट ने पुराने शिक्षकों के लिए टीईटी अनिवार्य कर दी है। 25 अगस्त 2010 एवं 29 जुलाई 2011 से पूर्व सेवारत को टीईटी की अनिवार्यता से मुक्ति के उपस्थित शिक्षकों में आरटीई एक्ट लागू होने की तिथि से पूर्व के शिक्षकों पर टीईटी थोपने जैसे अन्याय पूर्ण फैसले से व्यथित होकर बुंदेलखंड में अब तक 2 शिक्षकों द्वारा आत्महत्या करने पर रोष देखने को मिला। यदि इसके बाद भी भारत सरकार ने टेट प्रकरण पर कार्रवाई नहीं की तो दिल्ली में आंदोलन किया जाएगा। शिक्षक लगातार टीईटी हटाने को लेकर विरोध कर रहे हैं। पेंशनर एसोसिएशन, माध्यमिक शिक्षक संघ, रसोइया संघ, ग्राम प्रधान संघ आदि ने समर्थन दिया।

कई संगठन कर रहे विरोध

टीईटी अनिवार्यता के विरोध में रामपुर जिले में शिक्षकों का प्रदर्शन जारी है। पिछले एक सप्ताह में चार संगठन विरोध कर रहे हैं। राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ, उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ व एक अन्य संगठन और उत्तर प्रदेशीय जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ के नेतृत्व में लगातार प्रदर्शन हो रहे हैं। प्राथमिक शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष प्रेम सिंह चौहान, चरन सिंह, मोहम्मद सईद सागर, डॉ. सरफराज अहमद, अमित सैनी, सईदुज्जफर रहमानी, इंद्रेश कुमार, मोहम्मद तनवीर, रहमत अली, संजय सिंह, तरुण पांडे, गुरप्रीत सिंह, अहसान खान, निदा खुशनुद, आसमा परवीन, नरेंद्र पाल सिंह, तरुण उपाध्याय, संजय सिंह, अमर पाल सिंह यादव, वीर सिंह, धन सिंह, इशरत अली मौजूद रहे।

न्यूज डायरी

स्पेल बी व श्रुतलेख प्रतियोगिता में अल्तिशा प्रथम

रामपुर, अमृत विचार : जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान के प्राचार्य अशोक कुमार के आदेशानुसार प्रतियोगिता सैदनगर ब्लॉक के सभी विद्यालयों में 4 सितंबर से 8 सितंबर 25 तक कराई गई थी, जो बच्चे विद्यालय स्तर की प्रतियोगिता में प्रथम और द्वितीय आए थे। उन बच्चों की विकास खंड स्तर पर प्रतियोगिता 16 सितंबर को बीआरसी खौद पर कराई। सैदनगर ब्लॉक में प्रथम आई छात्रा 18 सितंबर को जनपद स्तर पर होने वाली स्पेल बी प्रतियोगिता एवं श्रुतलेख प्रतियोगिता में भाग लेगी। कक्षा 8 की छात्रा अल्तिशा की इस उपलब्धि पर सैदनगर के खंड शिक्षा अधिकारी सुनील कुमार सक्सेना ने छात्रा को पुरस्कृत किया। छात्रा को 18 सितंबर को जनपद स्तर की प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं दीं।

जमीन हड़पने का आरोपी पकड़ा

सैदनगर, अमृत विचार : अजीमनगर पुलिस ने फर्जी दस्तावेजों से विधवा की जमीन हड़पने वाले दूसरे आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। मामला थाना क्षेत्र के खिजरपुर गांव का है। गांव निवासी विधवा महिला का आरोप था कुछ दिन पूर्व उसके पति की मौत हो गई थी। विधवा के ससुराल वालों ने फर्जी दस्तावेज बनवाकर जमीन को अपने नाम कर लिया था। विधवा को जब मालूम हुआ तो उसके होश उड़ गए। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया था। मंगलवार को चौकी इंचार्ज उत्तम कुमार को सूचना मिली आरोपी गांव में आया हुआ है। सूचना मिलते ही पुलिस ने दूसरे आरोपी साजिद अली को गिरफ्तार कर लिया। एक आरोपी को पुलिस पहले ही जेल भेज चुकी है।

ई बीएलओ ऐप पर दर्ज करें उपस्थिति

रामपुर, अमृत विचार : अपर जिलाधिकारी प्रशासन डॉ. नितिन मदान की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचक नामावली वृहद पुनरीक्षण 2025 के संबंध में बैठक हुई। अपर जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि ऑनलाइन आवेदनों का प्रतिदिन परिवर्धन, संशोधन एवं विलोपन तय किया जाए। प्रत्येक बीएलओ की उपस्थिति ई-बीएलओ ऐप पर दर्ज होनी चाहिए। आवेदनों का डाटा समयबद्ध तरीके से आयोग के पोर्टल पर फीड किया जाए। निर्देश दिए कि मतदाता सूची में पाए डुप्लिकेट नामों का शत-प्रतिशत सत्यापन कर केवल वास्तविक मतदाताओं को रखा जाए। ऐसे नामों को नियमानुसार विलोपित करते हुए डी-डुप्लीकेशन की कार्रवाई की जाए। बैठक में अपर जिलाधिकारी ने कहा कि नामावली पुनरीक्षण कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी। सभी अधिकारी एवं कर्मचारी निर्धारित समयसीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से कार्य करना तय करें। ताकि आगामी पंचायत निर्वाचन के लिए शुद्ध एवं त्रुटिरहित निर्वाचक नामावली तैयार हो सके। इस अवसर पर समस्त उपजिलाधिकारी, खंड विकास अधिकारी एवं एडीओ पंचायत सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

हिंदी संप्रेषण का माध्यम ही नहीं, एकता की भी प्रतीक : डॉ. पुष्कर

रामपुर, अमृत विचार : हिंदी पखवाड़ा के दौरान रजा लाइब्रेरी में विशेष प्रदर्शनी का उद्घाटन हुआ। प्रदर्शनी का उद्घाटन लाइब्रेरी के निदेशक डॉ. पुष्कर मिश्र ने किया। निदेशक ने कहा कि हिंदी केवल संप्रेषण का माध्यम नहीं बल्कि, भारतीय संस्कृति एवं एकता की प्रतीक है। लाइब्रेरी में आयोजित कार्यक्रम में निदेशक ने कहा कि रजा लाइब्रेरी ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय लखनऊ से समझौता करने जा रही है। उन्होंने कहा कि पूरी पृथ्वी पर हिंदी का कोई सानी नहीं है।

खान निरीक्षक ने चार पर कराई रिपोर्ट

स्वार, अमृत विचार : अवैध खनन सामग्री से भरे वाहनों का पीछा करते समय फील्डरों ने खान निरीक्षक से गाली-गलौज की थी। पुलिस ने खान निरीक्षक की ओर से सरकारी कार्य में बाधा डालने समेत संबंधित धाराओं में चार लोगों को नामजद और सात अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। खान निरीक्षक अजय कुमार की ओर से पुलिस ने उत्तराखंड के थाना गदरपुर इस्लाम नगर निवासी मोहम्मद यामीन, थाना टांडा के गांव सोनकपुर निवासी नासिर, सरफराज, लालू उर्फ रियाज के खिलाफ सरकारी कार्य में बाधा डालने समेत संबंधित धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की है। कोतवाल प्रदीप मलिक ने बताया कि चार आरोपियों पर सरकारी कार्य में बाधा डालने की रिपोर्ट दर्ज की गई है।

शिक्षण शास्त्र प्रतियोगिता में शमीम खान प्रथम

रामपुर, अमृत विचार : राजकीय जुल्फिकार बालिका इंटर कॉलेज में मंगलवार को समृद्धि 2025 कला समेकित शिक्षण शास्त्र प्रतियोगिता हुई। इसमें प्रवक्ता शमीम खान प्रथम रहीं। कॉलेज प्रधानाचार्य डॉ. शालू कौशल ने कहा कि इससे छात्र-छात्राओं में शिक्षण का प्रभाव पड़ेगा। प्रतियोगिता में राजकीय खुर्शीद कन्या इंटर कॉलेज, राजकीय इंटर कॉलेज टांडा बादली, नेहरू नगर पालिका इंटर कॉलेज, राजकीय हाई स्कूल चमरौआ आदि शिक्षकों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता के निर्णायकों में एसोसिएट प्रोफेसर राजकीय रजा पीजी कॉलेज विजय कुमार राय, डायट प्रवक्ता श्याम और राजकीय इंटर कॉलेज मानपुर बंजरिया के प्रधानाचार्य शरद कुमार सागर रहे।

सहायक लेखाकार को बनाया चतुर्थ श्रेणी कर्मी

रामपुर, अमृत विचार : बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय के लेखा अनुभाग में कार्यरत सहायक लेखाकार की दो पदोन्नति निरस्त करते हुए उसे फिर से चपरासी के पद पर तैनात किया है।

बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय के वित्त एवं लेखाधिकारी कार्यालय में तैनात कार्मिक नेगपाल सिंह ने सहायक लेखाकार के पद पर कार्यरत रहते हुए अपनी पत्नी ज्ञानेश्वरी सिंह को शिक्षिका के पद पर नियुक्ति कराई थी। शिक्षक संघ के जिला मंत्री आनंद प्रकाश गुप्ता द्वारा जिलाधिकारी से फर्जी नियुक्ति की शिकायत की गई थी। जांच रिपोर्ट के आधार पर नेगपाल सिंह को निलंबित करने की संस्तुति की। वित्त एवं लेखा अधिकारी विकास खंडेलवाल ने नेगपाल सिंह की दोनों पदोन्नति निरस्त कर उसे मूल पद चतुर्थ वर्ग कर्मचारी के पद पर रिवर्ट कर दिया है। अब आरोपी से अतिरिक्त वेतन की वसूली भी की जाएगी।

जिला अस्पताल पहुंचे 8 डेंगू आशंकित मरीज

रामपुर, अमृत विचार : मंगलवार को जिला अस्पताल में 8 डेंगू आशंकित मरीज पहुंचे। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. बीसी सक्सेना ने बताया कि डेंगू मरीजों के लिए अलग वार्ड बनवाया गया है।

उन्होंने बताया कि डेंगू के मरीजों की जांच रिपोर्ट बुधवार को आएगी। यदि मरीज डेंगू पॉजिटिव आते हैं तब उनको वार्ड में भर्ती कर इलाज शुरू कराया जाएगा। कहा कि लोग डेंगू के मच्छरों से सतर्क रहें। उन्होंने बताया कि डेंगू बुखार वायरल बीमारी है जो मुख्य रूप से संक्रमित एडीज मच्छरों के काटने से होती है। जब कोई संक्रमित मच्छर काटता है, तो वायरस आपके शरीर में, विशेष रूप से रक्त में प्रवेश करता है। डेंगू से बचाव के लिए घर के आस-पास रुके हुए पानी को हटाएं, जैसे गमले, कूलर और टायरों में पानी साफ कर दें। मच्छरों के काटने से बचने के लिए पूरी आस्तीन के कपड़े पहनें।

न्यूज ब्रीफ

युवती को सिर पर ईंट मारकर किया घायल

मनोटा, अमृत विचार : ऐचौड़ा कबोंह थाना क्षेत्र के गांव सकतपुर में कुमारी सावित्री पुत्री राजपाल अपनी मां संतोष देवी के साथ मौसी सुखी देवी के घर गई थी। वहां पहले से मौजूद जोगिंदर व उसकी पत्नी अंजली देवी ने गालियां देना शुरू कर दिया। विरोध करने पर सावित्री के साथ मारपीट की और सिर पर ईंट मार दी। ईंट लगते ही युवती के सिर से खून बहने लगा। थाना अध्यक्ष मोहित कुमार काजला ने बताया कि घायल युवती को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया है।

सब्जी व्यापारी से 13 हजार रुपये लूटे

बबराला, अमृत विचार : गुन्नौर के मोहल्ला इटाली निवासी व्यापारी जुबैर ने पुलिस को तहरीर दी कि वह मंगलवार सुबह करीब 5 बजे अलीगढ़ जिले के अतरौली स्थित सब्जी मंडी जाने के लिए निकला था। रास्ते में अपने दोस्त से मिलने वह तार मोहल्ला जा रहा था, तभी तीन अज्ञात युवकों ने मारपीट करजेब से करीब 13 हजार रुपये छीन लिए। विरोध करने पर उसके कपड़े भी फाड़ दिए। प्रभारी निरीक्षक अखिलेश प्रधान का कहना है किजांच कराई जा रही है।

रामभद्राचार्य का बयान नजरदांज करें: बर्क

संभल, अमृत विचार : संत रामभद्राचार्य के वेस्ट यूपी मिनी पाकिस्तान वाले बयान पर सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क ने कहा कि ऐसे लोगों की बातों को नजरअंदाज करना चाहिए। यह कहना मुश्किल है कि यह उनका निजी बयान है या किसी विशेष पार्टी द्वारा दिलवाया गया है। चुनाव करीब आते हैं तो इस प्रकार की बयानबाजी बढ़ जाती है। ताकि धर्म के नाम पर राजनीतिक लाभ लिया जा सके। बर्क ने कहा कि यह कहना कि भाजपा सरकार में ही हिंदू सुरक्षित हैं, पूरी तरह से भ्रामक है। समाजवादी पार्टी की सरकार में भी हिन्दू और मुस्लिम दोनों समाज सुरक्षित थे। लेकिन तथ्यों को तोड़-मरोड़कर पेश कर लोगों के बीच भ्रम फैलाया जा रहा है।

सड़क हादसे में बाइक सवार की मौत

संभल/मनोटा, अमृत विचार : संभल के आलम सराय निवासी पाराशर गुप्ता संभल से मातीपुर की ओर जा रहे थे। दुल्हापुर बंद उर्फ दारापुर चौराहे पर सामने से आ रही बाइक से उनकी बाइक की जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में पाराशर गुप्ता की मौत हो गई। परिजनों ने शुरू में पोस्टमार्टम से इनकार कर दिया, लेकिन समझाने पर राजी हो गए। पति की मौत से पत्नी रागिनी गुप्ता का रो-रोकर बुरा हाल था। मृतक का एक बेटा है, जो बाहर रहकर पढ़ाई कर रहा है। पुलिस ने दोनों बाइकों को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

शिक्षकों ने टीईटी के विरोध में किया प्रदर्शन

बहजोई, अमृत विचार : शिक्षकों ने शिक्षक पात्रता परीक्षा की अनिवार्यता के विरोध में शिक्षकों ने जमकर नारेबाजी करते हुए किया प्रदर्शन। प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन डिप्टी कलेक्टर को सौंपा। शिक्षकों ने कहा कि सरकार इस फैसले को वापस ले और शिक्षकों को शिक्षक पात्रता परीक्षा देने से समाप्त किया जाए। इस दौरान जिलाध्यक्ष अंजीव श्रोत्रिय, जिला मंत्री मोहम्मद रईस, मुकेश गोयल, देवेश प्रताप सिंह, पंकज शर्मा, नितिन चौधरी, पूनम भारती, सुभाष यादव, बृज किशोर यादव, अनिल शर्मा, दुर्वेश कुमार यादव, प्रतिमा गोस्वामी, सतीश यादव, अभिषेक गुप्ता, सतपाल, राजेश, सुरेश महेंद्र, अतुल शंकर चौधरी आदि मौजूद रहे।

जिले में 35 अस्पतालों पर छापेमारी, कई हिरासत में

पहले से मुकदमे लिखे तथा सील किए गए अस्पताल टीम को चलते मिले, पुलिस व स्वास्थ्य विभाग ने की छापामार कार्रवाई

कार्यालय संवाददाता, संभल/बहजोई

अमृत विचार: मुकदमा दर्ज कराने के बाद स्वास्थ्य विभाग द्वारा सील करने के बावजूद संचालित व अन्य अवैध अस्पतालों के खिलाफ कार्रवाई के लिए मंगलवार को स्वास्थ्य विभाग व पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए छापेमारी की। चिन्हित किए गए 35 में से 32 अस्पतालों और क्लीनिकों पर छापेमारी में सील तोड़कर तमाम अस्पताल संचालित मिले। कार्रवाई की भनक लगने से बिना रजिस्ट्रेशन वाले डॉक्टर अस्पतालों से गायब मिले। इसके अलावा भी भारी अनियमितता पाई गईं। कई लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। बुधवार को इस मामले में बड़ा खुलासा किया जा सकता है।

जनपद में मेडिकल माफियाओं पर शिकंजा कसने को लेकर पुलिस व प्रशासन ने तैयारी कर ली गई थी। जहां एक और गोपनीय यूनिट के तहत स्थानीय अभिसूचना यूनिट और पुलिस से मिली सूचना के आधार पर ऐसे अस्पतालों को चिन्हित किया गया था जो पहले से सील हो चुके थे और उनके खिलाफ मुकदमे लिखे गए थे। लेकिन मेडिकल माफियाओं की साठगांठ से इन अस्पतालों को सील तोड़कर संचालित किया जा रहा था। डीएम व एसपी के निर्देश पर कड़ी कार्रवाई की जिम्मेदारी स्वास्थ्य विभाग और मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में एएसपी दक्षिणी अनुकृति शर्मा को दी गई थी। एएसपी अनुकृति शर्मा, सीओ आलोक कुमार सिद्धू एसओजी टीम के साथ भारी पुलिस बल व स्वास्थ्य विभाग के डिप्टी सीएमओ मनमोहन शर्मा के अलावा पुलिस विभाग की स्वाट टीम के साथ निकले। बहजोई में किलकारी अस्पताल, केजीएन अस्पताल, कादरी अस्पताल, माधुर क्लिनिक व लाइफ केयर सहित 10 अस्पतालों पर छापामार कार्रवाई की गई। जिन पर रजिस्ट्रेशन के नाम वाले चिकित्सक गायब पाए गए। अनट्रेंड कर्मचारी कार्य करते हुए पाए गए। अन्य टीमों ने चंदौसी, बहजोई, संभल, असमोली, गुन्नौर, राजपुरा व धनारी में विभिन्न अवैध अस्पतालों पर छापेमारी की। इस अस्पताल की छापेमारी के दौरान संदिग्ध मिले कुछ संचालकों को पुलिस ने हिरासत में भी लिया गया है। उनसे हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। 35 में से 32 अस्पतालों पर गंभीर अनियमितता पाई गई। जबकि तीन अस्पताल हाल ही में पंजीकृत पाए गए। जिनसे दस्तावेज के साथ पूछताछ की जाएगी। वहीं कुछ छोटे अस्पतालों को चेतावनी दी गई है। सुविधा अधूरी थी वेड कम थे या मानक के अनुसार व्यवस्थाएं नहीं थी। ऐसे अस्पताल भी थे की कार्रवाई के बारे में आए। जहां बाहर से चिकित्सक बुलाकर ऑपरेशन कराए जाते हैं। इस अभियान ने मेडिकल संचालकों में हड़कंप मचा दिया है। अब पुलिस तथा स्वास्थ्य विभाग बड़ी कार्रवाई करने का दावा कर रहा है।

बहजोई के अस्पताल में कार्रवाई के दौरान जानकारी लेतीं एएसपी अनुकृति शर्मा। ● अमृत विचार

कुछ दिन पहले खुद मरीज बनकर पहुंची थीं एएसपी

एएसपी अनुकृति शर्मा अपनी कार्रवाई को लेकर अलग से जानी जाती हैं। वह कुछ दिन पहले केजीएन हॉस्पिटल में खुद मरीज बनकर पहुंची थी। जहां उन्होंने भारी अनियमिताएं देखीं। बताया जा रहा है कि कुछ और अस्पतालों में भी वह मरीज बनकर पहुंची थीं। हालांकि इस दौरान उन्हें किसी ने पहचाना नहीं। इसलिए वह पूरी जानकारी के साथ छापेमार करवाई को लेकर तैयार हुईं। बहजोई में वह खुद ही एक-एक अस्पताल पर कार्रवाई करने पहुंची।

> ऐसे 35 अस्पतालों को चिन्हित किया गया था जिन पर पहले से ही मुकदमे दर्ज थे। स्वास्थ्य विभाग द्वारा उन अस्पतालों को सील किया गया था तो आखिर किन के इशारे पर यह अस्पताल फिर से खुल गए। उनकी पूरी जानकारी की जा रही है। 32 अस्पतालों पर छापे मार कार्रवाई करते हुए व्यवस्थाएं देखी गई हैं। आगे उनके खिलाफ ठोस कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।
>
> – अनुकृति शर्मा, एएसपी, संभल।

स्वास्थ्य शिविर में बड़ी संख्या में पहुंचे मरीज

संभल, अमृत विचार: ऑल इंडिया उलेमा मशाइख बोर्ड व अल अशरफ ट्रस्ट के तत्वावधान में स्वास्थ्य शिविर का उद्घाटन मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. तरुण पाठक ने किया। ऑल इंडिया उलेमा मशाइख बोर्ड के राष्ट्रीय अध्यक्ष सैयद मोहम्मद अशरफ किछौछवी ने कहा कि शिक्षा व तरक्की के साथ स्वास्थ्य पर ध्यान देना जरूरी है। डॉ. सरताज, डॉ. जैद्र वारसी , हकीम राज़ी नसर, डॉ. मोमिन सिराज रज़ा , डॉ. तनुज गोयल , डॉ. समरीन डिरेमा , डॉ. अदनान अनवर सहित कई चिकित्सकों ने सेवाएं दीं। डॉ. रितु सक्सेना व सचिव सक्सेना चैरिटेबल ब्लड बैंक की ओर से रक्तदान शिविर लगाया गया। हिजामा चिकित्सा में ताहिर दारूल शिफा व टीएमयू हॉस्पिटल मुरादाबाद की टीम का योगदान रहा। अध्यक्षता जिलाध्यक्ष कारी सखावत हुसैन अशरफी ने की तथा संचालन उम्मेद एडवोकेट व मुफ्ती गुलफाम रज़ा ने किया। मोहम्मद अज़ीम अशरफी, मुशर्रफ हुसैन, शकील अहमद एडवोकेट, सलमान रागिब, कारी एहसान, फरज़न्द अली वारसी, शाहनवाज़ हुसैन व अन्य मौजूद रहे।

भय का माहौल खत्म करें डीएम, एसपी:विधायक

संभल, अमृत विचार: सत्यव्रत पुलिस चौकी में एटीएस यूनिट और कब्रिस्तान की भूमि पर विवाद को लेकर सपा विधायक इकबाल महमूद ने कहा कि डीएम और एसपी जिले के वातावरण को सुधारने का प्रयास करें।

विधायक ने कहा कि प्रशासन उस भावना को धीरे-धीरे खत्म करें, जिसमें लोगों को लगता है कि आने-जाने पर पाबंदी है। इंतजाम जनता की सुरक्षा के लिए ही हैं। यह सोचकर व्यवस्था नहीं होनी चाहिए कि जनता खासकर मुसलमानों पर दबाव बनाया जा सके। शेरखां सराय में कब्रिस्तान को हटाकर एटीएस कार्यालय बनाने पर विधायक ने कहा कि मुझे नहीं मालूम कि वह भूमि वक्फ है या नहीं, लेकिन कब्रिस्तान या मरघट पर बुलडोजर चलाना अच्छी बात नहीं है। जिनका कब्रिस्तान है, उनकी गलती यह रही कि तहसील में मुकदमा हारने के बाद उन्होंने अपील नहीं की।

अमृत भारत ट्रेन के लिए स्टेशन अधीक्षक का किया स्वागत

स्टेशन अधीक्षक का स्वागत करते व्यापारी। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, संभल/चंदौसी

अमृत विचार: अखिल भारतीय युवा उद्योग व्यापार मंडल के नगर अध्यक्ष अनुज वार्ष्णेय अन्नू के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने अमृतसर के लिए चंदौसी होकर चलर रही अमृत भारत ट्रेन को लेकर खुशी जताई। चंदौसी रेलवे स्टेशन अधीक्षक राजू का फूल-माला पहनाकर स्वागत किया।

नगर अध्यक्ष अनुज वार्ष्णेय अन्नू ने बताया कि व्यापार मंडल पिछले कई वर्षों से अमृतसर के लिए सीधी ट्रेन की मांग करता आ रहा है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में यह ट्रेन केवल साप्ताहिक मंगलवार को ही चल रही है, लेकिन व्यापार मंडल की ओर से मांग की जाएगी कि इस ट्रेन को सप्ताह में कम से कम दो दिन चलाया जाए। उन्होंने कहा कि जल्द कोरोना काल से बंद आगरा कैंट ट्रेन को लेकर भी आंदोलन किया जाएगा।शाह आलम मंसूरी, रितिक वार्ष्णेय, बृजेश वार्ष्णेय, मनोज गुप्ता, नवल सैनी तथा भाजपा नेता शुभम अग्रवाल मौजूद रहे।

बुलेट व ऑटो की भिड़ंत, 3 शिक्षिकाओं समेत 5 घायल

संभल/कैला देवी, अमृत विचार: स्टंटबाजी कर रहा बुलेट सवार ऑटो रिक्शा से टकरा गया। ऑटो में सवार तीन शिक्षिकाएं, चालक और बाइक सवार घायल हो गए। एक शिक्षिका को मुरादाबाद रेफर कर दिया गया।

मंगलवार को पांच शिक्षिकाएं ऑटो से कॉलेज जा रही थीं। ऑटो चालक छोटेलाल ऑटो लेकर सौंधन-अमावती के बीच पहुंचा कि सामने से तेज रफ्तार बुलेट सवार सत्यवीर निवासी रहरा, जनपद अमरोहा ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में शिक्षिकाएं आंचल, खुशी और शिवाक्षी, चालक छोटेलाल और बाइक सवार घायल हो गए। गंभीर घायल शिक्षिका आंचल को मुरादाबाद रेफर किया गया। विद्यालय प्रबंधक ओमकार सिंह, प्रधानाचार्य और अन्य शिक्षक जिला अस्पताल पहुंचे।

किसान से 12 हजार रिश्वत लेते लेखपाल विजिलेंस ने दबोचा

कार्यालय संवाददाता, संभल/रजपुरा

अमृत विचार: किसान से वारिसान दर्ज करने के नाम पर 12 हजार रुपये की रिश्वत ले रहे लेखपाल को विजिलेंस टीम ने रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। लेखपाल की गिरफ्तारी धनारी थाने के गेट से की गई।

संभल के थाना जुनावई क्षेत्र अन्तर्गत गांव लहरा नगला श्याम निवासी सुरेश चंद्र ने मुरादाबाद में भ्रष्टाचार निवारण संगठन कार्यालय पर लेखपाल कृष्णेंद्र कुमार सक्सेना निवासी गवां थाना रजपुरा के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। सुरेश चंद्र ने बताया कि उसकी चाची इमरती देवी की जमीन की विरासत के लिए नायब तहसीलदार के यहां एक वाद दायर कर रखा है उसमें लेखपाल की रिपोर्ट लगनी थी। लेखपाल कृष्णेंद्र कुमार सक्सेना ने कहा कि 12000 हजार रुपए दोगे तभी रिपोर्ट लगाऊंगा। विजीलेंस टीम ने जाल बिछाया।

लेखपाल कृष्णेंद्र कुमार।

● धनारी थाने के गेट के निकट से पकड़ा गया लेखपाल , वारिसान दर्ज करने को मांगी घूस

लेखपाल कृष्णेंद्र कुमार ने मंगलवार को सुरेश चंद्र को 12000 हजार रुपए लेकर गुन्नौर थाने पर बुलाया। सुरेश पैसे लेकर गुन्नौर थाने के पास पहुंचा । वहां लेखपाल कृष्णेंद्र कुमार नजर नहीं आया तो सुरेश ने लेखपाल को फोन किया। उसने कहा कि मैं गुन्नौर नहीं हूं धनारी आ गया। तुम पैसे लेकर धनारी थाने पर आ जाओ। सुरेश धनारी पहुंचा। लेखपाल कृष्णेंद्र कुमार ने धनारी थाने के गेट पर सुरेश की कार में बैठकर 12 हजार की रिश्वत ली वैसे ही विजिलेंस टीम ने उसे दबौच लिया। लेखपाल के पास से रिश्वत के रूप में लिये गये 12 हजार रुपये भी बरामद कर विजीलेंस टीम ने कब्जे में कर लिये। लेखपाल के हाथ धुलवाए गए तो उस पर नोटों पर लगाया गया केमिकल का रंग आ गया। इंस्पेक्टर विजिलेंस मोहम्मद इश्तियाक ने बताया कि 12,000 रुपए की रिश्वत लेते हुए जनपद संभल में थाना धनारी के बाहर से लेखपाल कृष्णेन्द्र कुमार सक्सेना को गिरफ्तार किया गया है। किसान सुरेश चंद्र की शिकायत पर उक्त कार्रवाई की गई है।

सरायतरीन में अवैध बिरयानी होटल किया ध्वस्त

कार्यालय संवाददाता, संभल

अमृत विचार: प्रशासन का बुलडोजर मंगलवार को संभल के सरायतरीन में गरजा। यहां सालों पहले बनाया गया बिरयानी होटल बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया गया। कार्रवाई के दौरान जमकर नोकझोंक हुई।

मंगलवार को विनियमित क्षेत्र व प्रशासन की टीम बुलडोजर लेकर सरायतरीन पहुंची। यहां पुलिस चौकी के निकट पैंठ इतवार इलाके में मुख्य मार्ग के किनारे बने बिरयानी होटल पर बुलडोजर कार्रवाई से पहले होटल मालिक को अपना सामान निकाल लेने के लिए कहा गया तो वह भड़क गया। कहा कि ने यह उनकी दादा लाही जगह है जहां पर वह 50 साल से काबिज़ हैं। अदालतों ने भी उनके ही पक्ष में फैसले दिये हैं। प्रशासनिक अमले ने एसडीएम के आदेश से कार्रवाई का हवाला दिया तो होटल मालिक ने यह कहकर हंगामा किया कि सत्ता के प्रभाव में एसडीएम को गुमराह कर एक्स पार्टी ऑर्डर करा दिया गंया। आरोप लगाया कि उन्हें न तो नोटिस दिया गया और न ही सुना गया। काफी देर तक हंगामे के हालात बने रहे तो मौके पर अतिरिक्त पुलिस बल बुलाया गया। इसके बाद बुलडोजर ने होटल को ध्वस्त कर दिया।

सरायतरीन में लोगों को समझाते नायब तहसीलदार। ● अमृत विचार

● कार्रवाई के दौरान जमकर हुई नोकझोंक, एसडीएम बोले- दिया गया था सुनवाई का मौका

एसडीएम विकास चंद्र ने बताया कि सरायतरीन पेंठ इतवार मोहल्ले में बिना नक्शा पास कराये निर्माण किया गया था, जिसमें होटल संचालित हो रहा था। अवर अभियंता के द्वारा इसमें 12 जुलाई को कार्रवाई की गई थी। धारा 10 के तहत सुनवाई करते हुए दोनों पक्षों को सुना गया। उसके बाद इसमें 1 सितंबर को आदेश पारित किया गया। आदेश में अवैध कब्जे वाले हिस्से से 3 दिन में निर्माण हटाने का समय दिया गया। तय समय समाप्त हो गया लेकिन निर्माण नहीं हटाया गया।

अस्पतालों में छापेमारी से मचा हड़कंप

बबराला , अमृत विचार: पुलिस, और स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त टीम ने मंगलवार को अवैध अस्पतालों पर छापेमारी की। नौ निजी अस्पतालों का निरीक्षण किया।

एसडीएम अवधेश कुमार वर्मा, सीओ दीपक तिवारी, एसीएमओ तथा थाना प्रभारी अखिलेश प्रधान के नेतृत्व में यह अभियान चलाया गया। छापेमारी से पहले सभी अस्पतालों को पुलिस ने घेर लिया गया, ताकि किसी भी संचालक को अस्पताल बंद करने या दस्तावेज छिपाने का मौका न मिल सके। अवैध रूप से चल रहे अस्पतालों के संचालकों को आवश्यक अभिलेख तय समय सीमा में प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए।

रतुपुरा में ट्रांसफार्मर फुंका

असमोली के रतूपुर गांव में प्रदर्शन करते ग्रामीण। ● अमृत विचार

संभल/ओबरी, अमृत विचार: असमोली क्षेत्र के गांव रतुपुरा में 15 दिनों से बिजली आपूर्ति ठप है। गांव में लगे 25 केवीए का ट्रांसफार्मर बार-बार फुंक जाने से उपभोक्ता परेशान हैं। नाराज ग्रामीणों ने मंगलवार को प्रदर्शन कर ट्रांसफार्मर बदलने और उसकी क्षमता बढ़ाने की मांग की।

ग्रामीणों का कहना है कि 15 दिनों से घरों में अंधेरा छाया हुआ है, जिससे बच्चों की पढ़ाई और घरेलू कामकाज बुरी तरह प्रभावित हैं। प्रदर्शन के दौरान वाजिद प्रधान, साबिर हुसैन, मोहम्मद अली, छुट्टन सा, अरशद अली, अली हसन, राशिद अली, महफूज अली, नबी हसन, कामिल अली, अकरम अली, एहसान व समसुल समेत अनेक लोग मौजूद रहे।

अमरोहा

कलेक्ट्रेट में जुटे शिक्षक, किया प्रदर्शन

टीईटी को लेकर जताया कड़ा विरोध, केंद्र सरकार से कानून में संशोधन की मांग

कार्यालय संवाददाता, अमरोहा

अमृत विचार: उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के बैनर तले शिक्षकों टीईटी के विरोध में कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन कयिा। प्रधानमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन डीएम को सौंपा।

मंगलवार को उत्तर प्रदेश प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष यशपाल सिंह ने नेतृत्व में कलेक्ट्रेट पर शिक्षक एकत्रित हुए। ज्ञापन के माध्यम से शिक्षकों ने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय ने आदेश में कहा है कि ऐसे सेवारत शिक्षक जिनकी सेवा 5 वर्ष से अधिक है उनके लिए टीईटी पास करना अनिवार्य है। इससे लाखों शिक्षकों की नौकरी संकट में आ गई है। शिक्षकों ने एक स्वर में सरकार से पुनर्विचार याचिका दाखिल करने का अनुरोध किया है।

माध्यमिक शिक्षक संघ के प्रांतीय मंत्री डॉ. जीपी सिंह ने कहा कि केंद्र सरकार कानून में संशोधन कर सुप्रीम कोर्ट के निर्णय को निष्प्रभावी करें। जिससे शिक्षकों को राहत मिल सकें। उन्होंने कहा कि शिक्षक महासंघ के आवाह्न पर धरना प्रदर्शन आगे भी निरंतर जारी रहेगा। इस अवसर पर उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला मंत्री मुकेश चौधरी, माध्यमिक शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष गुरनाम सिंह, जिला मंत्री बालक राम शर्मा, एससी एसटी शिक्षक वेलफेयर एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष करतार सिंह, जिला मंत्री जगवीर सिंह, उत्तर प्रदेश बीटीसी शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष जमशेद शरीफ, जिला मंत्री तरुण औलख, उर्दू बीटीसी शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष इमरान पाशा, शिक्षा मित्र संघ के जिला अध्यक्ष फारूख अहमद, वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ प्रथी सिंह, जिला कोषाध्यक्ष अनीस अहमद, ब्लॉक अध्यक्ष विपिन चौहान, योगेश चौधरी, रामवीर सिंह, होमपाल सिंह चौहान, ब्लॉक मंत्री रेखा रानी, पूनम रानी, जितेंद्र कटारिया, इरशाद अली, हीरा सिंह, विवेक चौधरी, विरेन्द्र सिंह, विपिन पंघाल आदि शिक्षक एवं शिक्षिकाएं आदि मौजूद रहे है।

कलेक्ट्रेट में धरना प्रदर्शन करते शिक्षक। ● अमृत विचार

● कहा- सुप्रीम कार्ट के आदेश से शिक्षकों की नौकरी खतरे में है

किसान के घर से 90 हजार रुपये व आभूषण चोरी

हसनपुर/सैदनगली , अमृत विचार: किसान के घर में नकब लगाकर चोरों ने 90000 की नगदी व आभूषण चोरी कर लिया। पास स्थित दो नलकूप की कोठरी से कृषि कार्य से जुड़ा सामान भी चोरी हुआ है।

सैदनगली निवासी भरत सैनी का कस्बे के बाहरी छोर मकान है। सोमवार रात वह परिजनों संग बरामदे में सो रहे थे। चोर नकब लगाकर मकान में घुसे। 90 हजार की नकदी तथा आभूषण चोरी कर लिए। कस्बा इंचार्ज अरुण कुमार ने मौके पर आकर जांच पड़ताल की। भरत सिंह के घर से कुछ दूरी पर ही स्थित नितिन वर्मा पुत्र महानंद वर्मा और रामवीर सैनी पुत्र शिवलाल सैनी के खेतों पर बनी कोठरी के ताले भी चोरों द्वारा तोड़े गए। रामवीर सैनी की कोठरी से चोरी किया गया छोटा जनरेटर नजदीक के खेत में पड़ा मिला। थानाध्यक्ष विकास कुमार ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज किया जाएगा। मामले की जांच पड़ताल की जा रही है।

स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा के तहत ली गई शपथ

शपथ दिलाते पालिकाध्यक्ष शशि जैन व ईओ डॉ बृजेश कुमार। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, अमरोहा

अमृत विचार: पीएम मोदी के जन्मदिन पर स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा के तहत नगर पालिका द्वारा 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जायेगा। जिसके क्रम मे बीती 15 सितम्बर 2025 को जिलाधिकारी द्वारा कार्यक्रम किए जाएंगे।

नगर पालिका में अध्यक्ष शशि जैन द्वारा पालिका सभासदों, अधिकारियो, कर्मचारियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई गयी। पालिका अध्यक्ष ने स्वच्छता ही सेवा 2025 कार्यक्रमों के महत्त्व के बारे मे जानकारी देते हुए कहा कि स्वच्छता ही सेवा 2025 पखवाड़ा मनाया जा रहा है। इसका शुभारम्भ प्रभारी द्वारा 17 सितम्बर को किया जायेगा। इस अवसर पर पालिका अधिशासी अधिकारी ने कर्मचारियों को निर्देष दिए कार्यक्रम में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया जाए। इस दौरान कार्यक्रम में पालिका के समस्त सभासद, स्वच्छ भारत मिशन शहरी के जिला कार्यक्रम प्रबंधक नदीम अख्तर आदि उपस्थित रहे।

मकान गिरा, लाखों का हुआ नुकसान

गजरौला, अमृत विचार: बाढ़ का पानी स्तर होने से किसान का मकान भर-भरकर गिर गया। जिससे किसान का लाखों रुपये का नुकसान हुआ है। गनीमत रही की बड़ा हादसा होने से टल गया।

क्षेत्र के गांव शीशों वाली निवासी चूरासिंह किसानी कर अपने परिवार का पालन-पोषण करता है। पहाड़ों पर हो रही लगातार बारिश के चलते तिगरी गंगा का जलस्तर बढ़ गया था। जिससे गंगा किनारे बसे शीशों वाली गांव में बाढ़ का पानी घुस गया था। जिससे किसान का मकान नीचे धंस गया। जिसके बाद मंगलवार को बाढ़ का पानी स्तर होने से किसान का मकान भर-भरकर गिर गया। मकान के अंदर बैठे किसान के परिवार वालों ने किसी तरह भागकर जान बचाई। किसान ने बताया कि मकान गिरने से लाखों रुपये का नुकसान हुआ है। एसडीएम विभा श्रीवास्तव ने बताया कि मामले में जांच की जाएगी।

अमृत विचार

बुधवार, 17 सितंबर 2025

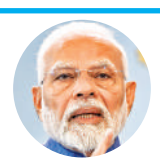

लोग कहते हैं, कड़ी मेहनत थकान लाती है। मैं कहता हूं, कड़ी मेहनत संतोष लाती है।
–नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

वक्फ कानून पर संतुलन

सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 को लेकर एक अहम फैसला सुनाया है। अदालत ने अधिनियम के कुछ महत्वपूर्ण प्रावधानों पर तो स्थगन आदेश दिया, लेकिन पूरे कानून को निलंबित करने से इंकार कर दिया। यह फैसला न्यायपालिका की उस संतुलित भूमिका को दर्शाता है, जिसमें वह कानून निर्माण की संसद की शक्ति को चुनौती नहीं देती, परंतु यह भी सुनिश्चित करती है कि कोई भी कानून संविधान की मूल भावना से विपरीत न हो। वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन का इतिहास भारत में हमेशा विवादास्पद रहा है। वक्फ अधिनियम, 1995 के तहत बने नियमों का उद्देश्य मुस्लिम समुदाय की धार्मिक और सामाजिक संपत्तियों की रक्षा करना था, लेकिन समय के साथ इन पर पारदर्शिता की कमी और राजनीतिक दखल के आरोप लगते रहे। संशोधन अधिनियम 2025 इन्हीं खामियों को दूर करने के लिए लाया गया, जिसमें पारदर्शिता बढ़ाने और गैर-मुस्लिम प्रतिनिधियों को बोर्ड में शामिल करने जैसे बदलाव किए गए।

सुप्रीम कोर्ट ने यह स्पष्ट किया कि किसी कानून पर पूरी रोक सिर्फ दुर्लभ परिस्थितियों में लगाई जा सकती है। अदालत ने माना कि नागरिकों के मौलिक अधिकारों पर असर डालने वाले कुछ प्रावधानों पर अंतरिम आदेश जरूरी था, लेकिन पूरे कानून को रोकना न्यायसंगत नहीं होगा। इस प्रकार अदालत ने संतुलन साधते हुए धारा 3(आर) और धारा 83 की कुछ उपधाराओं को अस्थायी रूप से स्थगित किया, जबकि अधिनियम की बाकी धाराएं प्रभावी बनी रहीं। साथ ही, केंद्र सरकार से विस्तृत जवाब तलब किया गया है। इससे यह संकेत भी मिलता है कि मामला अभी परीक्षण के अधीन है और अंतिम निर्णय आने में समय लगेगा। राजनीतिक दृष्टि से यह फैसला अपेक्षित प्रतिक्रियाओं को जन्म देने वाला था। कांग्रेस ने इसे सरकार की मंशा पर आंशिक रोक करार देते हुए कहा कि यह न्यायपालिका का हस्तक्षेप उचित है। वहीं भाजपा ने विपक्ष पर भय और भ्रम की राजनीति करने का आरोप लगाया और अधिनियम को सुधारात्मक कदम बताया। वस्तुतः वक्फ कानून हमेशा धार्मिक भावनाओं और राजनीतिक समीकरणों से जुड़ा मुद्दा रहा है। ऐसे में किसी भी संशोधन या न्यायालय के हस्तक्षेप का समाज और राजनीति पर असर होना स्वाभाविक है।

यह निर्णय लोकतंत्र और संविधान की कसौटी पर भी परखा जाना चाहिए। संसद को कानून बनाने का अधिकार है, लेकिन संविधान यह भी कहता है कि हर कानून समानता, न्याय और धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांतों के अनुरूप होना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में यही संदेश दिया कि अगर किसी कानून के प्रावधान इन मूल्यों से टकराते हैं, तो अदालत हस्तक्षेप करने से पीछे नहीं हटेगी। यह नागरिकों के विश्वास को मजबूत करता है कि न्यायपालिका केवल तकनीकी व्याख्या नहीं करती, बल्कि मूल अधिकारों की रक्षा भी करती है। आगे की राह सरकार और संसद के सामने है। वक्फ संपत्तियों का प्रबंधन केवल कानूनी प्रश्न नहीं है, यह सामाजिक न्याय और पारदर्शिता का भी मुद्दा है। सरकार को चाहिए कि अधिनियम में ऐसे प्रावधान लाए जाएं जो निष्पक्ष और धर्मनिरपेक्ष दृष्टिकोण को और मजबूत करें।

प्रसंगवश

अमर चित्रकथा वाले बच्चों के अनंत चाचा

कहानी पढ़ना किसे अच्छा नहीं लगता! शायद ही कोई बच्चा हो, जिसने अपनी दादी-नानी या मां से कहानी न सुनी हो। बड़े होने पर अपने विद्यालय की पुस्तकों के साथ ही पत्र-पत्रिकाओं में छपने वाली कहानी और कविताएं भी बच्चे बड़ी रुचि से पढ़ते हैं। इसके अतिरिक्त उन्हें चित्र देखने में भी बहुत मजा आता है। इसमें से ही साहित्य की चित्रकथा विधा का जन्म हुआ। भारतीय इतिहास तथा पौराणिक पात्रों के आधार पर चित्रकथा बनाने वाले अनंत पै का जन्म 17 सितंबर, 1929 को करकाला (कर्नाटक) में वैंकटार्य एवं सुशीला पै के घर में हुआ था। दो वर्ष के होते-होते उनके माता-पिता का देहांत हो गया। अनंत 12 वर्ष की अवस्था में मुंबई आ गए और माहिम स्थित ओरियेंट स्कूल में पढ़ाई की। इसके बाद उन्होंने मुंबई विश्वविद्यालय से भौतिकी, रसायन और रसायन तकनीक में एक साथ दो उपाधियां प्राप्त कीं।

सुरेश बाबू मिश्रा
लेखक

चित्र और छपाई कला में रुचि होने के कारण अनंत पै ने 1954 में 'मानव' नामक बाल पत्रिका निकाली, पर उसमें सफल न होने पर वे 'टाइम्स ऑफ इंडिया' में काम करने लगे। उन दिनों उसमें बेताल और फैंटम जैसे विदेशी पात्रों पर आधारित 'इंद्रजाल कामिक्स' नामक चित्रकथा छपती थी। 1967 में अनंत पै ने दूरदर्शन के एक प्रश्नोत्तर कार्यक्रम में देखा कि बच्चे विदेशी नायकों के बारे में तो जानते हैं, पर श्रीराम और श्रीकृष्ण के बारे में नहीं। इससे उनके मन को चोट लगी और उन्होंने नौकरी छोड़कर कुछ नया करने का फैसला किया।

अब वे स्वतंत्र रूप से इस दिशा में काम करना चाहते थे, पर उनके पास इतना धन नहीं था। अनेक प्रकाशकों ने उनके विचारों को ठुकरा दिया। 'इंडिया बुक हाउस' के मीरचंदानी के सहयोग से 'अमर चित्रकथा' प्रकाशित होने लगी। बच्चों के साथ ही उनके अभिभावक और अध्यापकों ने भी इनका भरपूर स्वागत किया। भारत के महापुरुष, वीर महिलाएं, पौराणिक पात्र, प्रख्यात वैज्ञानिक, स्वाधीनता सेनानी आदि विषयों पर उन्होंने लगभग 450 पुस्तकें बनाईं। इनकी देश की 20 भाषाओं में दस करोड़ प्रतियां बिकीं।

अब वे बच्चों में 'अनंत चाचा' के नाम से प्रसिद्ध हो गए। 1969 में उन्होंने 'रंग रेखा फीचर्स' तथा 1980 में अंग्रेजी बाल पत्रिका 'टिंकल' प्रारंभ की। इसके पहले अंक की 40 हजार प्रतियां बिकीं। इसके कार्टून पात्र कपीश, रामू और शामू, सुपंडी, शिकारी शंभू और तंत्री दि मंत्री आदि बच्चों में खूब लोकप्रिय हुए। इसके 'अनु क्लब' द्वारा उन्होंने बच्चों में विज्ञान को लोकप्रिय बनाया। उनके पास हर माह चार से पांच हजार पाठकों के पत्र आते थे।

अनंत चाचा की सफलता का कारण उनकी विशिष्ट शैली थी। वे काम करते समय स्वयं बच्चों की मानसिकता में डूब जाते थे। उन्होंने अनेक साथी बनाए, जिनमें राम वेरकर प्रमुख हैं। उन्होंने हिंदी तथा अंग्रेजी में बच्चों के लिए सफलता के रहस्य, व्यक्तित्व विकास, स्मृति शास्त्र आदि पुस्तकें तथा वेदों की जानकारी देने के लिए 'एकम् सत्' नामक वीडियो फिल्म भी बनाई। कहानी सुनाते हुए उनके कई आडियो टेप भी लोकप्रिय हुए।

अनंत पै सदा नये विचारों पर काम करते रहते थे। वृद्ध होने पर भी वे भारत के विभिन्न तीर्थों तथा भारतीय इतिहास की 40 महत्वपूर्ण घटनाओं पर आधारित एक बड़े प्रकल्प पर काम कर रहे थे। सीढ़ियों से गिर जाने के कारण उनकी कूल्हे ही हड्डी टूट गई। उन्हें अस्पताल में भर्ती होना पड़ा। वहीं 24 फरवरी, 2011 को हुए भीषण हृदयाघात से बच्चों के प्रिय अनंत चाचा सचमुच अनंत की यात्रा पर चले गए। दूरदर्शन और अंतरजाल के वर्तमान दौर में भी उनकी पुस्तकों की लगभग तीन लाख प्रतियां प्रतिवर्ष बिकती हैं।

नरेंद्र मोदी: संघ से प्रधानमंत्री तक की यात्रा

चंद्रशेखर चतुर्वेदी
बीएचयू, वाराणसी

'सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास' के आदर्श वाक्य से प्रेरित होकर, नरेंद्र मोदी ने शासन में एक आदर्श बदलाव की शुरुआत की है, जिससे समावेशी, विकासोन्मुख और भ्रष्टाचार मुक्त शासन का मार्ग प्रशस्त हुआ है। प्रधानमंत्री ने अंत्योदय के उद्देश्य को साकार करने और समाज के अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति को सरकार की योजनाओं और पहल का लाभ सुनिश्चित करने के लिए स्पीड और स्केल पर काम किया है। प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों ने इस बात को माना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत रिकॉर्ड गति से गरीबी को खत्म कर रहा है। नीति आयोग की नवीनतम रिपोर्ट '2005-06 से भारत में बहुआयामी गरीबी' के निष्कर्षों के अनुसार, पिछले नौ वर्षों में लगभग 25 करोड़ लोग बहुआयामी गरीबी से बाहर निकले हैं। इसका श्रेय केंद्र सरकार द्वारा गरीबों के हित को ध्यान में रखते हुए लिए गए विभिन्न निर्णयों को जाता है।

आज भारत दुनिया का सबसे बड़ा स्वास्थ्य सेवा कार्यक्रम 'आयुष्मान भारत' सफलतापूर्वक चला रहा है। 50 करोड़ से अधिक भारतीयों को कवर करते हुए आयुष्मान भारत, गरीब और नव-मध्यम वर्ग को उच्च गुणवत्ता और सस्ती स्वास्थ्य सेवा सुनिश्चित कर रहा है। गरीबों को वित्तीय धारा से जोड़ने के लिए पीएम मोदी ने प्रधानमंत्री जन-धन योजना शुरू की, जिसका उद्देश्य प्रत्येक भारतीय का बैंक खाता खोलना था। अब तक 51 करोड़ से अधिक जन-धन खाते खोले जा चुके हैं।

जन-धन से एक कदम आगे बढ़ते हुए श्री मोदी ने समाज के सबसे कमजोर वर्गों को बीमा और पेंशन कवर देकर जन सुरक्षा पर जोर दिया। JAM ट्रिनिटी (जन धन- आधार-मोबाइल) ने बिचौलियों को समाप्त कर दिया और प्रौद्योगिकी के माध्यम से पारदर्शिता और गति सुनिश्चित की है। 2016 में गरीबों को मुफ्त रसोई गैस कनेक्शन प्रदान करने के लिए प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना शुरू की गई थी। यह योजना 10 करोड़ से अधिक लाभार्थियों को धुआं मुक्त रसोई प्रदान करने में गेम-चेंजर साबित हुई है। इसकी अधिकांश लाभार्थी महिलाएं हैं।

आजादी के 70 साल बाद भी जिन 18,000 गांवों में बिजली नहीं थी, उनमें बिजली पहुंचा दी गई है। 2014 और 2024 के बीच पीएम आवास योजना के तहत 4.2 करोड़ से अधिक घरों को मंजूरी दी गई। जून 2024 में तीसरे कार्यकाल के लिए सत्ता संभालने के बाद पहली कैबिनेट के निर्णयों में से एक- तीन करोड़ अतिरिक्त ग्रामीण और शहरी परिवारों को घरों के निर्माण के लिए सहायता प्रदान करना था,

कृषि एक ऐसा क्षेत्र है जो श्री नरेंद्र मोदी के बहुत करीब है। 2019 के अंतरिम बजट के दौरान सरकार ने किसानों के लिए पीएम किसान सम्मान निधि के रूप में एक मौद्रिक प्रोत्साहन योजना की घोषणा की। 24 फरवरी 2019 को योजना के शुरू होने के बाद लगभग हर तीन महीने में नियमित रूप से किश्तों का भुगतान किया जा रहा है। पीएम मोदी के दूसरे कार्यकाल की पहली कैबिनेट बैठक के दौरान इस योजना में पांच एकड़ की सीमा को हटाते हुए सभी किसानों को पीएम किसान का लाभ देने का फैसला किया गया। जून 2024 में श्री मोदी ने वाराणसी में पीएम-किसान योजना की 17वीं किस्त जारी की, जिसमें 9.2 करोड़ से अधिक किसानों को 20,000 करोड़ रुपये से अधिक का लाभ मिला।

श्री मोदी ने सॉयल हेल्थ कार्ड, बेहतर बाजारों के लिए ई-NAM और सिंचाई पर नए सिरे से ध्यान केंद्रित करने जैसी किसान कल्याण की दिशा में विभिन्न पहलों की शुरूआत की। 30 मई 2019 को पीएम मोदी ने जल संसाधनों से संबंधित सभी पहलुओं की देख-रेख करने के लिए एक नया जल शक्ति मंत्रालय बनाकर एक बड़ा वादा पूरा किया। दो अक्टूबर 2014 को महात्मा गांधी की जयंती पर प्रधानमंत्री ने पूरे देश में स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए 'स्वच्छ भारत मिशन' का शुभारंभ किया। इस जन आंदोलन का बड़े पैमाने पर ऐतिहासिक प्रभाव पड़ा है। आज स्वच्छता कवरेज 2014 में 38% से बढ़कर 2019 में 100% हो गया है। कई राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को खुले में शौच मुक्त घोषित किया गया है। स्वच्छ गंगा के लिए ठोस कदम उठाए गए हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने स्वच्छ भारत मिशन की सराहना की और कहा कि इससे तीन लाख लोगों की जान बच सकती है।

श्री मोदी का मानना है कि परिवहन, परिवर्तन की दिशा में एक महत्वपूर्ण साधन है, इसीलिए भारत सरकार हाई-वे, रेलवे, आई-वे और वॉटर-वे के रूप में अगली पीढ़ी का इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने के लिए काम कर रही है। UDAN (उड़े देश के आम नागरिक) योजना ने उड्डयन क्षेत्र को लोगों के अधिक अनुकूल बनाया है और कनेक्टिविटी को बढ़ावा दिया है। पीएम ने भारत को अंतर्राष्ट्रीय विनिर्माण पॉवरहाउस में बदलने के लिए 'मेक इन इंडिया' पहल शुरू की। इस प्रयास से परिवर्तनकारी परिणाम सामने आए हैं। भारत ने 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' में महत्वपूर्ण प्रगति की है। 2014 में भारत की रैंकिंग 142 थी, जो 2019 में 63 हो गई। 2017 में भारत सरकार ने जीएसटी लागू किया, जिसने 'वन नेशन, वन टैक्स' के सपने को साकार किया।

पीएम मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में श्री मोदी ने जलवायु परिवर्तन के अभिनव समाधान तैयार करने के लिए अलग जलवायु परिवर्तन विभाग बनाया था। इस भावना को पेरिस में 2015 के COP21 शिखर सम्मेलन में भी देखा गया था, जहां पीएम मोदी ने पर्यावरण से जुड़े मुद्दों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। पर्यावरण संरक्षण के प्रति उनके प्रयासों को देखते हुए पीएम मोदी को संयुक्त राष्ट्र के 'चैंपियंस ऑफ अर्थ अवार्ड' से सम्मानित किया गया।

'सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास' के आदर्श वाक्य से प्रेरित होकर, नरेंद्र मोदी ने शासन में एक आदर्श बदलाव की शुरुआत की है।

आमने

जन्मदिन उनका (ओम प्रकाश राजभर) है तो मैं इसके लिए क्या करूं। सौ रुपये से काम चलता है तो भिजवा दें। हम तो 100 रुपये ही देते हैं, चाहे जिनका जन्मदिन हो। उनके बारे में चर्चा करके भाव न बढ़ाएं।
–अखिलेश यादव
अध्यक्ष
समाजवादी पार्टी

सामने

सत्ता से दूर हुए साढ़े आठ साल बीत चुके हैं। कमाई का रास्ता बंद हो गया है, इसलिए अब 100 की बात कर रहे हैं। अगर सत्ता में बने रहते तो करोड़ों-अरबों से नीचे बात ही नहीं करते। ईश्वर करे जनता के पैसों से महलों में ऐश करने वाले अब पाई-पाई का हिसाब रखें।
–ओम प्रकाश राजभर, काबीना मंत्री

बदलते अमेरिकी सुर और भारत संग व्यापार

विवेक सक्सेना
अयोध्या

इस बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कूटनीतिक चालों में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप उलझे दिखते हैं। यही कारण है कि उनका बयान बार-बार बदल रहा है, हालांकि यह ट्रंप की पुरानी आदत है, लेकिन नई परिस्थिति में भारत-अमेरिका के रिश्तों में जो खटास महसूस की गई, उसमें भारत के साथ संबंध और भारत जैसे देश के बड़े बाजार को साध पाना ट्रंप के लिए बहुत आसान नहीं कहा जा सकता है। भारत का बाजार चीन और दूसरे देशों के हाथ न चला जाए, यह अमेरिकी राष्ट्रपति के लिए संकट का कारण माना जा रहा है। रिश्ते मधुर होने के बाद भी वह प्रोफेशनल ही हो सकते हैं।

प्रधानमंत्री ने कनाडा से अमेरिका आ जाने के ट्रंप का प्रस्ताव भी ठुकरा दिया था। मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप से फोन पर लंबी वार्ता में जो कुछ कहा, उससे भी यह स्पष्ट हो गया कि भारत कश्मीर अथवा अन्य किसी भी मामले में किसी के दबाव में आने वाला नहीं है। ट्रंप ने अगस्त में भारत पर 50 फीसदी टैरिफ लगाया, साथ ही भारत के रूसी तेल खरीदने के चलते 25 फीसदी अतिरिक्त जुर्माना भी लगाया, जिससे अमेरिका-भारत संबंधों के भविष्य पर सवाल उठने लगे, जो हाल के वर्षों में, ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान मजबूत हुए थे।

एक माह में ऐसा रुख बदला कि अब ट्रंप न सिर्फ भारत के साथ अपने संबंधों की सराहना कर रहे हैं, अपितु ट्रेड डील की गुहार भी लगा रहे हैं। इसके पीछे भी कहीं न कहीं उनकी कोई कमजोरी ही है, जिसे वो भारत से डील करके कम करना चाहते हैं। ट्रंप के बड़बोलेपन पर मोदी की चुप्पी का ही असर कहा जाएगा कि दुनिया के सबसे ताकतवर देश का राष्ट्रपति प्रधानमंत्री से बातचीत करने के लिए उत्सुकता दिखा रहा है। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में जल्द ही ट्रेड डील पर बातचीत करने की न सिर्फ इच्छा जताई है, अपितु विश्वास जताते हुए कहा कि दोनों पक्ष प्रस्तावित व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने में सफल होंगे। पीएम मोदी ने भी ट्रंप के पोस्ट पर जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि भारत और अमेरिका घनिष्ठ मित्र और स्वाभाविक साझेदार हैं। मुझे विश्वास है कि हमारी व्यापार वार्ताएं भारत-अमेरिका साझेदारी की असीम संभावनाओं को उजागर करने का मार्ग प्रशस्त करेंगी।

दोनों देशों के बीच टकराव बढ़ता है, तो निश्चित रूप से इसका असर पूरी दुनिया पर पड़ेगा। अमेरिकी मांग के अनुसार, भारत अगर रूस से खरीदारी बंद भी कर देता है, तो इससे ग्लोबल ऑयल सप्लाई बाधित होगी और तेल की कीमतें बढ़ सकती हैं, हालांकि इस बदलाव के पीछे अमेरिका की कई आर्थिक और वाणिज्यिक मजबूरियां भी हैं। भारत, अमेरिका को स्टील, एल्युमीनियम, दवाइयां, टेक्सटाइल और डिजिटल सेवाएं निर्यात करता है, जबकि अमेरिका से भारत ऊर्जा, प्रौद्योगिकी और रक्षा उपकरण आयात करता है।

2025 में भारत की जीडीपी वृद्धि दर सात फीसदी रही, जो वैश्विक अनुमानों से अधिक है। दोनों देशों के बीच एक दशक में द्विपक्षीय व्यापार लगभग दोगुना हो गया है और इसे 2030 तक पांच सौ बिलियन डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है, लेकिन यह तभी संभव है, जब मौजूदा गतिरोध खत्म हो। इसके लिए अमेरिका को भारतीय नजरिया समझने की जरूरत है। भारत जल्द ही दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। यह वृद्धि भारत को वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी बनाती है। भारत-अमेरिका का रिश्ता केवल व्यापार तक सीमित नहीं है। दोनों ने सुरक्षा, तकनीक, ऊर्जा समेत दूसरे क्षेत्रों में भी सहयोग बढ़ाया है। चीन की मनमानी पर नियंत्रण के लिए अमेरिका को भारतीय सहयोग की जरूरत है।

भारत और अमेरिका के बीच व्यापारिक संबंध लंबे समय से मजबूत रहे हैं। 2024 में द्विपक्षीय व्यापार 212 बिलियन डॉलर तक पहुंचा। भारत जैसे बड़े और तेजी से बढ़ते बाजार को नजरअंदाज करना अमेरिकी कंपनियों के लिए नुकसानदेह हो सकता है। भारत की करीब 140 करोड़ जनसंख्या अमेरिकी उत्पादों और सेवाओं के लिए एक आकर्षक बाजार है। ट्रंप ने 2019 में जब भारत का जनरलाइज्ड सिस्टम ऑफ प्रेफरेंसेज (जीएसपी) दर्जा खत्म किया, तो भारत ने अमेरिकी बादाम, सेब और रासायनिक उत्पादों पर शुल्क बढ़ा दिया। इस बार भी भारत ने जीएसटी सुधार करके अमेरिकी कोला कंपनियों के लिए भी मुश्किल खड़ी कर दी। भारत जैसे बड़े बाजार के साथ तनाव बढ़ाना ट्रंप की घरेलू लोकप्रियता को नुकसान पहुंचा सकता है। अमेरिकी थिंक टैंक भारत को लेकर ट्रंप के रवैये की आलोचना भी कर रहा है। इसके चलते ट्रंप घरेलू मोर्चे पर विलेन बनते जा रहे हैं। जाहिर है कि यह बात समझते ही ट्रंप के तेवर टैरिफ पर इतनी जल्दी ठंडे पड़ गए।

अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट की यह उम्मीद कि आखिरकार अमेरिका और भारत साथ आएंगे, मौजूदा वक्त की सबसे बड़ी जरूरत है। अच्छी बात यह है कि ट्रंप के मनमाने टैरिफ और कुछ तीखे बयानों के बावजूद बातचीत का रास्ता बंद नहीं हुआ। अब त्यौहारों का सीजन भी शुरू हो रहा है। अगर इस दौरान कोई डील होती है या ट्रंप टैरिफ में कटौती करते हैं, तो ये ट्रेडर्स के लिए दिवाली उपहार से कम नहीं होगा।

भारत के बड़े बाजार को साध पाना अमेरिका के लिए चुनौतीपूर्ण बन गया है। अब ट्रंप न सिर्फ भारत के साथ अपने संबंधों की सराहना कर रहे हैं, बल्कि ट्रेड डील की भी गुहार लगा रहे हैं।

सोशल फोरम

टॉल्स्टॉय को सभी जानते हैं, लेकिन सोफिया को!

इतिहास ने लियो टॉल्स्टॉय को याद रखा है, लेकिन उस आदमी के पीछे, जिसने 'वॉर एंड पीस' और 'अन्ना कारेनिना' जैसी अमर रचनाएं लिखीं, एक औरत खड़ी थी, जिसकी बात अक्सर सिर्फ एक फुटनोट बनकर रह जाती है। सोफिया टॉल्स्टॉय सिर्फ टॉल्स्टॉय की पत्नी नहीं थीं, वो उनकी संपादक थीं। उनकी प्रबंधक थीं। उनकी टाइपिस्ट, उनकी कॉपी करने वाली, उनकी प्रकाशक और उनके 13 बच्चों की मां। वो उस भावनात्मक तूफान को झेलने वाली थीं, जो एक बेहद प्रतिभाशाली लेकिन बेचैन आत्मा के भीतर लगातार मचलता रहता था।

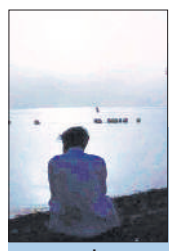

कलम रंगदार
फेसबुक

जब टॉल्स्टॉय ने उन्हें 'वॉर एंड पीस' की पांडुलिपि थमाई, तो वह कोई साफ-सुथरा ड्राफ्ट नहीं था। वो तो बिखरे हुए पन्नों का एक पहाड़ था, जीनियस की उलझी हुई परतें। सोफ़िया हर रात जाग-जागकर उसे हाथ से साफ-साफ सात बार कॉपी करती रहीं। उनके रेखाचित्रों को पढ़तीं, उनकी उलझी सोच को क्रम में लातीं और जो कोई और नहीं कर सकता था वो करतीं। उनकी प्रतिभा को पढ़ने लायक बनातीं।

पर कहानी यहीं खत्म नहीं होती।

सोफिया सिर्फ एक 'सहायक' नहीं थीं। उनका खुद का मन था, खुद की कलम थी, खुद का दुःख। वो खुद भी लेखिका थीं। वो टॉल्स्टॉय से बेहद प्यार करती थीं। पर उस प्यार की कीमत बहुत भारी थी।

जब टॉल्स्टॉय की मौत एक ठंडे रेलवे स्टेशन पर हुई, तो वो वहां पहुंचीं, लेकिन देर से। उन्हें कमरे में घुसने तक नहीं दिया गया। वो दृश्य हृदय विदारक है। वो औरत, जिसने उन्हें सब कुछ दिया, दरवाजे के बाहर खड़ी रही, जबकि उनके जीवन का अंत हो गया।

लेकिन शायद असली त्रासदी ये नहीं है। असली त्रासदी ये है कि दशकों तक हमने इस महिला को भी उनके जीवन की कहानी से बाहर ही रखा। सोफिया सिर्फ एक महान लेखक की पत्नी नहीं थीं, वो खुद भी उस महानता का हिस्सा थीं। वो उस जीनियस के पीछे का स्थिर हाथ थीं। वो एक ऐसी सहलेखिका थीं, जिनका नाम कभी किताब के कवर पर नहीं आया।

टॉल्स्टॉय को याद करना अगर जरूरी है, तो सोफिया को याद करना उससे भी जरूरी है, क्योंकि जब टॉल्स्टॉय इतिहास लिख रहे थे, सोफिया वो जमीन थीं, जिस पर वो इतिहास उग सका।

सामयिकी

जाम में जकड़ा भारत

भारत की सड़कों पर हर दिन एक अदृश्य संघर्ष होता है- समय, संयम और व्यवस्था के बीच। यह संघर्ष किसी एक शहर या महानगर तक सीमित नहीं, बल्कि गांवों, कस्बों, छोटे-बड़े शहरों और औद्योगिक क्षेत्रों तक फैला हुआ है। जर्जर सड़कों, अनियंत्रित ट्रैफिक और घंटों लंबे जाम की स्थिति अब हमारे राष्ट्रीय जीवन का स्थायी हिस्सा बन चुकी है। यह केवल एक दैनिक असुविधा नहीं, बल्कि एक व्यापक सामाजिक, आर्थिक, पर्यावरणीय और मानसिक संकट का रूप ले चुकी है। दफ्तर जाने वाले कर्मचारी हों या ट्रक-टैंपो और टैक्सी चालक, डिलीवरी एजेंट हों या छात्र-छात्राएं, समय से अस्पताल पहुंचने की कोशिश में फंसे मरीज और उनके परिजन हों या किसी जरूरी बैठक की ओर दौड़ते व्यावसायिक यात्री, हर कोई गड्ढों, अतिक्रमण, धूल और जाम से दो-चार होता है। कस्बों और गांवों में टूटी-फूटी सड़कें, नागरिकों को स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और बाजार जैसी बुनियादी सुविधाओं तक भी पहुंच से वंचित कर देती हैं। यह स्थिति अब हमारे सार्वजनिक जीवन की 'नई सामान्य स्थिति' बन गई है, जबकि न तो यह सामान्य है और न ही स्वीकार्य।

डॉ. शिवम भारद्वाज
असिस्टेंट प्रोफेसर, जीएलए यूनिवर्सिटी

जब सड़कें बदहाल हों और यातायात व्यवस्था चरमराई हो, तो रेंगते वाहनों की कतारें केवल समय नहीं, ऊर्जा और ईंधन की भी भारी बर्बादी करती हैं। महंगे पेट्रोल-डीजल की खपत इस अव्यवस्थित गति में कई गुना बढ़ जाती है, लेकिन नुकसान यहीं तक सीमित नहीं रहता। लगातार ब्रेक, क्लच और एक्सीलेरेटर के इस्तेमाल से गाड़ियों की माइलेज घटती है, रख-रखाव की लागत बढ़ती है और वाहन समय से पहले जवाब दे देते हैं। इसका सीधा असर उस मध्यमवर्ग, श्रमिक वर्ग और छोटे व्यवसायी पर पड़ता है, जिसकी जेब पहले से ही महंगाई के बोझ तले दबी है।

जाम में फंसे हजारों वाहनों से निकलता धुंआ हवा में कार्बन मोनोऑक्साइड, नाइट्रोजन ऑक्साइड और सूक्ष्म कणों की मात्रा को खतरनाक स्तर तक पहुंचा देता है। यह न केवल पर्यावरण को दीर्घकालिक क्षति पहुंचाता है, बल्कि प्रतिदिन सांस लेने वाले नागरिकों के फेफड़ों को जहर से भर देता है। बच्चों, बुजुर्गों और अस्थमा या ब्रोंकाइटिस जैसी बीमारियों से ग्रस्त लोगों के लिए यह स्थिति अत्यंत घातक बन चुकी है।

इसी के साथ, ध्वनि प्रदूषण भी अब केवल शोरगुल नहीं, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य पर सीधा आघात है। ट्रैफिक जाम में फंसे वाहन चालकों की अधीरता हर दिशा से बजते हॉर्न और इंजन की गूंज में तब्दील हो जाती है। यह शोर न केवल कानों को पीड़ा देता है, बल्कि मानसिक तनाव, अनिद्रा, उच्च रक्तचाप और चिड़चिड़ेपन जैसी समस्याओं को जन्म देता है। लगातार शोर में रहने वाले लोगों की सुनने की क्षमता तक प्रभावित होने लगती है। छोटे शहरों से लेकर महानगरों तक, अब यह ध्वनि प्रदूषण नागरिकों की शांति और स्वास्थ्य दोनों को लील रहा है।

ट्रैफिक और खराब सड़कों से उपजे तनाव का सबसे गहरा असर मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ता है, जो अक्सर अनदेखा रह जाता है। नागरिक केवल देरी से गंतव्य नहीं पहुंचते, वे हर दिन एक मानसिक थकावट, असहायता और चिड़चिड़ेपन का बोझ भी ढोते हैं। यही बोझ धीरे-धीरे सामाजिक व्यवहार में उतरता है। गुस्सा, रोडरेज, पारिवारिक कलह और सामाजिक असहिष्णुता जैसी प्रवृत्तियां इसी दबाव की उपज हैं। जब कोई मरीज समय पर अस्पताल न पहुंच पाए, जब किसी छात्र की परीक्षा छूट जाए या कोई परिवार संकट की घड़ी में रास्ते में ही फंसा रह जाए, तो यह जाम केवल ट्रैफिक का नहीं, बल्कि मानवीय संवेदनशीलता और प्रशासनिक सजगता की भी असफलता बन जाता है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं एलआईजी 23, प्रथम तल, आशियाना फेस-1, कांठ रोड मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- सुनील कुमार सिंह*** 0591-3551286(कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2020/79034 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।(नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र मुरादाबाद होगा)।

हैदराबाद की पहचान चारमीनार

सुल्तान मुहम्मद क़ुली क़ुतुब शाह, क़ुतुब शाही वंश के पांचवें शासक ने गोलकुंडा से नवनिर्मित हैदराबाद में अपनी राजधानी को स्थानांतरित करने के बाद 1591 ई. में चारमीनार का निर्माण कराया था। यह ऐतिहासिक धरोहर तेलंगाना प्रांत के हैदराबाद में स्थित एक स्मारक और मस्जिद है। यह विश्व स्तर पर हैदराबाद के प्रतीक के रूप में जाना जाता है। इसे भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा तैयार आधिकारिक स्मारकों की सूची में एक पुरातात्विक और वास्तुशिल्प खजाने के रूप में सूचीबद्ध किया गया है। इसे देखने के लिए भारत ही नहीं बल्कि दुनिया के कोने-कोने से पर्यटक आते हैं।

रोहित टंडन
उद्यमी

हैदराबादी मोती पूरी दुनिया में प्रसिद्ध

चारमीनार के लंबे इतिहास में 400 से अधिक वर्षों से इसकी शीर्ष पर एक खूबसूरत मस्जिद खुले छत के पश्चिमी छोर पर स्थित है। ऐतिहासिक और धार्मिक रूप से महत्वपूर्ण, यह संरचना के आसपास के लोकप्रिय और व्यस्त स्थानीय बाजारों के लिए भी जाना जाता है, और हैदराबाद में सबसे अधिक बार आने वाले पर्यटक आकर्षणों में से एक बन गया है। इसके पश्चिम स्थित बाज़ार और दक्षिण पश्चिम में सबसे बड़ी और सुंदर मक्का मस्जिद स्थित है। अपने सुनहरे दिनों में चारमीनार बाजार में लगभग 14,000 दुकानें थीं। इस बाजार में पर्यटक और स्थानीय लोग विशेष रूप से आभूषण, उत्तम चूड़ियां और प्रसिद्ध हैदराबादी मोती के लिए आते हैं।

मूसी नदी के तट पर है स्थित

चारमीनार मूसी नदी के पूर्वी तट पर स्थित है। चारमीनार एक चौकोर संरचना है। जिसकी हर एक वर्ग 20 मीटर (लगभग 66 फीट) लंबा है। प्रत्येक वर्ग के पास चारों में से एक भव्य मेहराब है तथा प्रत्येक ऐसे मुख्य बिंदुओं के सामने है जो सीधा अपने-सामने वाली सड़क के सामने खुलते हैं। प्रत्येक कोने पर एक उत्कृष्ट मीनार 159.77 फीट ऊंची एक डबल छज्जे के साथ खड़ी है। जिसे आधार पर डिजाइन की तरह एक बल्बनुमा गुंबद द्वारा ताज पहनाया गया है। चारमीनार के ऊपर पहुंचने के लिए 149 घुमावदार सीढ़ियां चढ़नी पड़ती हैं।

चूना- पत्थर और ग्रेनाइट से है बना

चारमीनार ग्रेनाइट, चूना पत्थर, मोर्टार और चूर्णित संगमरमर से बना है। शुरूआत में इसके चार मेहराब के साथ स्मारक के लिए ऐसी सटीक योजना बनाई थी कि जब चारमीनार खोला गया था तब प्रत्येक मेहराब से हैदराबाद शहर के चारों कोनों की झलक मिलती थी, क्योंकि प्रत्येक मेहराब किसी एक सबसे सक्रिय शाही सड़कों के सामने था। वहां भी एक भूमिगत सुरंग की भी योजना का जिक्र है। संभवतः घेराबंदी के समय कुतुब शाही शासकों के लिए भागने के एक मार्ग के रूप में इरादा गोलकुंडा से इसे सुरंग से जोड़ने का रहा होगा, हालांकि सुरंग का स्थान अज्ञात है।

आधार पर स्थित है भाग्यलक्ष्मी मंदिर

भाग्यलक्ष्मी मंदिर भी चारमीनार के आधार पर स्थित है। चारमीनार का प्रबंधन करने वाले हैदराबाद उच्च न्यायालय ने मंदिर के आगे विस्तार को रोक दिया है। जबकि वर्तमान में मंदिर की उत्पत्ति विवादित नहीं है। यह मंदिर भी पुरातत्व सर्वेक्षण के अधीन है।

कानपुर को 40 फीसदी भी नहीं दिखा पाता मुंबई

मुंबई फिल्म इंडस्ट्री को कानपुर शहर की लैंग्वेज, यहां का रहन-सहन और परिवेश बहुत सूट कर रहा है। शहर के अलग-अलग विषय को देश दुनिया में पसंद किया जाता है, इसीलिए फिल्म निर्माता तेजी से शहर की ओर रुख कर रहे हैं, लेकिन मुझे लगता है कि वह अपनी फिल्मों में शहर को 40 फीसदी भी नहीं दिखा पाते हैं। यह कहना है शहर के युवा एक्टर अजय मिश्रा का। अक्षय, अरशद और सौरभ शुक्ला स्टारर फिल्म जॉली एलएलबी 3 के प्रोमोशन वीडियो में दिखे शहर के अजय मिश्रा ने बॉलीवुड फिल्मों के साथ ही एक दर्जन से अधिक टीवी शो व वेब सीरीज में भी कार्य किया है। *प्रस्तुति: अभिषेक वर्मा*

शहर के बर्रा में रहने वाले अजय मिश्रा का किसान परिवार भीतरगांव में रहता है। उन्होंने बताया कि महाभारत, शक्तिमान जैसे शो को देखने के बाद बचपन से ही एक क्रेज था कि एक दिन बड़े पर्दे पर दिखना है। टीवी देखने के चलते मां से कई बार मार खाया, इस दौरान मां से भी डॉयलाग मारता था कि 'मर्द के दर्द नहीं होता है' 2003 से स्ट्रगलर कर रहे अजय मिश्रा ने बताया कि पढ़ाई और दूसरे कार्य के साथ एक्टिंग के लिए दिल्ली-मुंबई के चक्कर लगता रहा।

टीवी पर आने वाले शो जमुनिया, जोधा अकबर के साथ ही क्राइम पेट्रोल व अन्य टीवी शो में जो भी छोटे रोल मिले किए। उन्होंने बताया कि 2018 में पहली बार फैमिली ऑफ ठाकुरगंज में जिम्मी शेरगिल और सौरभ शुक्ला स्टारर फिल्म से पहचान मिली। इस फिल्म में सौरभ शुक्ला का राइट हैंड 'लल्ला' नाम के किरदार को निभाया। अजय कहते है कि 2 घंटे की फिल्म में 15 मिनट स्क्रीन पर रहना मेरे लिए बड़ा सुखद रहा। इसके बाद अजय देवगन की फिल्म भोला ने भी अच्छी टीआरपी दी। राजकुमार राव की फिल्म मालिक, सुबेदार में भी किरदार मिल चुका है।

साल के अंत में रिजीज होगी 'द हिस्ट्रीशीटर'

अजय मिश्रा ने बताया कि एक्टिंग के साथ ही कास्टिंग और लाइन प्रड्यूसर का कार्य भी कर रहे हैं। बताया कि 2017 से एक फिल्म 'द हिस्ट्रीशीटर' पर कार्य कर रहे थे, बजट व अन्य आभाव के चलते यह फिल्म रिलीज नहीं हो सकी थी, लेकिन अब यह बनकर तैयार है। अजय ने बताया कि सस्पेंस थ्रिलर फिल्म में कानपुर और आस-पास की कहानी देखने को मिलेगी। इसी साल के अंत में फिल्म को रिलीज करने की तैयारी है।

551
रुपये का है जॉली पान

हाल में ही जॉली एलएलबी 3 का प्रोमोशन वीडियो लांच हुआ है। इसमें शहर के अजय मिश्रा जॉली पान बेचते दिखाई दे रहे हैं। अजय मिश्रा डॉयलॉग बोल रहे हैं कि जॉलीपान है देख नहीं रहे हैं, इसमें बनारस का पत्ता है, इलायची दुबई की है और चूना है जापान का। इस प्रोमोशन वीडियो को भी खूब देखा जा रहा है।

मुंबई में कंपटीशन के साथ विश्वासघात बड़ी चुनौती

अजय मिश्रा ने कहा कि फिल्म इंडस्ट्री इतनी जल्द किसी को अपनाती नहीं है। बहुत कंपटीशन है। चप्पलें घिसकर यहां तक पहुंच पाया हूं। उन्होंने कहा कि यहां चुनौती तो है, इसके साथ ही विश्वासपात्र लोग मिल पाना बड़ा मुश्किल टास्क है। जिसको आगे बढ़ाने की सोचा वह आपको अगले कदम पर गिराने के लिए खड़ा है। लेकिन, इन बुराइयों को भूल जाओ तो बहुत से बेहतर लोग भी यहां हैं जो गिरते समय आपका हाथ भी पकड़ते हैं। ऐसे ही कुछ लोगों की मदद और अपनी मेहनत से यहां तक पहुंच पाया हूं।

यूं ही नहीं कहते हैं, राधा के बिना श्याम आधा

राधे-राधे और जयश्री राधे का बढ़ते महिमा गान के बीच राधा रानी के अनन्य भक्त वृंदावन के प्रसिद्ध संत प्रेमानंद महाराज द्वारा राधा नाम जप की महत्ता स्थापित करने के बाद तमाम लोगों के मन में राधा की शक्ति और भक्ति को लेकर अनेक प्रकार के प्रश्न हैं। आइए जानते हैं कि कौन हैं राधा और कैसे हुआ प्रादुर्भाव।

नमिता त्रिपाठी
लेखिका

राधा का जन्म शक्ति और भक्ति का अवतार

राधा का जन्म शक्ति और भक्ति के अवतार के रूप में हुआ। वे परम प्रेम, समर्पण और भक्ति की मूर्ति हैं। श्रीकृष्ण और राधा का संबंध जीव और परमात्मा के मिलन का प्रतीक है, इसीलिए राधा को कृष्ण से भी बढ़कर पूज्य माना जाता है, क्योंकि राधा के बिना कृष्ण की लीला अधूरी है। राधा रानी के जन्म को लेकर शास्त्रों और पुराणों का सार यही है कि राधा स्वयं श्रीकृष्ण की अनन्त शक्ति-ह्लादिनी शक्ति का अवतार हैं। उनका जन्म माता के गर्भ से नहीं बल्कि योगमाया से हुआ था। एक प्रसिद्ध मान्यता के अनुसार, रावली ग्राम (बरसाना के समीप) में वृषभानु और उनकी पत्नी कीर्ति देवी रहते थे। कीर्ति देवी धर्मपरायण होकर भी संतान-सुख से वंचित थी। एक दिन उन्होंने यमुना तट पर तपस्या की, तभी आकाशवाणी हुई, हे देवी, तुम्हें स्वयं लक्ष्मी स्वरूपा कन्या प्राप्त होगी, जो श्रीकृष्ण की अनन्त प्रेयसी और शक्ति का अवतार होगी। कुछ समय बाद कीर्ति देवी ने एक कन्या को कमल के फूल पर प्रकट होते हुए देखा। उसे वह अपने घर ले आईं। यही राधा थीं। एक अन्य किवंदती के अनुसार बाबा वृषभानु यमुना में स्नान कर रहे थे। एक कमल का फूल पानी में तैरता हुआ उनके पास आया। जिस पर राधा थीं। उन्हें वह भगवान का प्रसाद मानकर अपनी पुत्री बनाकर घर ले आए।

श्रीकृष्ण और राधा का संबंध आत्मा और परमात्मा का

कहते है, कि भगवान का असली स्वरूप भक्ति के द्वारा प्रकट होता है और राधा उस भक्ति की सर्वोच्च मूर्ति हैं। जब हम राधा का नाम लेते हैं तो हम अपने भीतर प्रेम और समर्पण को जगाते हैं और जब उस भाव के साथ कृष्ण का नाम लिया जाता है तो वह सच्ची पुकार बन जाती है। इसलिए भगवान श्रीकृष्ण के नाम के आगे राधा का नाम लेना चाहिए। श्रीकृष्ण और राधा का संबंध एक नारी और पुरुष का नहीं बल्कि आत्मा और परमात्मा का है। श्रीकृष्ण भगवान हैं, तो राधा उनकी सर्वोच्च भक्त है। इसलिए जब राधारानी का नाम पहले लिया जाता है तो इसका अर्थ होता है कि, परमात्मा तक पहुंचने के लिए हमें पहले भक्ति और प्रेम का सहारा लेना पड़ता है। बिना भक्ति के भगवान तक पहुंचना असंभव है। भक्तों की आराधना से श्रीकृष्ण तब ही खुश होते है जब भक्त प्रीति और समर्पण से उनका अनुसरण करते है। राधा रानी ने अपने जीवन में कृष्ण के प्रति पूर्ण समर्पण और निष्काम प्रेम दिखाया। उनके प्रेम में कोई स्वार्थ नहीं था। राधा ने कभी कृष्ण से कुछ मांगा नहीं बल्कि हर पल केवल उनका स्मरण और आराधना की। यही वजह है कि श्रीकृष्ण का नाम राधा नाम के बिना अधूरा है।

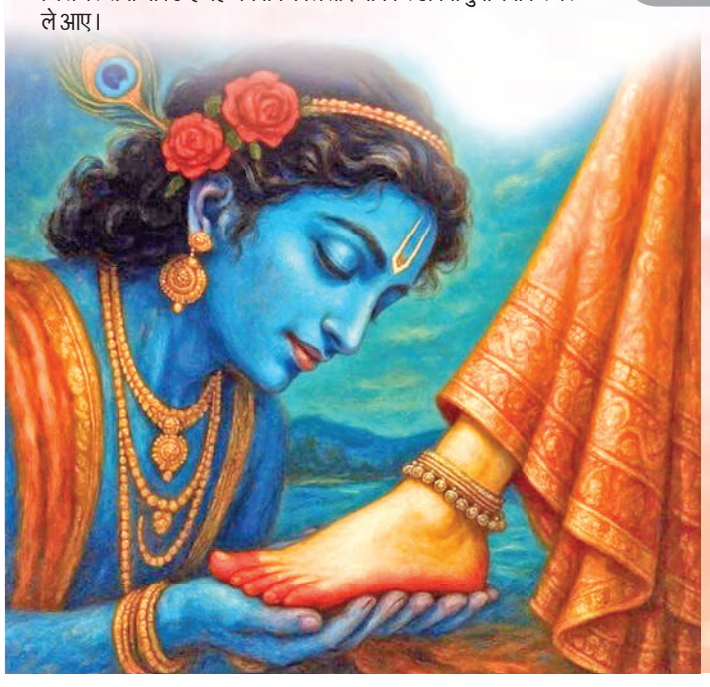

पुराणों ही नहीं, वेदों में भी है राधा रानी का गुणगान

ऋषि वेद व्यास ने भागवत की रचना की, लेकिन उसमें राधा का उल्लेख नहीं है, तो वेद व्यास की लेखनी से भागवत ही नहीं, कई अन्य पुराण भी निकले हैं, जिनमें उन्होंने राधा रानी का गुणगान किया है। पद्म पुराण में कहा गया है, हजारों लक्ष्मी राधा के ही विस्तार हैं, जो उनसे प्रकट हुई हैं। नारद पुराण में राधा रानी के बायीं ओर से महालक्ष्मी के प्रकट होने की बात है। आदि पुराण में वेद व्यास कहते हैं कि राधा शाश्वत हैं। मत्स्य पुराण में कहा गया है कि रुक्मिणी तो द्वारिका में रहती हैं, लेकिन राधा सदैव वृन्दावन में रहती हैं। देवी भागवत पुराण में सीख दी गई है कि श्रीकृष्ण से पहले राधा नाम का उच्चारण करें। ब्रह्म वैवर्तक पुराण के अनुसार श्रीकृष्ण राधा के पुरुष रूप हैं, और अंत में, वेदों में भी राधा जी का उल्लेख है। ऋग्वेद में उल्लेख है कि मैं वृषभानु (राधा के पिता) की पुत्री को प्रणाम करता हूं। राधिकोपनिषद में कहा गया है कि राधा वह सत्ता हैं, जिनके चरण कमलों की धूल को जगत के स्वामी अपने मस्तक पर धारण करते हैं।

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	82,380.69	25,239.10
बढ़त	594.95	169.90
प्रतिशत में	0.73	0.68

सोना : 1,15,100 प्रति 10 ग्राम

चांदी : 1,32,870 प्रति किलो

अमृत विचार

मुरादाबाद, बुधवार, 17 सितंबर 2025

www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

श्नाइडर इलेक्ट्रिक इन्फ्रास्ट्रक्चर की सीएफओ का इस्तीफा

नई दिल्ली। श्नाइडर इलेक्ट्रिक इन्फ्रास्ट्रक्चर की मुख्य वित्त अधिकारी (सीएफओ) सुपर्णा बनर्जी भट्टाचार्य ने कंपनी से इस्तीफा दे दिया है। बनर्जी ने बताया कि उन्होंने यह फैसला संगठन से बाहर करियर के नए अवसर तलाशने के लिए लिया है। कंपनी ने मंगलवार को शेयर बाजार को दी गई जानकारी में बताया, कंपनी के मुख्य वित्त अधिकारी के पद से सुपर्णा बनर्जी भट्टाचार्य का इस्तीफा 15 सितंबर, 2025 को कारोबारी समय की समाप्ति से प्रभावी होगा। उन्होंने कहा, मेरे इस्तीफे के पीछे संगठन के बाहर करियर के अवसर तलाशने के अलावा कोई अन्य कारण नहीं है।

टाटा मोटर्स ईवी खंड में वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए कर रही तैयारी

नई दिल्ली। घरेलू वाहन विनिर्माता टाटा मोटर्स इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) खंड में चीनी कंपनियों के साथ वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने के लिए अपने मॉडलों की कीमतों में समरूपता लाने का लक्ष्य रख रही है। कंपनी के एक शीर्ष अधिकारी ने मंगलवार को यह बात कही। टाटा मोटर्स के यात्री वाहन इलेक्ट्रिक परिवहन खंड के प्रबंध निदेशक शैलेश चंद्रा ने 'एफटी लाइव एनर्जी ट्रांजिशन समिट इंडिया' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अपनी कंपनी के ईवी लक्ष्यों का उल्लेख किया।

श्रम मंत्रालय ने पेशा वर्गीकरण पर आईएलओ के साथ किया समझौता

नई दिल्ली। सरकार ने कौशल एवं योग्यता के आधार पर विभिन्न पेशों के वर्गीकरण संबंधी मानक विकसित करने और युवाओं को वैश्विक रोजगार अवसरों का लाभ दिलाने के लिए अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) के साथ एक समझौता किया है। श्रम मंत्रालय ने मंगलवार को यह जानकारी दी। मंत्रालय ने आधिकारिक बयान में कहा कि इस समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर के अवसर पर श्रम, रोजगार एवं युवा मामलों के मंत्री मनसुख मांडविया भी ऑनलाइन माध्यम से मौजूद रहे।

व्यापार वार्ता बहाल होने की उम्मीद से झूमा बाजार

सेंसेक्स 595 अंक चढ़ा मुंबई, निफ्टी में 170 अंक की बढ़त दर्ज

मुंबई, एजेंसी

स्थानीय शेयर बाजार में मंगलवार को तेजी लौटी और बीएसई सेंसेक्स करीब 595 अंक चढ़ गया जबकि एनएसई निफ्टी में 170 अंक की बढ़त दर्ज की गई। भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर बातचीत का सिलसिला फिर से शुरू होने से बाजार ने तेजी दिखाई। बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स 594.95 अंक यानी 0.73 प्रतिशत की बढ़त के साथ 82,380.69 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 657.74 अंक तक चढ़ गया था।

एनएसई का 50 शेयरों वाला सूचकांक निफ्टी 169.90 अंक यानी 0.68 प्रतिशत चढ़कर 25,239.10 अंक पर बंद हुआ। बाजार में रौनक लौटने के पीछे का कारण भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर फिर से बातचीत का सिलसिला शुरू होना रहा। भारत और अमेरिका के मुख्य वार्ताकारों ने प्रस्तावित व्यापार समझौते से जुड़े मुद्दों को सुलझाने के लिए मंगलवार को बातचीत शुरू कर दी। इस सप्ताह होने वाली अमेरिकी फेडरल रिजर्व की नीतिगत बैठक से पहले एशियाई और अमेरिकी बाजारों में तेजी रही जिसका सकारात्मक असर घरेलू बाजार पर पड़ा। सेंसेक्स की कंपनियों में कोटक महिंद्रा बैंक, लार्सन एंड टुब्रो, महिंद्रा एंड महिंद्रा, मारुति, भारती एयरटेल और टाटा स्टील प्रमुख रूप से लाभ में रहीं। दूसरी तरफ, नुकसान में रहने वाले शेयरों में एशियन पेंट्स और बजाज फाइनेंस शामिल हैं।

आगामी फेड के नीतिगत निर्णय में प्रमुख ब्याज दर में 0.25 प्रतिशत कटौती की उम्मीद और भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता फिर से शुरू होने को लेकर नई उम्मीद बंधने और अनुकूल वैश्विक संकेतों से घरेलू बाजार में सुधार का रुख रहा। जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स लि. के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, नई जीएसटी दरों के लागू होने और त्योहारों के दौरान मांग की उम्मीद से वाहन और टिकाऊ उपभोक्ता सामान क्षेत्र के शेयरों ने बेहतर प्रदर्शन किया। व्यापक बाजार में बीएसई स्मॉलकैप सूचकांक 0.66 प्रतिशत चढ़ गया जबकि मिडकैप में 0.62 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई। क्षेत्रवार सूचकांकों में सेवा खंड 1.67 प्रतिशत की बढ़त लेने में सफल रहा जबकि दूरसंचार खंड में 1.50 प्रतिशत, वाहन खंड में 1.43 प्रतिशत और प्रौद्योगिकी खंड में 1.05 प्रतिशत की तेजी रही।

भारत बातचीत की मेज पर आ रहा है : नवारो

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन। राजधानी दिल्ली में भारतीय और अमेरिकी अधिकारियों के बीच व्यापार वार्ता से पहले व्हाइट हाउस के व्यापार सलाहकार पीटर नवारो ने कहा है कि भारत 'बातचीत की मेज पर आ रहा है। उन्होंने एक बार फिर दोहराया कि दुनिया के प्रमुख देशों की तुलना में भारत सबसे ज्यादा शुल्क लगाता है। उनकी यह टिप्पणी डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के मुख्य वार्ताकार ब्रेंडन लिंच की मंगलवार को प्रस्तावित भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर दिन भर चलने वाली वार्ता से पहले आई है। नवारो ने कहा, भारत बातचीत की मेज पर आ रहा है... शुल्क का महाराजा।

भारत और अमेरिका ने भारी शुल्कों के मुद्दों को सुलझाने के प्रयास शुरू किए

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका के मुख्य वार्ताकारों ने प्रस्तावित व्यापार समझौते पर मंगलवार को बातचीत शुरू कर दी है। इसमें निर्यातकों के लिए अनिश्चितता पैदा करने वाले भारी शुल्कों के मद्देनजर मुद्दों को सुलझाने के प्रयास किए जाएंगे। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। दक्षिण और मध्य एशिया के लिए सहायक अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि ब्रेंडन लिंच अमेरिकी टीम का नेतृत्व कर रहे हैं, जबकि वाणिज्य विभाग में विशेष सचिव राजेश अग्रवाल भारत के मुख्य वार्ताकार हैं। लिंच अपने भारतीय समकक्ष के साथ एक दिवसीय वार्ता के लिए सोमवार देर रात भारत पहुंचे। रूसी कच्चा तेल खरीदने के लिए अमेरिकी बाजार में प्रवेश करने वाले भारतीय सामान पर 25 प्रतिशत शुल्क और 25 प्रतिशत अतिरिक्त जुर्माना लगाए जाने के बाद किसी उच्च पदस्थ अमेरिकी व्यापार अधिकारी की यह पहली यात्रा है। भारत ने 50 प्रतिशत के भारी शुल्क को अनुचित बताया है। फरवरी में, दोनों देशों के नेताओं ने अधिकारियों को प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर बातचीत करने का निर्देश दिया था। समझौते के पहले चरण को 2025 की शरद ऋतु तक पूरा करने की योजना थी। अब तक पांच दौर की वार्ता हो चुकी है और छठे दौर की वार्ता, जो 25-29 अगस्त तक होनी थी, उच्च आयात शुल्क लगाए जाने के बाद स्थगित कर दी गई थी। वाणिज्य मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि लिंच और भारतीय अधिकारियों के बीच बैठक को छठे दौर की वार्ता के रूप में नहीं, बल्कि उससे पहले की बातचीत के रूप में देखा जाना चाहिए।

सोना रिकॉर्ड 1.15 लाख के पार, चांदी भी नए शिखर पर

नई दिल्ली, एजेंसी

● फेडरल रिजर्व के ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद से चमका सोना

कमजोर अमेरिकी डॉलर और फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती की बढ़ती उम्मीदों के बीच मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोने की कीमत 1,800 रुपये उछलकर 1,15,100 रुपये प्रति 10 ग्राम के नए उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, इसके अलावा 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 1,800 रुपये बढ़कर 1,14,600 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) के रिकॉर्ड उच्चस्तर पर पहुंच गयी।

स्थानीय सर्राफा बाजार में, पिछले कारोबारी सत्र में 99.9 प्रतिशत और 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 500-500 रुपये गिरकर क्रमशः 1,13,300 रुपये और 1,12,800 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (कमोडिटीज) सौमिल गांधी ने कहा, कमजोर डॉलर और फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दर कटौती की बढ़ती उम्मीदों के चलते मंगलवार को सोना एक और रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गया। इसके अलावा, मंगलवार को चांदी 570 रुपये चढ़कर 1,32,870 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गई।

रुपया आठ पैसे चढ़कर 88.08 प्रति डॉलर पर

मुंबई। अमेरिका-भारत व्यापार वार्ता के पटरी पर लौटने की उम्मीदें बढ़ने से मंगलवार को रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले आठ पैसे मजबूत होकर 88.08 प्रति डॉलर (अस्थायी) पर बंद हुआ। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि सकारात्मक घरेलू बाजारों और कमजोर डॉलर के कारण रुपये में मजबूती आई। अमेरिकी डॉलर फेडरल रिजर्व की आगामी बैठक और निराशाजनक आर्थिक आंकड़ों से पहले दो महीने के निचले स्तर पर आ गया।

सरकार ने 11.9 करोड़ टन गेहूं उत्पादन का रखा लक्ष्य

नई दिल्ली, एजेंसी

सरकार ने फसल वर्ष 2025-26 के लिए 11.9 करोड़ टन रिकॉर्ड गेहूं उत्पादन का लक्ष्य रखा है। यह पिछले वर्ष की तुलना में 3.47% अधिक है। कृषि मंत्रालय ने कहा वर्ष 2024-25 (जुलाई-जून) के लिए, सरकार ने 11.5 करोड़ टन गेहूं उत्पादन लक्ष्य रखा था। वास्तविक उत्पादन रिकॉर्ड 11.75 करोड़ टन होने का अनुमान है।

गेहूं मुख्य रबी (सर्दियों) की फसल है, जिसकी बुवाई अक्टूबर के अंत से शुरू होकर नवंबर तक चलती है। अन्य रबी फसलों में ज्वार, जौ, चना और मसूर शामिल हैं। रबी सत्र 2025-26 के लिए कुल खाद्यान्न उत्पादन लक्ष्य 17 करोड़ 11.4 लाख टन निर्धारित किया गया है। कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने दो दिवसीय राष्ट्रीय रबी सम्मेलन के अवसर पर संवाददाताओं को जानकारी देते हुए कहा कि रबी सत्र के लिए बीज और उर्वरकों की पर्याप्त आपूर्ति है। कहा कि आगामी रबी सत्र में, कृषि वैज्ञानिकों की 2,000 से अधिक टीमें तीन अक्टूबर से शुरू होने वाले विकसित कृषि संकल्प अभियान नामक रबी अभियान के माध्यम से किसानों को समय पर जानकारी और मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए उनके पास जाएंगी।

आउट ऑफ स्टॉक हुआ कॉस्मिक ऑरेंज आईफोन प्रो मैक्स-17

नई दिल्ली। कॉस्मिक ऑरेंज रंग वाले एप्पल के आईफोन प्रो मैक्स-17 की मांग में भारी उछाल आया है। कंपनी के कर्मचारियों द्वारा साझा की गई जानकारी के अनुसार, अमेरिका और भारत में कंपनी के आधिकारिक स्टोर पर इस उपकरण को लेने के लिए बुकिंग शुरू होने के तीन दिन के भीतर ही 'यह आउट ऑफ स्टॉक' हो गया है। एप्पल इंडिया वेबसाइट से प्राप्त जानकारी के अनुसार, भारत में पूरी आईफोन प्रो मैक्स श्रृंखला एप्पल स्टोर्स पर पिक-अप विकल्प के साथ पूर्व-ऑर्डर के साथ उपलब्ध नहीं है।

जीएसटी छूट को प्रमुखता से प्रदर्शित करें खुदरा विक्रेता

नई दिल्ली, एजेंसी

● वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने जारी किए निर्देश

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने खुदरा विक्रेताओं को निर्देश दिया है कि वे हाल ही में माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की दरों में किए गए संशोधन के कारण मिलने वाली छूट को प्रमुखता से प्रदर्शित करें और उसका विज्ञापन करें।

भारतीय खुदरा विक्रेता संघ को भेजे एक पत्र में, उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने कहा कि खुदरा विक्रेताओं को रसीद/बिल में जीएसटी में कमी को जीएसटी छूट के रूप में दर्शाना चाहिए और उच्च प्रभाव वाले उत्पादों पर विशेष ध्यान देना चाहिए। डीपीआईआईटी ने कहा, अपने नेटवर्क के माध्यम से वे जीएसटी के कारण छूट को प्रमुखता से प्रदर्शित करें और उसका विज्ञापन करें। उदाहरण के लिए- अपने खुदरा नेटवर्क के माध्यम से पोस्टर/फ्लायर्स और विज्ञापन के माध्यम से ऐसा किया जाना चाहिए। विभाग ने यह भी सुझाव दिया है कि इस त्योहारी सीजन के दौरान बिक्री के आंकड़ों पर नजर रखी जाए।

व्यक्तिगत स्वास्थ्य, जीवन बीमा पॉलिसी मामले में कमीशन पर जीएसटी के लिए आईटीसी का लाभ नहीं

नई दिल्ली। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने मंगलवार को कहा कि बीमा कंपनियां 22 सितंबर से व्यक्तिगत स्वास्थ्य और जीवन बीमा पॉलिसी के लिए कमीशन और ब्रोकरेज जैसे 'इनपुट' यानी कच्चे माल के लिए चुकाए गए जीएसटी पर इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) का दावा नहीं कर पाएंगी। सीबीआईसी ने 22 सितंबर से नए जीएसटी स्लैब लागू होने पर विभिन्न वस्तुओं और सेवाओं पर कराधान के बारे में स्पष्टीकरण देते हुए अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्नों (एफएक्यू) की सूची जारी की है। जीएसटी परिषद ने तीन सितंबर को अपनी बैठक में व्यक्तिगत स्वास्थ्य और जीवन बीमा पॉलिसी पर चुकाए गए प्रीमियम को जीएसटी से छूट देने का निर्णय लिया। फिलहाल इस पर 18 प्रतिशत की दर से जीएसटी लगता है। छूट 22 सितंबर से प्रभावी होगी। इस सवाल के जवाब में कि बीमा कंपनियों की कौन सी 'इनपुट' सेवाएं जीएसटी से मुक्त हैं, सीबीआईसी ने कहा कि वर्तमान में, बीमा कंपनियां कमीशन, ब्रोकरेज और पुनर्बीमा जैसे कई इनपुट और इनपुट सेवाओं पर आईटीसी का लाभ उठा रही हैं। सीबीआईसी ने कहा, इन इनपुट सेवाओं में से, पुनर्बीमा सेवाओं को छूट दी जाएगी।

राष्ट्रीय

विवाहघर बनाने के लिए श्रद्धालु मंदिरों को नहीं देते दान

सुप्रीम कोर्ट की तमिलनाडु सरकार को फटकार, कहा- मंदिर के धन को सार्वजनिक या सरकारी नहीं माना जा सकता

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को कहा कि श्रद्धालुओं द्वारा दिया गया धन विवाह समारोह स्थलों के निर्माण के लिए नहीं होता। न्यायालय ने उस आदेश पर रोक लगाने से इनकार कर दिया जिसमें कहा गया था कि मंदिर के धन को सार्वजनिक या सरकारी धन नहीं माना जा सकता। मद्रास उच्च न्यायालय की मदुरै पीठ ने तमिलनाडु के विभिन्न स्थानों पर पांच मंदिरों के धन से शादी स्थलों के निर्माण की अनुमति देने वाले सरकारी आदेशों को रद्द करते हुए फटकरा लगाई।

गत 19 अगस्त के अपने आदेश में, उच्च न्यायालय ने कहा कि विवाह समारोहों के लिए किराए पर देने के लिए मैरिज हॉल का निर्माण करने का सरकार का निर्णय धार्मिक उद्देश्यों की परिभाषा के अंतर्गत नहीं आता। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी और उसने कहा, भक्त इन विवाह स्थलों के निर्माण के लिए मंदिर को अपना धन नहीं देते हैं। यह मंदिर के सुधार के लिए हो सकता है। पीठ ने पूछा, यदि मंदिर परिसर में विवाह समारोह चल रहा हो और सभी प्रकार के अश्लील गाने बजाए जा रहे हों, तो क्या मंदिर का यही उद्देश्य है? शीर्ष अदालत ने इसके बजाय सुझाव दिया कि इस धन का उपयोग शिक्षा और चिकित्सा संस्थानों जैसे धर्मार्थ कार्यों के लिए किया जाए। वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी और अन्य वकील याचिकाकर्ताओं का प्रतिनिधित्व कर रहे थे। पीठ ने कहा कि मुद्दा यह है कि सरकार द्वारा लिया गया निर्णय सही था या गलत। हालांकि, शीर्ष अदालत ने चुनौती पर सुनवाई के लिए सहमति व्यक्त की और इसे 19 नवंबर के लिए स्थगित कर दिया। पीठ ने कहा, हम इस मामले की सुनवाई करेंगे। हम याचिकाकर्ताओं को कोई स्थगन आदेश नहीं दे रहे हैं।

उच्च न्यायालय का यह निर्णय मंदिर के धन से विवाह मंडपों के निर्माण की अनुमति देने वाले सरकारी आदेशों को चुनौती देने वाली याचिका पर आया है। सरकारी आदेशों में हिंदू धार्मिक और धर्मार्थ बंदोबस्ती विभाग के मंत्री के बयान का खुलासा किया गया है, जिन्होंने विधानसभा में बजट भाषण के दौरान मंदिर के धन से 80 करोड़ रुपये खर्च करके 27 मंदिरों में विवाह मंडपों के निर्माण की घोषणा की थी। हाईकोर्ट में याचिकाकर्ता ने तर्क दिया कि हिंदू धार्मिक और धर्मार्थ बंदोबस्ती अधिनियम और उसके नियमों के प्रावधानों के तहत, सरकार को मंदिर के धन या अधिशेष धन का उपयोग विवाह मंडपों के निर्माण के लिए करने का कोई अधिकार नहीं है।

खजुराहो में भगवान विष्णु की मूर्ति पुन: स्थापित कराने की याचिका खारिज

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने यूनेस्को की विश्व विरासतों में शुमार मध्य प्रदेश में स्थित खजुराहो मंदिर के परिसर में मौजूद जावरी मंदिर में भगवान विष्णु की सात फुट ऊंची प्रतिमा को पुन: स्थापित करने के अनुरोध से जुड़ी एक याचिका मंगलवार को खारिज कर दी। अदालत ने कहा कि यह याचिका चर्चा में आने के लिए दायर की गई है। प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्र ने राकेश दलाल नामक व्यक्ति की याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया, जिसमें छतरपुर जिले के जावरी मंदिर में क्षतिग्रस्त मूर्ति को बदलने और उसकी प्राण प्रतिष्ठा कराने का अनुरोध किया गया था। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, यह पूरी तरह से प्रचार पाने के लिए दायर याचिका है... जाकर स्वयं भगवान से कुछ करने के लिए कहिए। अगर आप कह रहे हैं कि आप भगवान विष्णु के प्रति गहरी आस्था रखते हैं, तो प्रार्थना करें और थोड़ा ध्यान लगाएं।

मोदी को उपहार में मिली 1,300 से अधिक वस्तुओं की आज से की जाएगी ई-नीलामी

नई दिल्ली, एजेंसी

पेंटिंग, कलाकृतियां, मूर्तियां, देवी-देवताओं की मूर्तियां शामिल

शेखावत ने कहा कि प्रधानमंत्री को मिले 1,300 से ज्यादा उपहारों की ऑनलाइन नीलामी की जाएगी। इन वस्तुओं में पेंटिंग, कलाकृतियां, मूर्तियां, देवी-देवताओं की मूर्तियां और कुछ खेल सामग्री शामिल हैं। मोदी देश के ऐसे पहले प्रधानमंत्री हैं जिन्होंने अपने सभी स्मृति चिह्न इस नेक काम के लिए समर्पित कर दिए हैं। ई-नीलामी में, कढ़ाई वाली पश्मीना शॉल, राम दरबार की तंजौर पेंटिंग, नटराज मूर्ति, गुजरात की रोगन कला, एक हाथ से बुनी हुई नगा शॉल आदि शामिल की गई हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को उपहार में मिली 1,300 से अधिक वस्तुओं की यहां सत्रह सितंबर से दो अक्टूबर तक ई-नीलामी की जाएगी। इनमें राम दरबार की तंजौर पेंटिंग, धातु की नटराज प्रतिमा और हाथ से बुनी हुई नगा शॉल शामिल हैं। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। ऑनलाइन नीलामी के सातवें संस्करण की शुरुआत मोदी के जन्मदिन पर होगी, जो बुधवार को 75 वर्ष के हो जाएंगे।

केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने यहां राष्ट्रीय आधुनिक कला संग्रहालय (एनजीएमए) में आयोजित एक प्रेस वार्ता में, प्रधानमंत्री के स्मृति चिह्नों की ई-नीलामी के नवीनतम संस्करण की शुरूआत किये जाने की घोषणा की। ई-नीलामी का पहला संस्करण जनवरी 2019 में आयोजित किया गया था। मंत्रालय ने एक बयान में कहा, तब से, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को भेंट किये गए हजारों अद्वितीय उपहारों की नीलामी की जा चुकी है, जिनसे नमामि गंगे परियोजना के समर्थन में 50 करोड़ रुपये से अधिक की राशि जुटाई गई है।

केंद्र से सुप्रीम कोर्ट ने कहा- जजों को सुविधाएं नहीं दे सकते तो अधिकरणों को समाप्त कर दें

नई दिल्ली, एजेंसी

● कहा-- वे आवेदन क्यों कर रहे हैं, साक्षात्कार क्यों दे रहे हैं और फिर कार्यभार क्यों नहीं संभाल रहे हैं

उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की सेवानिवृत्ति के बाद, अधिकरणों में उनके पदभार ग्रहण करने को इच्छुक नहीं होने के लिए सुविधाओं की कमी को जिम्मेदार ठहराया और कहा कि यदि सरकार स्थिति में सुधार करने में असमर्थ है, तो ऐसे सभी अर्ध-न्यायिक निकायों को समाप्त कर देना जाना चाहिए।

न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने कहा कि अगर केंद्र सरकार सुविधाएं नहीं दे सकती, तो उसे सभी अधिकरणों को समाप्त कर देना चाहिए और सभी मामलों को उच्च न्यायालयों में भेज देना चाहिए। न्यायालय ने कहा, वे आवेदन क्यों कर रहे हैं, साक्षात्कार क्यों दे रहे हैं और फिर कार्यभार क्यों नहीं संभाल रहे हैं? एक कारण यह है, उन्हें तब जाकर इसकी वास्तविकता का पता चलता है कि अधिकरण का सदस्य होना क्या होता है।

उनमें से कुछ, अगर वे अध्यक्ष होते हैं, तो वे उच्च न्यायालयों के पूर्व मुख्य न्यायाधीश या उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश होते हैं। उन्हें कोई भी सुविधा नहीं दी जाती। यहां तक कि स्टेशनरी के लिए भी उन्हें लगातार अनुरोध करना पड़ता है। आप अधिकरणों के साथ कैसा व्यवहार कर रहे हैं? दोष आपका (केंद्र का) है। आपने ही अधिकरण बनाए हैं। पीठ ने अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल विक्रमजीत बनर्जी से कहा, संसद ने अधिनियम पारित किए हैं। न्यायिक प्रभाव पर ध्यान नहीं दिया गया है। कोई खर्च नहीं दिया गया है।

उन्हें दूसरों के भरोसे रहना पड़ता है- हमें स्टेशनरी दो, हमें आवास दो, हमें यह दो, हमें कार दो। आपके विभाग की सबसे खटारा कार अधिकरण के अध्यक्ष को दी गई है। न्यायालय ने कहा, आप पूर्व मुख्य न्यायाधीशों और पूर्व न्यायाधीशों के साथ कैसा व्यवहार कर रहे हैं? इसलिए, उनके पास इसे (अधिकरण में पदभार) स्वीकार न करने का एक कारण है, क्योंकि वास्तविकता उनके सामने आ गई है।

आरोपियों पर सबूतों से छेड़छाड़ के आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी

वित्त मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी की मोटरसाइकिल को टक्कर मारने वाली बीएमडब्ल्यू कार चलाने के आरोप में गिरफ्तार महिला और उसका पति मोटरसाइकिल सवार घायल दंपति को दूर स्थित एक अस्पताल ले जाते समय पुलिस को सूचित करने में विफल रहे, जिसके बाद जांचकर्ताओं ने दोनों के खिलाफ गैर इरादतन हत्या और सबूतों से छेड़छाड़ के आरोप जोड़े हैं। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

वित्त मंत्रालय के आर्थिक कार्य विभाग में उप सचिव सिंह (52) की मोटरसाइकिल को रविवार दोपहर एक बीएमडब्ल्यू कार ने टक्कर मार दी थी। वह अपनी पत्नी के साथ गुरुद्वारा बंगला साहिब से घर लौट रहे थे। इस घटना में सिंह की मौत हो गई, जबकि

बीएमडब्ल्यू दुर्घटना

उनकी पत्नी गंभीर रूप से घायल हैं। घटना के दौरान कार चला रही गगनप्रीत के साथ उसके पति, दो बच्चे और एक घरेलू सहायिका भी थी। गुरुग्राम में रहने वाला यह परिवार विनिर्माण का कारोबार करता है। मामले में बीएनएस की धारा 281 125बी (दूसरों की जान या व्यक्तिगत सुरक्षा को खतरे में डालना), 105 (गैर इरादतन हत्या) और 238 (सबूतों को मिटाना) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है।

विदेश में बैठे नशे के सौदागरों के खिलाफ कार्रवाई जरूरी : शाह

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि अब समय आ गया है कि विदेश में बैठकर भारत में मादक पदार्थों का कारोबार करने वालों को कानून के दायरे में लाया जाए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि नरेन्द्र मोदी सरकार देश से सभी प्रकार के मादक पदार्थों का सफाया करने के लिए प्रतिबद्ध है। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मादक पदार्थ रोधी कार्य बल (एएनटीएफ) प्रमुखों के दूसरे राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने यह भी कहा कि पान की दुकानों या खोखों में मादक पदार्थ की पुड़िया (छोटे पैकेट) बेचकर तस्करी करने वाले मादक पदार्थ से जुड़े गिरोह के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। शाह ने कहा कि मादक पदार्थ के खिलाफ लड़ाई में त्रिकोणीय रणनीति अपनानी होगी।

जाति, भाषा व अन्य मुद्दों पर बांटने की हो रही है कोशिश

नई दिल्ली, एजेंसी

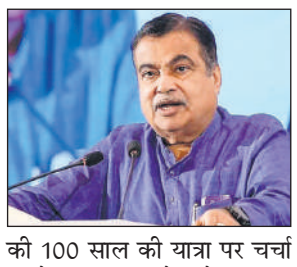

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने मंगलवार को कहा कि जाति, भाषा और अन्य चीजों के नाम पर समाज को बांटने की कोशिश की जा रही है और उन्होंने इसे लेकर चिंता भी जताई। यहां एक पुस्तक विमोचन समारोह को संबोधित करते हुए गडकरी ने कहा कि देश तभी प्रगति करेगा और मजबूत बनेगा, जब उसके लोग एकजुट रहेंगे।

केंद्रीय मंत्री ने कहा, मुझे लगता है कि आज पिछड़ापन एक राजनीतिक स्वार्थ बनता जा रहा है। हर कोई कहता है, मैं पिछड़ा हूं, मैं पिछड़ा हूं जाति, भाषा और हर चीज के नाम पर समाज को तोड़ने की कोशिश की जा रही है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की 100 साल की यात्रा पर चर्चा करते हुए, भाजपा नेता ने कहा कि विरोधियों ने भी कई मौकों पर संघ को जातिवादी और सांप्रदायिक कहकर बदनाम किया है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि संघ में किसी की जाति नहीं पूछी जाती। संघ में कोई भेदभाव, छुआछूत नहीं है। गडकरी ने कहा, हम दुनिया में सभी के कल्याण और प्रगति की कामना करते हैं, यहां तक कि उन लोगों की भी जो हमारा विरोध करते हैं।

वर्ल्ड ब्रीफ

ऑस्कर विजेता निर्देशक रॉबर्ट रेडफोर्ड का निधन

प्रोवो। ऑस्कर विजेता अभिनेता, निर्देशक और सनडांस के संस्थापक तथा स्वतंत्र सिनेमा के जनक रॉबर्ट रेडफोर्ड का मंगलवार को निधन हो गया। वह 89 वर्ष के थे। प्रचारक सिंडी बर्गर ने एक बयान में कहा, रेडफोर्ड का निधन उताह के पहाड़ों में स्थित उनके आवास पर हुआ। वर्ष 1960 के दशक में पहचान बनाने वाले रेडफोर्ड 70 के दशक के सबसे बड़े सितारों में से एक थे, जिन्होंने 'द कैंडिडेट', 'ऑल द प्रेसिडेंट्स मैन' और 'द वे वी वर' जैसी फिल्मों में काम किया। रेडफोर्ड ने 1980 में आई फिल्म 'ऑर्डिनरी पीपल' के लिए सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का ऑस्कर पुरस्कार जीता था।

पाकिस्तान में पोलियो टीम के 3 सदस्य अगवा

पेशावर। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में हथियारबंद लोगों ने पोलियो निगरानी टीम के तीन सदस्यों का अपहरण कर लिया। यह घटना सोमवार को दक्षिणी वजीरिस्तान की सीमा से लगे टैंक जिले यूनियन काउंसिल ऑफ उमरखेल में हुई। जिला निगरानी अधिकारी डॉ. इहसानुल्लाह उन लोगों में शामिल हैं, जिनका अपहरण किया गया। पुलिस के अनुसार, विश्व स्वास्थ्य संगठन से संबद्ध पोलियो निगरानी दल, 15 से 18 सितंबर तक यूनियन ऑफ काउंसिल में चार दिवसीय पोलियो विरोधी अभियान की निगरानी कर रहा था।

जेलेंस्की ने यूरोपीय वायु रक्षा प्रणाली मांगी

कीव। रूसी सेना ने दक्षिणी यूक्रेनी शहर ज़ापोरिज्जिया पर रात भर रॉकेट से बमबारी की, जिसमें दो बच्चों सहित 13 लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने मंगलवार यह जानकारी। वहीं, राष्ट्रपति वोलोदिमिर ज़ेलेंस्की ने यूरोपीय नेताओं से महाद्वीप को सुरक्षित बनाने के लिए एक महत्वाकांक्षी वायु रक्षा प्रणाली तैयार करने की गुजारिश की। ज़ेलेंस्की ने टेलीग्राम पर कहा कि पिछले दो सप्ताह में रूस ने यूक्रेन के भीतर लक्ष्यों पर 3,500 से अधिक ड्रोन, 2,500 से अधिक शक्तिशाली ग्लाइड बम और लगभग 200 मिसाइलें दागी हैं।

चीन ने इंटरनेट के लिए उपग्रह प्रक्षेपित किया

जिउक्वान। चीन ने मंगलवार को देश के उत्तर-पश्चिम में स्थित जिउक्वान उपग्रह प्रक्षेपण केंद्र से उपग्रह इंटरनेट तकनीक के लिए एक परीक्षण उपग्रह को अंतरिक्ष में प्रक्षेपित किया। उपग्रह को सुबह 9:06 बजे लॉन्ग मार्च-2सी वाहक रॉकेट के जरिए प्रक्षेपित किया गया, जिसमें युआनझेंग-1एस (एक्सपीडिशन-1एस) का ऊपरी चरण रॉकेट से जुड़ा हुआ था। उपग्रह अपनी पूर्व निर्धारित कक्षा में पहुंच गया है। यह लॉन्ग मार्च वाहक रॉकेट श्रृंखला का 595वाँ उड़ान मिशन था।

ट्रंप ने न्यूयॉर्क टाइम्स पर किया 15 अरब डॉलर का मानहानि का केस

न्यूयॉर्क, एजेंसी

● चुनाव से पहले दुर्भावनापूर्ण मानहानि करने का आरोप

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने न्यूयॉर्क टाइम्स अखबार और उसके चार पत्रकारों के खिलाफ सोमवार को 15 अरब डॉलर का मानहानि का मुकदमा दायर किया है। अदालत के दस्तावेजों से यह जानकारी मिली।

फ्लोरिडा स्थित अमेरिकी जिला न्यायालय में दायर मुकदमे में अखबार के दो पत्रकारों द्वारा लिखे गए और 2024 के चुनाव से पहले प्रकाशित कई लेखों और एक किताब का जिक्र है। इसमें कहा गया है कि ये ट्रंप के खिलाफ दुर्भावनापूर्ण मानहानि करने की न्यूयॉर्क टाइम्स की दशकों पुरानी प्रवृत्ति का हिस्सा हैं। प्रतिवादियों ने ऐसे बयानों को लापरवाही से, बयानों के झूठ होने की जानकारी के साथ और/या उनकी सच्चाई या झूठ की बेपरवाही से अनदेखी करते हुए प्रकाशित किया। मुकदमे की घोषणा करते हुए 'ट्रुथ सोशल' पर एक पोस्ट में, ट्रंप ने न्यूयॉर्क टाइम्स पर उनके बारे में झूठ बोलने और उन्हें बदनाम करने का आरोप लगाया और कहा कि यह रेडिकल लेफ्ट डेमोक्रेट पार्टी का एक आभासी मुखपत्र बन गया है।

सबसे धीमे शहर भारत में

भारत के शहरों में ट्रैफिक जाम में कब कोई एंबुलेंस फंस जाए और कब किसी की जान चली जाए, कुछ नहीं कहा जा सकता। ट्रैफिक जाम पर कई शोध हुए जिनसे पता चलता है कि भारत के प्रमुख शहर दुनिया के सबसे धीमे शहरों में शामिल हैं। कोलकाता, बेंगलुरु, पुणे, हैदराबाद और चेन्नई जैसे शहर ट्रैफिक जाम से गंभीर रूप से प्रभावित हैं। इस समस्या के कारणों में बढ़ती आबादी और वाहनों की संख्या, अपर्याप्त सार्वजनिक परिवहन, और सड़कों पर बेतहाशा अतिक्रमण शामिल है। ट्रैफिक जाम लोगों के समय और पैसे की बर्बादी का भी बड़ा कारण बन चुका है। प्रदूषण इसका सबसे बड़ा साइड इफेक्ट है जो सीधे तौर पर सार्वजनिक स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव डालता है। सरकार की ओर से फिलहाल इस विकराल समस्या के समाधान के लिए न गंभीरता दिखती है, न ही पर्याप्त कोशिशें।

कितनी बड़ी मुसीबत

- वर्ष 2016, गुरुग्राम में एनएच 48 पर 20 घंटे तक ट्रैफिक जाम रहा जिसमें लाखों लोग फंसे रहे।
- वर्ष 2018 मुंबई अंधेरी ब्रिज गिरा, ट्रैफिक जाम की वजह से एंबुलेंस और बचाव दल नहीं पहुंचे।
- वर्ष 2020–21 के कोविड काल में ट्रैफिक जाम में एंबुलेंसों के फंसने से कई मरीजों की मौत हुई।
- वर्ष 2022 में बेंगलुरु में भारी बारिश के दौरान आईटी कॉरिडोर में कई किलोमीटर लंबा जाम।
- वर्ष 2023 में दिल्ली-गुरुग्राम टोल पर कई घंटों तक जाम लगा जिसमें कई मरीजों की मौत हो गई।

ट्रैफिक जाम की समस्या पूरे देश में

क्यों इस कदर जाम होती हैं सड़कें

- मिनिस्ट्री ऑफ रोड ट्रांसपोर्ट एंड हाईवे और नीति आयोग के मुताबिक भारतीय महानगरों में हर साल 7 से 10% की दर से निजी वाहन बढ़ रहे हैं।
- वाहनों के पंजीकरण की तुलना में सड़क नेटवर्क की लंबाई काफी कम है, इन पर बसें, मेट्रो, लोकल ट्रेन जैसे पब्लिक ट्रांसपोर्ट की भी कमी है।
- अनियोजित हाउसिंग और कम चौड़ी सड़कों के कारण अनियंत्रित शहरीकरण, इन पर अवैध पार्किंग की वजह से सड़कें और संकरी हो जाती हैं।
- नियमों के पालन की कमी भी बड़ा कारण, भारत में लेन अनुशासन नहीं, गलत जगह पर रुकना और वाहनों को पार्क करने से जाम लगता है।

वाहन और सड़कें

- 1951 में भारत में लगभग 3 लाख वाहन थे जो 2001 में 5.5 करोड़ हो गए।
- मिनिस्ट्री ऑफ रोड ट्रांसपोर्ट एंड हाईवे के मुताबिक 2023 तक 40 करोड़ से अधिक वाहन हो गए हैं।
- भारत 64 लाख किमी का दुनिया का दूसरा बड़ा सड़क नेटवर्क है लेकिन सड़कें संकरी और भीड़भरी।
- दिल्ली जैसे शहर में वाहनों की संख्या 1.4 करोड़ से ऊपर है लेकिन सड़क नेटवर्क लगभग स्थिर है।

पैसे-समय की बड़ी बर्बादी

- नीति आयोग के अनुसार दिल्ली-बेंगलुरु-मुंबई में ट्रैफिक जाम से हर साल 1.5–2 लाख करोड़ रुपये का नुकसान होता है।
- टॉम टॉम ट्रैफिक इन्डेक्स 2022 के मुताबिक बेंगलुरु के लोग रोजाना औसतन 70 से 80 मिनट तक जाम में फंसते हैं।
- स्टॉप एंड गो ट्रैफिक से उत्सर्जन दो से तीन गुना तक बढ़ता है। सीएसई के मुताबिक ट्रैफिक से 40% शहरी प्रदूषण होता है।
- तनाव, उच्च रक्तचाप और श्वसन रोगों जैसे स्वास्थ्य दुष्प्रभाव भी ट्रैफिक जाम के कारण।

सरकारी प्रयास

राष्ट्रीय शहरी परिवहन नीति 2006 में सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देने का प्रावधान किया गया है। स्मार्ट सिटी मिशन के तहत इंटेलिजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट, ई-बस, स्मार्ट सिग्नल लेकिन कई जगह विफल। मेट्रो रेल नीति 2017 के तहत शहरों में मेट्रो विस्तार और टोल पर जाम कम करने के लिए फास्टैग। प्रदूषण और तेल खपत घटाने के लिए ई-वाहन नीति।

गाजा पर कब्जे की तैयारी शुरू, इजराइल ने बड़े पैमाने पर शुरू किए जमीनी हमले

रात भर हुई बमबारी में 20 की मौत और 90 से ज्यादा घायल, कई इमारतें मलबे में तब्दील

यरुशलम, एजेंसी

गाजा में रात भर हुए हवाई हमलों के बीच इजराइल की सेना ने मंगलवार को घोषणा की कि गाजा शहर में हमास के सैन्य बुनियादी ढांचे को नष्ट करने के लिए उसका विस्तारित अभियान शुरू हो चुका है। सेना ने गाजा के लोगों को दक्षिण की ओर जाने की भी चेतावनी दी। गाजा पर इसके साथ कब्जे के लिए जमीनी हमले भी शुरू कर दिए गए हैं। ताजा हमलों में 20 की मौत और 90 से ज्यादा के घायल होने की खबर है।

संयुक्त राष्ट्र ने सोमवार को अनुमान लगाया था कि पिछले एक महीने में दो लाख 20 हजार से अधिक फलस्तीनी उत्तरी गाजा से पलायन कर चुके हैं। इजराइल की सेना ने बड़ा अभियान शुरू करने से पहले लोगों को गाजा शहर छोड़ देने के लिए चेताया था। इससे पहले गाजा शहर के आसपास के क्षेत्र में करीब 10 लाख फलस्तीनी रह रहे थे। गाजा के शिफा अस्पताल ने बताया है कि वहां 20 लोगों के शव और 90 घायलों को लाया गया है। दूसरी ओर गाजा में बंधक बनाए गए बंधकों के परिवारों ने प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के आवास के बाहर एकत्र होकर गाजा में अभियान रोकने की गुहार लगाई।

गाजा शहर में इजराइली हवाई हमलों के बाद आसमान में छाया धुआं।

गाजा में नरसंहार कर रहा है इजराइल : संयुक्त राष्ट्र

जिनेवा। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद की ओर से नियुक्त स्वतंत्र विशेषज्ञों की एक टीम ने मंगलवार को जारी रिपोर्ट में कहा है कि इजराइल गाजा में नरसंहार कर रहा है। टीम ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से इसे रोकने तथा दोषियों को दंडित करने की अपील की है। तीन सदस्यीय टीम द्वारा तैयार की गई यह विस्तृत और दस्तावेज़ आधारित रिपोर्ट प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की सरकार पर अब तक के सबसे गंभीर आरोपों में शामिल है। गाजा में जारी इजराइली अभियान में हजारों लोगों की मौत हो चुकी है। इजराइल ने इस रिपोर्ट को तोड़मरोड़कर तैयार की गई झूठी रिपोर्ट बताते हुए खारिज कर दिया है। कब्जे वाले फलस्तीनी क्षेत्र और इजराइल पर गठित जांच आयोग ने रिपोर्ट में कहा कि उसने 7 अक्टूबर 2023 को हमास द्वारा इज़राइल में किए गए हमले के बाद से गाजा और अन्य फलस्तीनी क्षेत्रों में कथित मानवाधिकार उल्लंघनों का बार-बार दस्तावेजीकरण किया है।

गाजा जल रहा है, मिशन पूरा होने तक तरस नहीं खाएंगे: इजराइली रक्षामंत्री

गाजा शहर में हवाई हमलों और बमबारी के बाद इजरायल के रक्षा मंत्री इजरायल काट्ज़ ने मंगलवार सुबह एक बयान में कहा गया कि गाजा जल रहा है। काट्ज ने कहा कि आईडीएफ आतंकवादी बुनियादी ढांचों पर कड़े हमला कर रही है और हमास को हराने और बंधकों की रिहाई की दिशा में काम कर रही है। काट्ज ने कहा, जब तक मिशन पूरा नहीं हो जाता हम न तरस खाएंगे और न पीछे हटेंगे। फलस्तीन की आधिकारिक समाचार एजेंसी वाफा ने बताया कि इजराइली सेना सोमवार रात से गाजा शहर पर लगातार हमले कर रही है। इजराइल के लड़ाकू विमान बिना रुके लगातार हमले कर रहे हैं।

समय निकलता जा रहा है: रूबियो

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कतर रवाना होने से पहले इजराइल में पत्रकारों से बात करते हुए संकेत दिया कि गाजा शहर पर आक्रमण शुरू हो गया है। हमें लगता है कि हमारे पास समझौते के लिए बहुत कम समय बचा है। शायद कुछ दिन या कुछ हफ्ते। उन्होंने गाजा के लिए तीव्र सैन्य अभियान से उत्पन्न खतरों को स्वीकार करते हुए कहा, हमारी प्राथमिकता यह है कि यह बातचीत के जरिए और समाधान के जरिए समाप्त हो।

इजराइल को अंतरराष्ट्रीय खेलों से किया जाए प्रतिबंधित : स्पेन

मैड्रिड। स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज ने इजराइल को अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं से बाहर करने का आह्वान किया है। उन्होंने अपनी पार्टी के निर्वाचित प्रतिनिधियों से कहा, इजराइल अपने गलत कार्यों पर पर्दा डालने को किसी अंतरराष्ट्रीय मंच का इस्तेमाल नहीं कर सकता। 2022 में यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के लिए इजराइल के साथ भी वैसा ही व्यवहार किया जाना चाहिए जैसा रूस के साथ किया गया है।

लाड़लों को अंतिम विदाई

नेपाल में सरकार के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान मारे गए कुछ जेन जी युवाओं का मंगलवार को काठमांडू के पशुपति आर्यघाट में राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। परिजनों की आंखें इस दौरान आंसुओं से भीगी रहीं। गृहमंत्री ओमप्रकाश आर्यल भी इन युवाओं को अंतिम विदाई देने पहुंचे।

बाइडन प्रशासन आरोपी को रिहा न करता तो न मारे जाते नागमल्लैया

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन। अमेरिकी कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने कहा है कि डलास में भारतीय मूल के एक होटल प्रबंधक की नृशंस तरीके से हत्या कभी नहीं होती, अगर पूर्ववर्ती बाइडन प्रशासन आरोपी को देश में रिहा नहीं करता।

अमेरिकी आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, एक होटल प्रबंधक की उसके परिवार के सामने क्यूबा से आए एक अवैध विदेशी ने हत्या कर दी। क्यूबा ने दोषी ठहराए गए इस अपराधी को स्वीकार करने से इन्कार कर दिया, इसलिए बाइडन प्रशासन ने राष्ट्रपति ट्रंप के पदभार ग्रहण करने से एक हफ्ते पहले उसे अमेरिकी सड़कों पर छोड़ दिया। चंद्र नागमल्लैया की डाउनटाउन सूट्स मोटल में उनके सहकर्मी योर्डानिस कोबोस-मार्टिनेज ने वाशिंग मशीन को लेकर हुए एक विवाद के बाद हत्या कर दी। कोबोस-मार्टिनेज क्यूबाई नागरिक है और उसका हिंसक आपराधिक इतिहास है।

फिलीपींस के पोत ने चीनी जहाज को मारी टक्कर, तनाव

बीजिंग। दक्षिण चीन सागर में मंगलवार सुबह फिलीपींस के एक जहाज ने जानबूझकर एक चीनी तट रक्षक जहाज को टक्कर मार दी। सीसीजी प्रवक्ता ने कहा कि मंगलवार को फिलीपींस के दस पोत चीन के हुआंग्यान दाओ के पास चीनी जलक्षेत्र में घुस आए। सीसीजी ने कानून के मुताबिक उन्हें चेतावनी दी और उन पर पानी की बौछार की। सुबह करीब 10 बजे एक फिलीपीनी पोत ने चेतावनी को नजरंदाज करते हुए एक जहाज को जोरदार टक्कर मारी।

रूस ने परमाणु शक्ति का प्रदर्शन किया, नाटो के साथ तनाव बढ़ा

मास्को। रूस ने बेलारूस के साथ संयुक्त सैन्य अभ्यास के दौरान अपनी पारंपरिक और परमाणु सैन्य क्षमता का प्रदर्शन किया, इससे पूर्वी यूरोप में नाटो के साथ तनाव और गहरा हो गया।

हाल के सप्ताहों में कई घटनाओं ने क्षेत्रीय अस्थिरता को और बढ़ा दिया है। इनमें पोलैंड में रूसी ड्रोन के प्रवेश को वहां के अधिकारियों ने जानबूझकर किया गया उकसावा करार दिया है। जवाब में नाटो ने पूर्वी हिस्से में वायु रक्षा तंत्र को मजबूत किया है। रूस और बेलारूस के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास जापाद 2025 में परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम बमवर्षकों, युद्धपोतों, हजारों सैनिकों और सैकड़ों युद्ध वाहनों ने भाग लिया।

● नाटो महासचिव ने स्पेन व ब्रिटेन की सुरक्षा पर जताई चिंता

अभ्यास में दुश्मन के हमले की स्थिति में संयुक्त जवाबी कार्रवाई की तैयारी की गई, जिसमें परमाणु हथियारों के उपयोग की योजना और रूस की नई 'ओरेशनिक' इंटरमीडिएट रेंज बैलिस्टिक मिसाइल का इस्तेमाल भी शामिल है। नाटो महासचिव मार्क रुटे ने मास्को की हाइपरसोनिक मिसाइल क्षमताओं का उल्लेख करते हुए कहा अब यह मान लेना सही नहीं होगा कि स्पेन या ब्रिटेन, एस्तोनिया या लिथुआनिया की तुलना में अधिक सुरक्षित हैं।

नेपाल में प्रधानमंत्री कार्की से मिले भारत के राजदूत नवीन

काठमांडू। नेपाल में भारत के राजदूत नवीन श्रीवास्तव ने नवनियुक्त अंतरिम प्रधानमंत्री सुशीला कार्की से यहां सिंह दरबार स्थित उनके कार्यालय में मंगलवार को मुलाकात की और उन्हें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का बधाई संदेश दिया। नेपाल के विदेश मंत्रालय ने 'एक्स' पर पोस्ट किया कि राजदूत श्रीवास्तव ने प्रधानमंत्री मोदी की ओर से अपने नेपाली समकक्ष को अंतरिम सरकार की नेता के रूप में उनकी नियुक्ति पर बधाई संदेश दिया। अपने संदेश में मोदी ने दोनों देशों के बीच सहयोग और मैत्री के संबंधों को और मजबूत करने के लिए मिलकर काम करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

ट्रंप के दावे को आखिरकार पाकिस्तान ने भी किया खारिज

उपप्रधानमंत्री ने पहली बार किया स्वीकार- भारत ने कभी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता को नहीं किया मंजूर

नई दिल्ली, एजेंसी

पाकिस्तान के उप-प्रधानमंत्री एवं विदेश मंत्री इशाक डार ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य कार्रवाई रुकवाने में मध्यस्थता करने के अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दावे को खारिज किया है। डार ने मंगलवार को कतर में अल-जज़ीरा को दिए साक्षात्कार में पहली बार स्वीकार किया कि भारत ने कभी दोनों देशों के बीच के मुद्दे में किसी तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप को स्वीकार नहीं किया है।

डार ने कहा कि पाकिस्तान ने अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के समक्ष जब युद्ध विराम का मुद्दा उठाया था तो उन्होंने कहा कि भारत का हमेशा यह मानना रहा है कि पाकिस्तान के साथ सभी मुद्दे पूरी तरह द्विपक्षीय हैं। अमेरिका ने मई में संघर्ष रुकवाने का प्रस्ताव रखा था और कहा था कि भारत पाकिस्तान के बीच वार्ता किसी तटस्थ स्थान पर हो सकती है, लेकिन 25 जुलाई को वाशिंगटन में रुबियो के साथ बैठक में बताया गया कि भारत इस पर सहमत नहीं था।

भारत आगे बढ़े तो बातचीत के लिए अब भी तैयार

डार ने कहा कि अगर भारत आगे बढ़े तो पाकिस्तान अब भी बातचीत के लिए तैयार है। उन्होंने कहा, भारत का कहना है कि यह एक द्विपक्षीय मुद्दा है। हम किसी चीज़ की भीख नहीं मांग रहे हैं। हम एक शांतिप्रिय देश हैं और हमारा मानना है कि बातचीत ही आगे बढ़ने का रास्ता है, लेकिन बातचीत के लिए दो लोगों की ज़रूरत होती है। इस दौरान जब उनसे पूछा गया कि क्या आप तीसरे पक्ष की भागीदारी के लिए तैयार हैं तो उन्होंने कहा, हमें बातचीत में तीसरे के शामिल होने पर कोई आपत्ति नहीं है। हमें द्विपक्षीय वार्ता पर भी कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन बातचीत में आतंकवाद, व्यापार और जम्मू-कश्मीर सभी मुद्दों को शामिल किया जाना चाहिए।

भारतीय मिसाइल हमलों में मसूद के परिवार के टुकड़े-टुकड़े हो गए

लाहौर। जैश-ए-मोहम्मद के एक कमांडर ने स्वीकार किया है कि सात मई को पाकिस्तान के बहावलपुर स्थित संगठन मुख्यालय पर भारतीय मिसाइल हमलों में आतंकवादी समूह के प्रमुख मसूद अजहर के परिवार के टुकड़े-टुकड़े हो गए। मंगलवार को एक यूट्यूब चैनल पर अपलोड किए गए वीडियो में जैश-ए-मोहम्मद कमांडर इलियास कश्मीरी को भारतीय हमले के खिलाफ जहर उगलते सुना जा सकता है, जिसमें अजहर के परिवार के सदस्य मारे गए थे। साथ ही वह पड़ोसी देशों में पाकिस्तान के लिए लड़ने की शेखी भी बघार रहा है। यह वीडियो 6 सितंबर को पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में हुए मिशन मुस्तफा सम्मेलन का बताया जा रहा है। कई बंदूकधारियों के बीच खड़े जैश कमांडर ने कहा, इस देश की वैचारिक-भौगोलिक सीमाओं की रक्षा के लिए, हमने दिल्ली, काबुल और कंधार पर हमला किया, जिहाद छेड़ा। और अपना सब कुछ कुर्बान करने के बाद सात मई को बहावलपुर में मौलाना मसूद अजहर के परिवार के सदस्यों को (भारतीय हमलों में) टुकड़े-टुकड़े कर दिया गया।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति: 17 सितंबर, बुधवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-आश्विन, पक्ष-कृष्ण पक्ष, एकादशी 11.39 तक तत्पश्चात द्वादशी।

आज का पंचांग

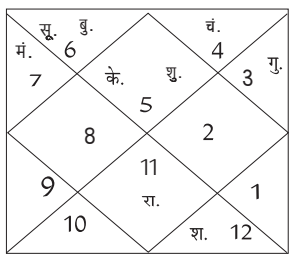

दिशाशूल- उत्तर, ऋतु- शरद।
चन्द्रबल- वृषभ, कर्क, कन्या, तुला, मकर, कुम्भर।
ताराबल-भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र-पुनर्वसु 06.26 तक तत्पश्चात पुष्य।

मेष — आज प्रेम-संबंधों में गलतफहमियां आने की आशंका है। मेहनत से किए गए कार्यों में सफलता मिलेगी। सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। कुछ मित्र आपसे नाराज हो सकते हैं। भारी उद्योग से जुड़े लोगों को मशीनरी से संबंधित समस्या हो सकती है।

वृष — आज आपके स्वाभिमान और आत्मबल में वृद्धि होगी। परिवार में अनुशासन बनाए रखें। सभी कार्यों को योजनाबद्ध तरीके से करें। सोशल मीडिया के माध्यम से शुभ सूचना मिल सकती है। भाई-बहनों के साथ अपना व्यवहार अच्छा रखें।

मिथुन — आज परिवार में उत्सव का वातावरण रहेगा। आवश्यक कार्यों को दिन के पहले भाग में ही पूर्ण कर लेना हितकर होगा। बच्चे आज मस्ती के मूड में रहेंगे। कार्यक्षेत्र में आय की दृष्टि से दिन सन्तोषजनक रहेगा।

कर्क — आज आपके काम समय पर पूरे हो जायेंगे। मानसिक रूप से काफी मजबूत रहेंगे। रचनात्मक योजनाओं से आपको अच्छे परिणाम मिलेंगे। वैवाहिक जीवन को लेकर थोड़ी परेशानियां रहेंगी। पैर और कमरदर्द की शिकायत हो सकती है।

सिंह — आज नशे से पूरी तरह दूरी बनाकर रखें। घर में रिश्तेदारों का आगमन हो सकता है। मन में नकारात्मक विचार जन्म ले सकते हैं। स्वास्थ्य में थोड़ी नरमी हो सकती है। आज लंबी दूरी की यात्रा करने से बचें। प्रेमीजन के ऊपर धन खर्च करेंगे।

कन्या — आज का दिन खुशियों और उत्साह से भरपूर रहेगा। अविवाहित लोगों को विवाह के अवसर मिल सकते हैं। मन में पुरानी स्मृतियां दोबारा ताजा होंगी। आपकी कोई मनोकामना पूर्ण हो सकती है। व्यापार में बिक्री बढ़ने से आप अत्यन्त प्रसन्न रहेंगे।

तुला — आज आपकी सेहत थोड़ी प्रतिकूल हो सकती है। आज आप घर में अधिक समय बिताना पसंद करेंगे। अपने प्रेमी को प्रपोज कर सकते हैं। पर्यटन व्यवसाय से जुड़े लोग नए टूर की योजना बनायेंगे। वैवाहिक जीवन सुखद रहेगा।

वृश्चिक — आज रुका हुआ धन मिलने में कठिनाई होगी। कार्यक्षेत्र में सहकर्मियों से मतभेद उभर सकते हैं। विद्यार्थी नए कोर्स में प्रवेश को लेकर योजना बनायेंगे। दिखावे के चक्कर में आप थोड़ी गलतियां करेंगे। धर्म-कर्म पर धन खर्च कर सकते हैं।

धनु — आज व्यवसाय में आपकी अपेक्षा के अनुसार बिक्री न होने से मन अप्रसन्न हो सकता है। उधार लिया हुआ धन मिलने में कठिनाई होगी। अपना खानपान संतुलित रखें। महत्वपूर्ण कार्य लंबित हो सकते हैं। मित्रों के व्यवहार से आपको दुख हो सकता है।

मकर — आज आपकी दिनचर्या थोड़ी व्यस्त रहेगी। आयात-निर्यात से जुड़े व्यवसाय से धन लाभ होगा। ऑफिस में आपके कार्यों की प्रशंसा होगी। जीवनसाथी के साथ घूमने जा सकते हैं। छात्र पढ़ाई में अत्यधिक रुचि लेंगे।

कुंभ — आज कार्यक्षेत्र में काम का दबाव बढ़ेगा। शुगर के रोगियों को स्वास्थ्य समस्या हो सकती है। परिजनों के साथ नोक-झोंक हो सकती है। आर्थिक मामलों को लेकर थोड़ी परेशानियां हो सकती हैं। व्यवसाय में नये विरोधी सक्रिय हो सकते हैं।

मीन — आज कार्यक्षेत्र में बिक्री बढ़ने के योग बन रहे हैं। सरकारी कार्यों के लिए दिन बहुत शुभ है। घरेलू कलह का निवारण होगा। वैवाहिक जीवन खुशियों से भरपूर रहेगा। आपकी बातों से लोग आकर्षित रहेंगे। नई स्किल सीखने का प्रयास कर सकते हैं।

सुडोकू-102

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

			2		6			3
6		8			1			
	7		6					1
		6			4	5		
	9						7	
		1	8			3		
4			3		2		9	
						6		2
3			9		7			

सुडोकू - 101 का हल

1	5	6	7	9	4	2	3	8
8	4	7	1	2	3	6	9	5
9	3	2	8	5	6	4	1	7
6	9	8	5	3	1	7	2	4
4	2	3	6	7	9	5	8	1
7	1	5	4	8	2	3	6	9
2	6	4	9	1	5	8	7	3
5	8	1	3	6	7	9	4	2
3	7	9	2	4	8	1	5	6

दो वर्षों में मुझे काफी अनुभव हासिल हुआ। इस बीच कई ऐसे मुश्किल क्षण आए जिन्होंने मुझे खिलाड़ी और इंसान के रूप में मजबूत बनाया। अब मैं पहले से बेहतर खिलाड़ी बन गई हूं।

आर वैशाली, भारतीय ग्रैंडमास्टर

स्टेडियम

मुरादाबाद, बुधवार, 17 सितंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

भारत के वेलकुमार ने स्पीड स्केटिंग में पहला विश्व स्वर्ण पदक जीता

बीजिंग। भारत के स्पीड स्केटर आनंदकुमार वेलकुमार ने स्पीड स्केटिंग विश्व चैंपियनशिप में भारत के लिए पहला स्वर्ण पदक जीतकर देश के लिए स्वर्णिम अध्याय लिखा। वेलकुमार ने सीनियर पुरुषों की 1,000 मीटर स्प्रिंट स्पर्धा में 1 मिनट 24 .924 सेकंड का समय लेकर जीत हासिल की और प्रतिस्पर्धी अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सबसे आगे रहे। उनकी यह जीत भारतीय रोलर स्पोर्ट्स के लिए महत्वपूर्ण क्षण था, जो लंबे समय से वैश्विक मंच पर पहचान बनाने की कोशिश कर रहा था। तमिलनाडु के 23 वर्षीय खिलाड़ी ने पिछले हफ्ते बेइदाईहे में 500 मीटर स्प्रिंट में 43 .072 सेकंड के समय के साथ कांस्य पदक जीतकर इसी प्रतियोगिता में भारत के लिए पहला सीनियर पदक हासिल किया था।

पॉडकास्ट की दुनिया में उतरीं सेरेना-वीनस

न्यूयॉर्क। टेनिस कोर्ट पर लंबे समय तक धूम मचाने के बाद विलियम्स बहनें सेरेना और वीनस अब पॉडकास्ट की दुनिया में उतर रही हैं। यह दोनों टेनिस जगत की महान खिलाड़ियों में हैं और उन्होंने लंबे समय तक महिला टेनिस में अपना दबदबा बनाए रखा था। सेरेना ने 2022 में अमेरिकी ओपन के रूप में अपना आखिरी टूर्नामेंट खेला था जबकि वीनस ने हाल में वर्ष के आखिरी ग्रैंड स्लैम के एकल, महिला युगल और मिश्रित युगल में प्रतिस्पर्धा की थी। सेरेना और वीनस बुधवार को एक्स पर अपने पॉडकास्ट का पहला एपिसोड लॉन्च करेंगी।

एशिया कप से मैच रेफरी पाइक्रॉफ्ट को नहीं हटाएगा आईसीसी

भारत के हाथ न मिलाने पर रेफरी को जिम्मेदार ठहरा टूर्नामेंट छोड़ने की पीसीबी ने दी है धमकी

दुबई, एजेंसी

अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने मंगलवार को पाकिस्तान की उस मांग को खारिज कर दिया, जिसमें उसने एशिया कप के लिए अधिकारियों के पैनल से मैच रेफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट को हटाने को कहा था। हालांकि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने टूर्नामेंट से हटने की धमकी दी है लेकिन इससे उसको भारी वित्तीय नुकसान होगा।

पीसीबी ने आईसीसी को शिकायत दर्ज कराते हुए आरोप लगाया था कि पाइक्रॉफ्ट ने रविवार को एशिया कप मैच में टॉस के समय पाकिस्तानी कप्तान सलमान अली आगा से भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव से हाथ नहीं मिलाने के लिए कहा था। आईसीसी के एक सूत्र ने बताया कि कल देर रात आईसीसी ने पीसीबी को जवाब भेजा था कि पाइक्रॉफ्ट को नहीं हटाया जाएगा और उनकी याचिका खारिज कर दी गई है। जिंबाब्वे के 69 वर्षीय पाइक्रॉफ्ट बुधवार को यूएई के खिलाफ पाकिस्तान के ग्रुप चरण के अंतिम मैच में रेफरी होंगे। पाकिस्तान ने मंगलवार को यहां मैच से पहले होने वाली प्रेस कांफ्रेंस रद्द कर दी।

टीम सूत्रों ने बताया कि ऐसा मैच से हटने की धमकी पर सवालों से बचने के लिए किया गया। पाकिस्तानी टीम के मैनेजर नावेद चीमा ने भी एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) में शिकायत दर्ज कराई थी। इसमें आरोप लगाया गया था कि पाइक्रॉफ्ट के जोर देने पर ही रविवार को दोनों कप्तानों के बीच टीम की जानकारी का आदान-प्रदान नहीं किया गया जैसा कि आमतौर पर होता है। भारत की सात विकेट से जीत के बाद सूर्यकुमार और उनकी टीम ने पहलगाम आतंकी हमले के पीड़ितों और उनके परिवारों के प्रति सम्मान प्रकट करने के लिए पाकिस्तान के खिलाड़ियों से हाथ नहीं मिलाया था। टूर्नामेंट से हटने का फैसला पाकिस्तान के लिए आसान नहीं होगा क्योंकि उसे एसीसी से 10 लाख 60 हजार डॉलर का नुकसान हो सकता है।

उस्मान वाल्हा की वजह से पैदा हुई यह स्थिति

विश्वसनीय सूत्रों से पता चला है कि यह स्थिति पीसीबी के क्रिकेट परिचालन निदेशक उस्मान वाल्हा की वजह से पैदा हुई जिन्होंने अपने कप्तान को टूर्नामेंट के दौरान लागू होने वाले नियमों के बारे में जानकारी नहीं दी। पता चला है कि पीसीबी के नाराज प्रमुख मोहसिन नकवी ने राष्ट्रीय क्रिकेट टीम और उसके कप्तान को हुई शर्मिंदगी के लिए सोमवार को वाल्हा को बर्खास्त करने का आदेश दिया। नकवी एसीसी के मौजूदा अध्यक्ष भी हैं।

सलमान को नहीं थी नीति की जानकारी

सूत्रों के अनुसार यह वाल्हा की जिम्मेदारी थी कि वह सलमान को 'हाथ नहीं मिलाने' की नीति के बारे में सूचित करें लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया और पाकिस्तानी कप्तान को इसकी कोई जानकारी नहीं थी। पीसीबी के सूत्र ने कहा कि वाल्हा को टॉस के समय ही बयान जारी कर देना चाहिए था जब दोनों कप्तानों ने हाथ नहीं मिलाया था। नकवी जाहिर तौर पर गुस्से में थे क्योंकि उन्होंने इस मामले को अच्छी तरह नहीं संभाला।

रिचर्डसन को रेफरी के रूप में चाहता है पीसीबी

पीसीबी चाहता था कि पाइक्रॉफ्ट को पूरे टूर्नामेंट से हटा दिया जाए लेकिन अब यह देखना दिलचस्प होगा कि भारत के जय शाह की अध्यक्षता वाली आईसीसी द्वारा उनकी मांग को सिरे से खारिज करने के बाद वे खेलना जारी रखते हैं या नहीं। समझा जाता है कि पीसीबी सम्मानजनक समाधान निकालने की कोशिश कर रहा है, जिसके तहत वह चाहता है कि पाइक्रॉफ्ट उनके मैचों में मैच रेफरी की भूमिका नहीं निभाएं। पीसीबी ने यह भी प्रस्ताव दिया है कि बुधवार को यूएई के खिलाफ मैच में रिची रिचर्डसन रेफरी की भूमिका निभाए, लेकिन ऐसा होगा या नहीं यह बड़ा सवाल है।

भारतीय क्रिकेट टीम की जर्सी का नया प्रायोजक होगा अपोलो टायर्स, 579 करोड़ का सौदा

नई दिल्ली, एजेंसी

ऑनलाइन गेम मंच ड्रीम 11 के बाहर होने के बाद अपोलो टायर्स भारतीय क्रिकेट टीम की जर्सी का नया प्रायोजक होगा। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार को पीटीआई को यह जानकारी दी।

सरकार द्वारा पेश किए गए नए कानून के तहत ड्रीम 11 सहित वास्तविक धनराशि वाले गेमिंग मंच पर प्रतिबंध लगाने के बाद बीसीसीआई के पास टीम की जर्सी के लिए कोई प्रायोजक नहीं था। भारतीय टीम वर्तमान में दुबई में एशिया कप में बिना किसी जर्सी प्रायोजक के खेल रही है। बीसीसीआई के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि अपोलो टायर्स से करार हो गया है। हम जल्द ही इसकी घोषणा करेंगे। तीन साल के इस सौदे की कीमत 579 करोड़ रुपये है। यह ड्रीम 11 के साथ इसी अवधि के लिए हुए 358 करोड़ के समझौते से ज्यादा है।

टायर क्षेत्र की इस बड़ी कंपनी के साथ हुए इस सौदे में 121 द्विपक्षीय मैच और 21 आईसीसी मैच शामिल हैं।

- दुबई में आयोजित एशिया कप में बिना किसी जर्सी प्रायोजक के उतरी है भारतीय टीम

ड्रीम 11 ने हाल ही में ऑनलाइन गेमिंग अधिनियम 2025 के प्रचार और विनिमयन' के कारण अपने वास्तविक धन वाले गेम बंद कर दिए हैं। अधिनियम में कहा गया है कि कोई भी व्यक्ति ऑनलाइन मनी गेमिंग सेवाओं की पेशकश, सहायता, उकसाना, प्रेरित, लिप्त या संलग्न नहीं होगा और न ही किसी ऐसे विज्ञापन में शामिल होगा जो प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से किसी भी व्यक्ति को कोई भी ऑनलाइन मनी गेम खेलने के लिए प्रोत्साहित करता हो।

पाकिस्तान को जीतना होगा यूएई से मैच

एशिया कप

दुबई, एजेंसी

कमजोरियों और विवादों से जूझ रही पाकिस्तान की टीम को बुधवार को एशिया कप में अपने अभियान को बनाए रखने के लिए ग्रुप ए के मैच में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के खिलाफ करो या मरो मैच में हर विभाग में सुधार करना होगा।

भारतीयों के पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ नहीं मिलाने से पैदा हुए विवाद के बीच पीसीबी ने मैच रेफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट को हटाने की मांग की है और पाकिस्तानी मीडिया की रिपोर्टों के अनुसार धमकी दी है कि यदि जिम्बाब्वे के रेफरी को नहीं हटाया गया तो वह टूर्नामेंट से हट जाएगा। पाइक्रॉफ्ट को टूर्नामेंट के पाकिस्तान के अंतिम लीग मैच के दौरान रेफरी की भूमिका निभानी है। पाकिस्तान ने दो मैचों में एक जीत और एक हार दर्ज की है और फिलहाल वह दो अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है। नेट रन रेट के आधार पर वह यूएई (दो अंक) से आगे है, लेकिन यहां एक भी चूक उसे बाहर कर देगी। भारत से मिली हार ने पाकिस्तानी टीम की कमजोरी को उजागर कर दी है। ओमान जैसी टीम को हराने के बाद पाकिस्तान को अपने बल्लेबाजों के खराब प्रदर्शन से भारत के हाथों करारी हार का सामना करना पड़ा।

पाकिस्तान : सलमान अली आगा (कप्तान), अबरार अहमद, फहीम अशरफ, फखर जमान, हारिस रऊफ, हसन अली, हसन नवाज, हुसैन तलत, खुशदिल शाह, मोहम्मद हारिस, मोहम्मद नवाज, मोहम्मद वसीम जूनियर, साहिबजादा फरहान, सईम अयूब, सलमान मिर्जा, शाहीन अफरीदी, सुफयान मोकिम।

संयुक्त अरब अमीरात : मुहम्मद वसीम (कप्तान), अलीशान शराफू, अर्यांश शर्मा, आसिफ खान, ध्रुव पराशर, एथन डिसूजा, हैदर अली, हर्षित कौशिक, जुनैद सिद्दीकी, मतीउल्लाह खान, मुहम्मद फारूक, मुहम्मद जवादुल्लाह, मुहम्मद जोहैब, राहुल चोपड़ा, रोहिद खान, सिमरनजीत सिंह, सगीर खान। **मैच रात 8 बजे।**

विश्व चैंपियनशिप में अब चोपड़ा पर निगाह, खिताब बचाने के लिए उतरेंगे

तोक्यो, एजेंसी

भारतीय भाला फेंक सुपरस्टार नीरज चोपड़ा बुधवार को क्वालीफिकेशन राउंड के साथ विश्व चैंपियनशिप में अपने खिताब का बचाव करने का अभियान शुरू करेंगे, जिसमें उन्हें पाकिस्तान के ओलंपिक स्वर्ण विजेता अरशद नदीम और जर्मनी के डायमंड लीग चैंपियन जूलियन वेबर की चुनौती का सामना करना पड़ सकता है।

चोपड़ा का लक्ष्य विश्व चैंपियनशिप में अपने स्वर्ण पदक का बचाव करने वाला तीसरा खिलाड़ी बनना होगा। उन्होंने 2023 में बुडापेस्ट में आयोजित हुई पिछली विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता था। चेक गणराज्य के दिग्गज और वर्तमान में चोपड़ा के कोच जान जेलेंजी (1993, 1995) और ग्रेनेडा के एंडरसन पीटर्स (2019, 2022) ने ही दो मौकों पर विश्व चैंपियनशिप का ताज जीता है। चोपड़ा 2024 पेरिस ओलंपिक के बाद पहली बार नदीम का सामना करेंगे, जिससे उन्हें फ्रांस की राजधानी में दूसरे स्थान पर रहने का बदला लेने का मौका मिलेगा। नदीम ने पेरिस में 92.97 मीटर के थ्रो के साथ स्वर्ण जीता था, जबकि चोपड़ा का थ्रो 89.45 मीटर था और उन्हें रजत पदक मिला था। चोपड़ा और नदीम का मुकाबला बुधवार को नहीं होगा क्योंकि दोनों क्वालीफाइंग दौर में दो अलग-अलग ग्रुप में है। गुरुवार को फाइनल में उनके आमने-सामने होने की उम्मीद है। वेबर, पीटर्स, कीनिया के 2015 के विश्व चैंपियन जूलियस येगो, त्रिनिदाद और टोबैगो के 2012 के ओलंपिक चैंपियन केशोर्न वाल्कोट, चेक गणराज्य के जैकब वाडलेज और ब्राजील के लुईज़ दा सिल्वा बाकी स्टार खिलाड़ियों में शामिल हैं।

नीरज के साथ होंगे सचिन यशवीर और रोहित

यह भारत के लिए ऐतिहासिक प्रतियोगिता होगी क्योंकि सचिन यादव, यशवीर सिंह और रोहित यादव मैदान पर नीरज के साथ होंगे, जो प्रतियोगिता में भाग लेने वाले देशों में सबसे बड़ी संख्या है। चोपड़ा को गत विजेता के रूप में वाइल्ड कार्ड दिया गया है, जबकि अन्य तीन ने विश्व रैंकिंग के जरिए क्वालीफाई किया। चोपड़ा को बुधवार को 19 सदस्यीय ग्रुप ए क्वालीफिकेशन राउंड में वेबर, वाल्कोट, वाडलेज और सचिन के साथ रखा गया है, जबकि 18 सदस्यीय ग्रुप बी में नदीम, पीटर्स, येगो, डा सिल्वा, रोहित, यशवीर और श्रीलंकाई खिलाड़ी रमेश थरंगा पथिरगे शामिल हैं।

चीन मास्टर्स: सिंधु पहले दौर में जीतीं

शेनझेन (चीन), एजेंसी

स्टार भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु ने बुधवार को पहले दौर में डेनमार्क की जूली डावाल जैकबसन को सीधे गेम में हराकर चीन मास्टर्स सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला एकल प्री क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। आयुष शेट्टी को पुरुष एकल के पहले दौर में छठे वरीय और दुनिया के पांचवें नंबर के चीनी ताइपे के खिलाड़ी चाउ टिएन चेन के खिलाफ 19-21 21-12 16-21 से शिकस्त झेलनी पड़ी।

रुतविका गाडे और रोहन कपूर की मिश्रित युगल जोड़ी भी युइची शिमोगामी और सयाका होबारा की जापान की जोड़ी के खिलाफ 17-21 11-21 की हार के साथ प्रतियोगिता से बाहर हो गई। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधु ने जैकबसन को सिर्फ 27 मिनट में 21-4, 21-10 से हराया। भारतीय खिलाड़ी को यह जीत हांगकांग ओपन सुपर 500 टूर्नामेंट के शुरुआती दौर में डेनमार्क की लाइन क्रिस्टोफरसन के खिलाफ हार के 10 दिन से भी कम समय बाद मिली है।

इस साल हांगकांग ओपन सहित छह बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर प्रतियोगिताओं के पहले दौर में हार का सामना करने वाली सिंधु अच्छी लय में नजर आईं और इस 30 वर्षीय खिलाड़ी ने कुछ ही समय में अच्छी बढ़त बना ली और पहला गेम 10 मिनट से थोड़े अधिक समय में जीत लिया। दूसरे गेम में भी यही सिलसिला जारी रहा। पिछले दो मुकाबलों में डेनमार्क की खिलाड़ी को हराने वाली सिंधु ने 4-1 की बढ़त बनाई, लेकिन जैकबसन ने स्कोर 4-4 कर दिया। इसके बाद सिंधु ने बेहतरीन तकनीक का नजारा पेश करते हुए प्रतिद्वंद्वी की चुनौती को ध्वस्त किया। सिंधु ने छह अंक के साथ स्कोर 11-8 से 17-8 पर किया और जीत दर्ज की। पिछली बार जब दोनों खिलाड़ी योनेक्स स्विस ओपन के शुरुआती दौर में भिड़ीं थी तो जैकबसन ने हार के बावजूद सिंधु को कड़ी टक्कर दी थी।

शेट्टी बीडब्ल्यूएफ रैंकिंग में सर्वश्रेष्ठ 27वें स्थान पर

शेट्टी ने कड़ी चुनौती पेश की लेकिन चेन ने निर्णायक गेम जीत लिया। शेट्टी की चेन के खिलाफ यह तीसरी हार है। इस साल ताइपे और अमेरिकी ओपन सेमीफाइनल में शेट्टी को हराने वाले चेन ने दबदबा बनाए रखा जबकि भारतीय खिलाड़ी ने भी कड़ी चुनौती दी। निर्णायक गेम में दोनों खिलाड़ी 13-13 से बराबर थे, जिसके बाद चेन ने चार अंक के साथ 17-13 की बढ़त बनाई और फिर मैच जीत लिया। शेट्टी को हालांकि उस समय सांत्वना मिली जब वह बीडब्ल्यूएफ विश्व रैंकिंग में करियर के सर्वश्रेष्ठ 27वें स्थान पर पहुंच गए। वह हांगकांग ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे थे और दुनिया के नौवें नंबर के खिलाड़ी जापान के कोडाई नेराओका को भी हराया था।